जबलपुर शनिवार 09 मई 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमीं, संवत 2083
वर्ष 31 अंक 310 > मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 38.8°C
न्यूनतम तापमान 24.6°C
सूर्योदय - 5.32 | सूर्यास्त - 6.41

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट 10

एमबीबीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर ग्रामीण बेटियों 2

विद्या ने इरफान खान को बताया सबसे 7

हटा को मिली अपनी महिला रोग विशेषज्ञ 8

मुख्यमंत्री कौन...शाह ने तोड़ा मौन

बंगाल में बीजेपी सरकार शुभेंदु होंगे पहले सरदार

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चल रहे लंबे राजनीतिक सस्पेंस पर आखिरकार विराम लग गया है। कोलकाता में शुक्रवार को हुई बीजेपी विधायक दल की अहम बैठक में शुभेंदु अधिकारी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुन लिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद उनके नाम का ऐलान किया, जिसके बाद अब यह साफ हो गया है कि शुभेंदु अधिकारी ही पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री होंगे। कोलकाता के बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई इस हाई-प्रोफाइल बैठक में गृह मंत्री अमित शाह के साथ पर्यवेक्षक के तौर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे। नवनिर्वाचित विधायकों द्वारा नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी भावुक नजर आए। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का आभार जताया। शुभेंदु ने कहा कि यह जीत मेरी नहीं, बल्कि उन करोड़ों बंगाल वासियों की है जिन्होंने बदलाव के संकल्प को वोट दिया है। जानकारी के मुताबिक, शुभेंदु अधिकारी शनिवार सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। कल 9 मई का दिन पश्चिम बंगाल के लिए बेहद खास है क्योंकि इस दिन रवींद्र जयंती मनाई जाती है। इसी पावन अवसर को यादगार बनाने के लिए कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में भव्य शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी की गई है। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा और बीजेपी शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है।

जनता ने विकास का रास्ता चुना: शाह

विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने बंगाल के गौरवशाली इतिहास को याद किया। उन्होंने कहा कि एक दौर था जब कहा जाता था कि बंगाल जो आज सोचता है, भारत वो कल सोचता है। पिछले कुछ दशकों में राज्य के उस गौरव को काफी ठेस पहुंची, लेकिन अब जनता ने फिर से विकास का रास्ता चुना है। अमित शाह के मुताबिक, इस चुनाव में बीजेपी विधायकों की जीत का औसत 28 हजार वोट रहा है, जो राज्य में पार्टी के प्रति अटूट जनसमर्थन का प्रमाण है। शाह ने कहा कि ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी।

दो डिप्टी सीएम भी बनेंगे

माना जा रहा है कि पार्टी राज्य में दो डिप्टी सीएम बना सकती है, ताकि अलग-अलग क्षेत्रों और सामाजिक समीकरणों को साधा जा सके। बीजेपी के भीतर जिन नेताओं के नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं, उनमें अग्निमित्रा पॉल और सुकांता मजूमदार प्रमुख बताए जा रहे हैं। हालांकि, अमित शाह अथवा पार्टी ने फिलहाल इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। बहरहाल शुक्रवार को दिनभर कोलकाता में राजनीतिक गहमागहमी बनी रही। सबकी निगाहें शाम 6.30 बजे राजभवन में होने वाली मुलाकात पर टिकी रही, वहीं कल होने वाले ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह का इंतजार है।

ये नेता बन सकते हैं मंत्री

मंत्रियों की सूची में अग्निमित्रा पॉल (आसनसोल दक्षिण), दिलीप घोष (खड़गपुर सदर), शंकर घोष (सिलीगुड़ी), रितेश तिवारी (काशीपुर-बेलगाछिया), अशोक डिंडा (मोइना), अजीत कुमार जाना (दातों), सौरभ सिकदर (दमदम उत्तर), शरद दत्त मुखोपाध्याय (विधाननगर), रत्ना देबनाथ (पानीहाटी), राजेश महतो (बिनपुर), स्वप्न दासगुप्ता (राशबेहारी), उमेश राय (हावड़ा उत्तर) और तापस रॉय (मानिकतला) जैसे नाम शामिल बताए जा रहे हैं।

नहीं रहे आईटी कंपनी के मालिक रवि पंडित

पुणे। उद्योग जगत के लिए शुक्रवार का दिन दुख भरा रहा। के पी आइ ट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और चेयरमैन एस.बी. रवि पंडित का 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने पुणे में आखिरी सांस ली। कंपनी ने 8 मई 2026 को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के माध्यम से उनके निधन की जानकारी दी। वे भारतीय आईटी और ऑटोमोबाइल जगत के एक बड़े नाम थे। रवि पंडित ने केपीआईटी टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक और चेयरमैन के रूप में कंपनी को ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर की दुनिया में एक बड़ा नाम बनाया। आज यह कंपनी 15 देशों में काम करती है और दुनिया की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनियों के साथ मिलकर ऑटोनॉमस ड्राइविंग, इलेक्ट्रिफिकेशन और क्लीन मोबिलिटी पर काम कर रही है।

कूनो में 11 मई को दो चीते होंगे रिलीज

श्योपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 मई को कूनो नेशनल पार्क में दो चीतों को खुले जंगल की सैर पर भेजेंगे। तय कार्यक्रम के मुताबिक, मुख्यमंत्री 10 मई की शाम को ही कूनो पहुंच जाएंगे और रात वहीं रुकने के बाद अगले दिन सुबह 8 बजे कूनो नदी के पास स्थित साइट से इन चीतों को आजाद करेंगे। बताया जा रहा है कि बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों ने अपनी क्वारंटीन की अवधि पूरी कर ली है, जिसके बाद उन्हें छोटे बाड़े में रखा गया था। अब इनमें से दो चीतों को पूरी तरह खुले जंगल में छोड़ने की तैयारी है।

विजय का राजतिलक आज

राज्यपाल ने दिया सरकार बनाने का न्योता

चेन्नई। तमिलनाडु के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहने वाले है। टीवीके प्रमुख विजय कल सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे और इसके साथ ही राज्य को नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा। शुक्रवार देर शाम प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। राज्यपाल भवन में हुई मुलाकात के बाद विजय ने इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को स्वीकार किया। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। विजय का राजनीति में प्रवेश फिल्मी दुनिया से अलग एक नई लहर लेकर आया है। उनकी पार्टी टीवीके ने युवाओं, महिलाओं और आम जनता के बीच जबरदस्त समर्थन हासिल किया है। अभिनेता से नेता बनने की उनकी यात्रा ने तमिलनाडु की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया है। लोग अब विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर नई उम्मीदें लगा रहे हैं। यही वजह रही थी कि उनकी सभाओं में भारी भीड़ देखने को मिली और पहली बार चुनाव लड़ने के बावजूद पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई है। सरकार बनाने के लिए विधानसभा में 118 सीटों का बहुमत चाहिए होता है। टीवीके को अब दूसरी पार्टियों का भी समर्थन मिल गया है, जिससे वह इस आंकड़े तक पहुंच गई है। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस के 5 विधायक टीवीके के समर्थन में आए हैं। सीपीआई ने 2 विधायकों का समर्थन दिया। सीपीआई(एम) ने भी 2 विधायकों का समर्थन किया। साथ ही साथ आईयूएमएल और वीसीके ने भी 2-2 विधायकों का समर्थन दे दिया है।

रेलवे ने 100 से ज्यादा घरों को भेजा नोटिस

खंडवा

रेलवे द्वारा खंडवा से भुसावल के बीच प्रस्तावित तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के लिए रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। तीन-चार माह में रेलवे शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खासकर घासपुरा, लोहारी नाका, तीन पुलिया चर्च के पीछे तथा प्लेटफार्म नंबर छह के पीछे 700 से अधिक मकानों को हटा चुका है। शुक्रवार को घासपुरा क्षेत्र में 100 से अधिक लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस देने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

डीएमके ने कांग्रेस से 20 साल पुराना रिश्ता तोड़ा!

लोकसभा में अलग बैठने की मांग

नई दिल्ली। तमिलनाडु चुनाव के परिणामों ने भारत की विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक को तोड़ दिया है। डीएमके यानी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और कांग्रेस का 20 सालों का रिश्ता बिल्कुल खत्म हो गया। डीएमके ने संसद में कांग्रेस के साथ बैठने से इनकार कर दिया है। अब डीएमके अलग सीटों पर बैठेगा। इसका कारण है कि कांग्रेस ने एक्टर विजय की पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया जबकि डीएमके विजय के खिलाफ है। ये एक राजनीतिक भूचाल है जो पूरे इंडिया ब्लॉक को हिला सकता है। तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में कोई भी पार्टी या गठबंधन को पूरी सत्ता नहीं मिली। विजय की पार्टी टीवीके यानी तमिलागा वेत्री कझगम को 108 सीटें मिलीं जो सबसे ज्यादा है लेकिन बहुमत के लिए 118 सीटें चाहिए। 234 सदस्यीय विधानसभा में 118 से ऊपर जाना मुश्किल हो गया है। पहले डीएमके और कांग्रेस मिलकर लड़े थे। लेकिन चुनाव के बाद एक-दूसरे के खिलाफ हो गए। चुनाव के बाद कांग्रेस को 5 सीटें मिलीं। अब कांग्रेस ने विजय के टीवीके को समर्थन दे देने का फैसला किया। इससे टीवीके की सीटें 108 से 113 हो गईं। इसके बाद अन्य पार्टी ने भी टीवीके को समर्थन दे दिया, जिससे वह बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गए। डीएमके को ये फैसला बेहद नापसंद आया। डीएमके ने कांग्रेस को 'धोखेबाज' कहा। डीएमके के नेताओं ने कहा कि कांग्रेस को एक राज्यसभा सीट और 28 विधानसभा सीटें डीएमके की 'दया और उदारता' की वजह से मिली थीं। गुरुवार को डीएमके के विधायकों ने एक बैठक की और कांग्रेस के खिलाफ प्रस्ताव पास किया। फिर शुक्रवार को डीएमके की संसदीय नेता कनिमोझी कारुणानिधि ने लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला को एक चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी में उन्होंने कहा कि 'राजनीतिक हालात बदल गए हैं' इसलिए डीएमके के सांसद अब कांग्रेस के सांसदों के बगल में नहीं बैठना चाहते। उन्होंने मांग की कि लोकसभा में डीएमके को अलग सीटें दी जाएं। इंडिया ब्लॉक भारत के विपक्षी दलों का एक गठबंधन है। इसमें कांग्रेस, डीएमके, आप, सपा और कई दूसरी पार्टियां शामिल हैं। डीएमके इसका चौथा सबसे बड़ा सदस्य है और लोकसभा में 22 सांसद हैं।

सरकार को नहीं पता अवैध कॉलोनियों का आंकड़ा

भोपाल

प्रदेश में अवैध कॉलोनियों का जाल लगातार फैलता जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि सरकार के पास अब तक इनकी वास्तविक संख्या का अद्यतन रिकॉर्ड ही मौजूद नहीं है। वहीं, दूसरी ओर नगरीय प्रशासन विभाग अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई के लिए नया कानून तैयार कर रहा है, जिसमें अवैध कॉलोनाइजरों पर जुर्माना और सजा कई गुना बढ़ाने की तैयारी है।

युवाओं को रोजगार की बजाय सोशल मीडिया का नशा दिया जा रहा : राहुल

गुरुग्राम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुग्राम के दौरे पर हैं। राहुल गांधी सद्भावना यात्रा में शामिल हुए हैं। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने गुरुग्राम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ साल पहले उन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, जिसमें लाखों लोग शामिल हुए थे। उस दौरान नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान का नारा जनता के बीच से निकला था। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस का नहीं, बल्कि देश की भावना का नारा है और आज भी देश को इसकी जरूरत है। राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा और पूरे देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कॉलेजों से डिग्रियां तो मिल रही हैं, लेकिन रोजगार नहीं मिल रहा। उनके मुताबिक सरकार की नीतियों के कारण देश में चीन का सामान बिक रहा है और युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें सोशल मीडिया और इंस्टाग्राम में उलझाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ियां की जाती हैं। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों वोटरों के नाम काटे जाते हैं और लाखों नाम जोड़े जाते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जनता अब सब समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की संपत्तियां कुछ बड़े उद्योगपतियों को सौंपी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का धन छीनकर उद्योगपति गौतम अदानी और अंबानी को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

'मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत'

कर्नल सोफिया मामले में मप्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली

सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- बस बहुत हुआ, अब हमारे आदेश का पालन कीजिए। सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है। कोर्ट ने एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत है। दरअसल, यह विवाद पिछले साल भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ की गई क्रॉस-बॉर्डर सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने इस ऑपरेशन की मीडिया ब्रीफिंग की थी। इसके बाद महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह ने कहा था कि जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा किया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी ही एक बहन को भेजा। इस बयान को कर्नल कुरैशी के धर्म से जोड़कर देखा गया, जिसकी हर तरफ निंदा हुई।

अगली सुनवाई 4 हफ्ते बाद

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वह परिस्थितियों की समग्रता को देखते हुए जल्द निर्णय ले। कोर्ट ने अब इस मामले की सुनवाई 4 सप्ताह बाद तय की है। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री को गिरफ्तारी से सुरक्षा दे रखी है, लेकिन एफआईआर रद्द करने या माफी स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

अब महंगा पड़ेगा होर्मुज पार करना!

ईरान ने बनाई नई एजेंसी, हर जहाज से होगी टोल वसूली

तेहरान

ईरान ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपने नियंत्रण को औपचारिक रूप देने की दिशा में एक बड़ा और विवादास्पद कदम उठाया है। ईरान ने एक नई सरकारी एजेंसी का गठन किया है, अब इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों की जांच करेगी, उन्हें अनुमति देगी और उन पर टोल टैक्स भी लगाएगी। शिपिंग डेटा फर्म लॉयड लिस्ट इंटेलिजेंस के अनुसार, ईरान ने 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी' नामक एक नई एजेंसी स्थापित की है। यह एजेंसी खुद को इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को अनुमति देने वाली एकमात्र वैध संस्था के रूप में पेश कर रही है। ईरान के इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार जगत में नई चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि फारस की खाड़ी में सैकड़ों व्यावसायिक जहाज फंसे हुए हैं और खुले समुद्र तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। हालांकि, इस संभावना ने कि दो महीने से जारी युद्ध जल्द खत्म हो सकता है, अंतरराष्ट्रीय बाजारों को कुछ राहत दी और वैश्विक बाजारों में सकारात्मक असर देखा गया। इस बीच

तेहरान ने कहा है कि वह अमेरिका की ओर से युद्ध समाप्त करने के लिए भेजे गए ताजा प्रस्तावों की समीक्षा कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को कहा कि वह पाकिस्तान के जरिए भेजे गए संदेशों की समीक्षा कर रहे हैं। पाकिस्तान इस समय अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। बघाई ने ईरानी सरकारी टीवी से कहा कि ईरान अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है और अमेरिकी पक्ष को अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि देश की सशस्त्र सेनाओं ने होर्मुज में स्थित केश्म द्वीप पर दुश्मन के साथ गोलीबारी की। क़ेश्म द्वीप फारस की खाड़ी में ईरान का सबसे बड़ा द्वीप है, जहां लगभग डेढ़ लाख लोग रहते हैं। यहां एक बड़ा समुद्री वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट भी मौजूद है। हालांकि गोलीबारी के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। व्हाइट हाउस और अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी इस संबंध में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

ईरान में जारी हैं धमाके

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसियों फार्स और तस्नीम ने दक्षिणी ईरान में बंदर अब्बास के पास विस्फोटों की आवाज सुनाई देने की खबर दी। हालांकि इन धमाकों के स्रोत की पुष्टि नहीं की गई। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने वेटिकन में पोप लियो 14वें के साथ मध्य पूर्व में शांति प्रयासों पर चर्चा की। पोप ने ईरान युद्ध का विरोध किया है, जिसके कारण उनका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सार्वजनिक मतभेद भी सामने आया है। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने टेलीविजन पर दिए अपने संबोधन में कहा कि इस्लामाबाद युद्ध को रोकने और युद्धविराम को आगे बढ़ाने के लिए ईरान और अमेरिका के साथ दिन-रात लगातार संपर्क में है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने भी अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बात की।

कॉंग्रेस समन्वय समिति एवं विधानसभावार बैठक हुई संपन्न

संगठन की मजबूती, अनुशासन एवं बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने पर हुआ मंथन

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

जिला कॉंग्रेस कमेटी द्वारा संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से जिला कॉंग्रेस कार्यालय में समन्वय समिति एवं विधानसभावार बैठकों का आयोजन किया गया। बैठक जिला कॉंग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम में जिला प्रभारी विधायक नारायण पट्टा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं जयसिंहनगर विधानसभा प्रभारी आशीष त्रिपाठी, जैतपुर विधानसभा प्रभारी मनोज सराफ एवं ब्यौहारी विधानसभा प्रभारी त्रिभुवन सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत संगठनात्मक समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा के साथ हुई। इस दौरान जिला प्रभारी विधायक नारायण पट्टा ने समन्वय समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा जनहित, लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए समर्पित है। संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव एवं बूथ स्तर तक पहुँचकर आमजन की समस्याओं को सुनने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संगठन में अनुशासन एवं समन्वय कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन के निर्देशों का पालन करते हुए पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर कांग्रेस पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी और जिले में संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। बैठक के दौरान समन्वय समिति के सदस्यों के साथ संगठनात्मक गतिविधियों, सदस्यता अभियान, बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क अभियान एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही पार्टी की रीति-नीति एवं अनुशासन के पालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इसके पश्चात जयसिंहनगर, जैतपुर एवं ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्रों की अलग-अलग बैठकें आयोजित की गई। तीनों विधानसभा प्रभारियों ने संबंधित क्षेत्रों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विस्तारपूर्वक संगठनात्मक चर्चा करते हुए जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति तैयार की। बैठक में बूथ कमेटियों के गठन, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, जनसमस्याओं को लेकर आंदोलनात्मक कार्यक्रमों एवं आगामी चुनावी तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया, बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जिला प्रभारी विधायक नारायण पट्टा, जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी, नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल, विधानसभा प्रभारी मनोज सराफ, आशीष त्रिपाठी,त्रिभुवन सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कटारे, नीरज द्विवेदी, आजाद बहादुर सिंह, विनोद ताम्रकार संगठन महासचिव, जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, नगर अध्यक्ष प्रभात पाण्डेय, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह,सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष प्रीतेश द्विवेदी, युवाकॉंग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, बुढ़ार जनपद अध्यक्ष उमा धुर्वे, महिला जिलाध्यक्ष संध्या सिंह, सच्चिदानन्द सिंह, प्रीतमदास सोनी,सतेन्द्र त्रिपाठी, जयकरण सिंह,अंकित सिंह, सत्यनारायण साहू, शिवशंकर शुक्ला, विष्णु प्रताप सिंह, मनोज सिंह, मोहम्मद रिहान, हरिशंकर तिवारी, पुष्पराज सिंह, प्रेमधारी सिंह, दलप्रताप सिंह, कुलदीप सिंह, ओमप्रकाश सिंह,अजय जायसवाल, विमल सिंह, रामपाल पनिका, बालकरण सिंह, शम्भू पटेल, केशव पनिका आदि जिले भर से बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

जर्जर शासकीय विद्यालयों को चिन्हित कर कराएं मरम्मत-उप मुख्यमंत्री

जनपद कार्यालय ब्यौहारी के सामने संचालित शराब दुकान हटाने के दिये निर्देश

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन विकास कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना अत्यंत आवश्यक है। विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले के विकास को नई गति मिलेगी। उक्त निर्देश उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सर्किट हाउस बाणसागर में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री ने शहडोल उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल निर्माण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहडोल उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल, भन्नी सिंचाई परियोजना जैसे अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कलेक्टर समय-सीमा की बैठक में अनिवार्य रूप से करें एवं जल्द से जल्द पूर्ण कर आमजन को उन सुविधाओं का लाभ दिलाए। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर कार्य करने की अत्यंत आवश्यकता है।

उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज एवं जिले में निर्माणाधीन हेल्थ सेंटरो को यथाशीघ्र पूर्ण कर जनप्रतिनिधियों द्वारा शुभारंभ कराना सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में कलेक्टर को निर्देश दिए की जिले में संचालित शासकीय विद्यालय जो जर्जर हैं उन्हें सूचीबद्ध कर उनका मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में बनाए जा रहे सांदीपनि विद्यालय के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर जल्द से जल्द से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उप मुख्यमंत्री ने जनहित को दृष्टिगत रखते हुए जनपद पंचायत कार्यालय ब्यौहारी के सामने संचालित शराब की दुकान हटाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में मेडिकल कॉलेज में रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया, भू अर्जन कार्य में प्रगति, टेटका शहडोल मार्ग की प्रगति, जयसिंहनगर बाईपास, ब्यौहारी सपटा मार्ग, जल जीवन मिशन के कार्य, प्रगतिरत कटनी से सिंगरौली डबल रेलवे लाइन के कार्य सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री को जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा विकास कार्यों हेतु अपने अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। बैठक में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ.राजेश मिश्रा, विधायक जयसिंह मरावी, शरद कोल, मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ.केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी एवं जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 25 में शत प्रतिशत हुआ मकानसूचीकरण का कार्य

शहडोल (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले में जनगणना 2027 के अंतर्गत 30 मई तक प्रगणको द्वारा घर-घर जाकर मकानों के गणना का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में नगरीय निकाय के वार्ड नंबर 25 के प्रगणक प्रदीप विश्वकर्मा द्वारा कड़ी मेहनत, लगन और कर्तव्य निष्ठा के साथ जनगणना 2027 के तहत वार्ड नंबर 25 में घर-घर जाकर शत प्रतिशत मकानो की गणना का कार्य किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा भंडारी ने जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय रघुराज क्रमांक 2, शहडोल के प्रगणक प्रदीप विश्वकर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

प्यासे पंछियों को राहत देने विश्वविद्यालय परिसर में लगाए गए सकोरे

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई पण्डित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय भीषण गर्मी के इस मौसम में जब तापमान लगातार बढ़ रहा है और जल स्रोत सूखते जा रहे हैं, ऐसे समय में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना एक मानवीय और पर्यावरणीय दायित्व बन जाता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा 'सकोरा अभियान' चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत शहडोल परिसर की वाटिका में पक्षियों के लिए पानी से भरे सकोरे (मिट्टी के बर्तन) लगाए गए, जिससे पक्षियों को गर्मी में राहत मिल सके। इस पहल का मुख्य उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है। कार्यक्रम में शहडोल परिसर प्रभारी प्रोफेसर गीता सराफ, कला संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सुनीता बाथरे, आई टी सेल प्रभारी डॉ. सुषमा नेताम, डॉ. दिनेश मिश्र, डॉ. सागर कुमार पांडेय डॉ. अंबिकेश नामदेव एनएसएस प्रभारी डॉ धानी जामोद, डॉ वीरेन्द्र कुर्मी और लखेश्वर ऋषभ संस्कार आदि स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरी लगन के साथ वाटिका के विभिन्न स्थानों पर शकोरे स्थापित किए। स्वयंसेवकों ने यह सुनिश्चित किया कि शकोरे ऐसे स्थानों पर लगाए जाएँ, जहाँ पक्षियों की आवाजाही अधिक हो और उन्हें आसानी से पानी उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के दौरान परिसर प्रभारी प्रोफेसर गीता सराफ ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना एक छोटा सा प्रयास है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा होता है। उन्होंने बताया कि गर्मी के दिनों में पानी की कमी के कारण अनेक पक्षी अपनी जान गंवा देते हैं। ऐसे में यदि हर व्यक्ति अपने घर, छत या आस-पास किसी सुरक्षित स्थान पर पानी का एक बर्तन रख दे, तो हजारों पक्षियों का जीवन बचाया जा सकता है। एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ धानी जामोद ने बताया कि 'शकोरा अभियान' केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसे एक सतत प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाएगा। स्वयंसेवक नियमित रूप से इन शकोरों में पानी भरने और उनकी साफ-सफाई का ध्यान रखेंगे, ताकि पक्षियों को स्वच्छ जल मिल सके। इसके साथ ही, लोगों को भी इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, जिससे यह एक जनआंदोलन का रूप ले सके।

स्व. पवन कुमार चमड़िया की स्मृति में टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

बुढ़ार (स्वतंत्रमत)। बुढ़ार बाईपास स्थित पावरप्ले टर्फ में स्वर्गीय पवन कुमार चमड़िया की तीसरी पुण्यतिथि के अवसर पर टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, खेल भावना और सामाजिक सहभागिता का अनूठा संगम बना। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं स्व. पवन कुमार चमड़िया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर पूर्व विधायक छोटे लाल सरावगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में आशा बाई चमड़िया, मृणालिनी चमड़िया एवं कंचन चमड़िया सहित समस्त चमड़िया परिवार मौजूद रहा।

वहीं उद्घाटन समारोह में प्रवीण सिंह, डीसी सिंघानिया, मनीष चमड़िया और ऋषभ चमड़िया सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता निभाई। आयोजकों ने बताया कि स्व. पवन कुमार चमड़िया की स्मृति में आयोजित यह क्रिकेट टूर्नामेंट युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने और क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रखा गया है। प्रतियोगिता में क्षेत्र की कई टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिससे खेलप्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

रयपुरा की बेटी शुभी मरावी ने बढ़ाया जिले का मान

एमबीबीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर ग्रामीण बेटियों के लिए बनी प्रेरणा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले की शहपुरा तहसील अंतर्गत ग्राम रयपुरा की प्रतिभाशाली बेटी शुभी मरावी ने अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने परिवार, ग्राम रयपुरा एवं पूरे जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि को ग्रामीण अंचल की बेटियों के लिए प्रेरणादायक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और महिला चिकित्सकों के अभाव को शुभी ने बचपन से महसूस किया। इन्हीं परिस्थितियों ने उनके भीतर समाजसेवा की भावना को मजबूत किया और उन्होंने चिकित्सक बनकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। यही लक्ष्य और समर्पण उन्हें लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहा।

अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर शुभी ने वर्ष 2021 में नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश प्राप्त किया तथा विदिशा स्थित मेडिकल कॉलेज में अध्ययन प्रारंभ किया। कठिन परिश्रम और निरंतर प्रयासों के बाद वर्ष 2026 में उन्होंने एमबीबीएस परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर अपना सपना साकार किया।

शुभी की सफलता यह संदेश देती है कि स्पष्ट लक्ष्य, आत्मविश्वास और सतत मेहनत से किसी भी मंजिल को हासिल किया जा सकता है। उनकी उपलब्धि आज ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। शुभी की माता रश्मि संध्या मरावी गृहिणी हैं, जबकि उनके पिता जबलपुर में डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदस्थ हैं। शुभी की शिक्षा एवं सफलता में उनकी माता का मार्गदर्शन, प्रेरणा और परिवार का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। परिवार के समर्थन और शुभी की लगन ने इस प्रेरणादायक सफलता की कहानी को साकार किया है।

जिले की विकास योजनाओं, निर्माण कार्यों एवं विभागीय गतिविधियों की हुई व्यापक समीक्षा

प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागरी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) बैठक में सर्वप्रथम पूर्व में आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन पर विस्तृत चर्चा की गई। नगरीय विकास एवं आवास विभाग की राज्यमंत्री तथा डिंडौरी जिले की प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, विद्युत विभाग, कृषि विभाग, खाद्य विभाग, पुलिस विभाग नर्मदा घाटी प्राधिकरण, राष्ट्रीय सड़क प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगर परिषद शहपुरा एवं डिंडौरी सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

प्रभारी मंत्री ने जल संसाधन विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए विभाग के उपलब्ध बजट से राधोपुर जलाशय, बसनिया जलाशय एवं बिजौरा जलाशय सहित अन्य परियोजनाओं में किसानों की सिंचाई सुविधा हेतु नहर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बजट प्रस्ताव भेजने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण आहार वितरण एवं आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की गई। इसी प्रकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित छात्रावास, आश्रम एवं शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित योजनाओं को लेकर प्राप्त शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों से जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री ने जल संसाधन विभाग एवं राष्ट्रीय सड़क प्राधिकरण के अधिकारियों के समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने तथा कार्यों में गुणवत्ताहीनता एवं लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने एनआरएलएम विभाग द्वारा बैगा परियोजना में लगभग 5 करोड़ रुपए की राशि के उपयोग की समीक्षा करते हुए अनियमितता पाए जाने पर तत्कालीन एनआरएलएम प्रबंधक एवं ब्लॉक समन्वयक एवं लापरवाह अधिकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नगर परिषद डिंडौरी एवं शहपुरा में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना ;एएचपी घटकद्ध अंतर्गत 8 वर्ष बाद भी अपूर्ण आवासों पर नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए। नर्मदा घाटी प्राधिकरण को राधोपुर बांध निर्माण हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए ताकि बांध निर्माण शीघ्र पूर्ण किया जा सके।

बैठक में नर्मदा नदी किनारे संचालित मांसाहार दुकानों को हटाने के संबंध में की जा रही कार्रवाई की समीक्षा भी की गई। इस संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रभारी मंत्री ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। वहीं एकलव्य विद्यालयों एवं छात्रावासों में रोटी मेकर मशीन प्रदाय से संबंधित शिकायतों पर विस्तृत चर्चा करते हुए सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को जांच के निर्देश दिए गए।

आबकारी विभाग की कार्रवाई में अवैध शराब के 6 प्रकरण कायम

38 हजार से अधिक कीमत की शराब एवं स्कूटी जब्त

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय की रोकथाम हेतु 07 मई 2026 को आबकारी विभाग द्वारा वृत्त बजाग एवं समनापुर क्षेत्र में विशेष कार्रवाई की गई। प्राप्त शिकायतों के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर अवैध शराब के 06 प्रकरण दर्ज किए गए।

कार्रवाई के दौरान आरोपी सागर कुमार पिता महेश प्रसाद, निवासी ग्राम विक्रमगंज जिला रोहतास (बिहार), हाल मुकाम गाड़ासरई के कब्जे से एक महरून रंग की होंडा स्कूटी से परिवहन की जा रही 25 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 25 पाव रॉयल सिलेक्ट विदेशी मदिरा बरामद की गई।

इसी प्रकार हीरा लाल पिता गेंदा, निवासी पंडरिया से 10 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, शांति बाई पति गेंदा, निवासी पंडरिया से 7 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, सूरज पिता चंदन मरकाम, निवासी बरसिंघा से 8 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, बिगरो बाई पति बुद्ध सिंह, निवासी बरसिंघा से 7 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब तथा सुनद्रा पति मुरारी नंदा, निवासी देवरी से 9 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब बरामद की गई।

कार्रवाई में कुल 25 पाव देशी मदिरा, 25 पाव विदेशी मदिरा, 41 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब एवं लगभग 25 हजार रुपए मूल्य की होंडा स्कूटी जब्त की गई। बरामद सामग्री की अनुमानित कुल कीमत 38 हजार 575 रुपए बताई गई है। उक्त सभी प्रकरणों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 46(1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

यह कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार एवं आबकारी अधिकारी श्री वैद्यनाथ वासनिक के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक सम्हर सिंह धुर्वे, आबकारी आरक्षक राम भरोस ठाकुर, छिद्दी लाल झारिया, मनीष उइके, करिश्मा सलामे, नगर सैनिक कोता बाई, तोक सिंह मरावी एवं वाहन चालक कुलदीप उइके द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

वनमंडल में अचानकमार टाइगर रिजर्व की बुजुर्ग बाघिन की दस्तक, वन विभाग अलर्ट

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) । छत्तीसगढ़ के अचानकमार टाइगर रिजर्व की एक बुजुर्ग बाघिन इन दिनों डिंडौरी वनमंडल के पूर्व करंजिया परिक्षेत्र में विचरण करती हुई देखी जा रही है। वन विभाग द्वारा जंगलों में लगाए गए ट्रैप कैमरों में बाघिन की मौजूदगी दर्ज की गई है, जिसके बाद विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है।

जानकारी के अनुसार, उप संचालक अचानकमार टाइगर रिजर्व से हुई चर्चा में पुष्टि हुई है कि यह बाघिन अचानकमार टाइगर रिजर्व की ही है और उसकी उम्र लगभग 17 वर्ष बताई गई है। इसे रिजर्व की सबसे बुजुर्ग बाघिनों में माना जा रहा है। सामान्य वनमंडल डिंडौरी के वनमंडलाधिकारी ने जिलेवासियों, विशेष रूप से पूर्व करंजिया क्षेत्र के ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि जंगल जाते समय लोग अकेले न जाएं और मवेशियों को चराने या जंगल ले जाते समय दो-तीन लोगों के साथ लाठी-डंडे लेकर जाएं।

वन विभाग लगातार बाघिन की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है और ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल वन अमले को देने की अपील की गई है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पूर्व नाम पंकज दुबे था, जिसे मैंने विधिवत रूप से परिवर्तित कर पंकज कुमार दुबे कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे पंकज कुमार दुबे, निवासी वार्ड नं. 1 कॉलेज कॉलोनी, धनपुरी (म.प्र.) के नाम से जाना एवं संबोधित किया जाए।

दिनांक - 8.5.2026

स्थान - धनपुरी

(हस्ताक्षर)

पंकज कुमार दुबे

नुक्कड़ नाटक कर जिनसार के विद्यार्थियों ने जन-जन को किया थैलेसीमिया के प्रति जागरूक

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर लोगों ने सीखें रोग से रक्षा के उपाय

फोटो-8, 9

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) ने विक्टोरिया अस्पताल में थैलेसीमिया के बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन बी. एससी नर्सिंग के चौथे वर्ष की छात्रों द्वारा प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजकों ने कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग और समर्थन देने के लिए विक्टोरिया अस्पताल के सीएमएचओ और सिविल सर्जन डॉ. नवीन कोठारी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समन्वय आशी साइमन सिंह और पूर्वी विजय कुमार द्वारा किया गया। इस नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य आम जनता के बीच थैलेसीमिया के बारे में जागरूकता फैलाना। लोगों को शीघ्र निदान और उपचार के बारे में शिक्षित करना। थैलेसीमिया रोगियों के लिए सामाजिक सहयोग और देखभाल को प्रोत्साहित करना और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देना रहा । नुक्कड़ नाटक ने अपने संदेश को अत्यंत रोचक और प्रभावी ढंग से दर्शकों तक पहुँचाया। दर्शकों ने थैलेसीमिया से प्रभावित व्यक्तियों के लिए जागरूकता, शीघ्र पहचान और सहयोग के महत्व को भली-भांति समझा ।

ओवेरियन कैंसर के प्रति किया गया जागरूक

इसी प्रकार विश्व ओवेरियन कैंसर दिवस के अवसर पर जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च द्वारा यूसीएचसी मनमोहन नगर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में ओवेरियन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना, इसके प्रारंभिक लक्षणों, बचाव एवं समय पर उपचार के महत्व को समझाना था। इस अवसर पर बी.एससी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसके माध्यम से ओवेरियन कैंसर के कारण, जोखिम कारक, चेतावनी संकेत एवं समय पर जांच और उपचार के महत्व को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। कार्यक्रम के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच, प्रारंभिक स्क्रीनिंग एवं कैंसर से प्रभावित महिलाओं को भावनात्मक सहयोग प्रदान करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने एवं किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इस जागरूकता कार्यक्रम को लोगों द्वारा सराहा गया तथा दर्शकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सरल भाषा, प्रभावशाली अभिनय एवं महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संदेशों ने लोगों को ओवेरियन कैंसर के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रभारी प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ. अंशुल शुक्ला का विशेष योगदान रहा तथा कार्यक्रम का समन्वयन भानु प्रिया रजक , शुभांगी केवट द्वारा किया गया।

लाल रोशनी से जगमगाया विक्टोरिया अस्पताल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर, दिशा वेलफेयर एसोसिएशन की एक अनूठी पहल के अंतर्गत जबलपुर के ऐतिहासिक विक्टोरिया अस्पताल को लाल रोशनी से रोशन किया गया। यह दृश्य न केवल आकर्षण का केंद्र रहा, बल्कि समाज को इस गंभीर रक्त विकार के प्रति जागरूक करने का एक सशक्त माध्यम भी बना।

अस्पताल को लाल रंग में रंगने के पीछे एक गहरा उद्देश्य है। लाल रंग रक्त का प्रतीक है। चूँकि थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त रोग है जिसमें शरीर में हीमोग्लोबिन निर्माण की प्रक्रिया बाधित होती है, यह लाल रोशनी उन मरीजों के संघर्ष, उनके द्वारा कराए जाने वाले नियमित ब्लड ट्रांसफ्यूजन और समाज में इस बीमारी को लेकर सतर्कता की आवश्यकता को दर्शाती है। यह एकता और जीवन बचाने के संकल्प का रंग है।

फोटो : अनिल तिवारी

हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पासपोर्ट टू अर्निंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में प्राचार्य, डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी के मुख्यातिथ्य में पासपोर्ट टू अर्निंग मध्य प्रदेश द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया । जिसमें महाविद्यालय की द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं ने भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य यूनिसेफ द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल तकनीकी कौशल हेतु निःशुल्क तकनीकी कोर्सेस के बारे में जानकारी प्रदान करना था व छात्राओं को इन कोर्सेस को करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

कोर्सेस के सर्टिफिकेट का बताया महत्व

कार्यक्रम में स्काउट गाइड से पधारे विशाल तिवारी द्वारा जानकारी प्रदान की गई व इन कोर्सेस के सर्टिफिकेट के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि यह सर्टिफिकेट उनके भविष्य और उच्च शिक्षा के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की उप-प्राचार्य डॉ.तृप्ति श्रीवास्तव, डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. निधि माथुर, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, प्रेमलता चौबे, विजय दहायत एवं प्रीति नामदेव का योगदान रहा।

अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष का अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा कैलाश जाटव का शुक्रवार को अंबेडकर चौक पर मप्र उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान अधिवक्ता संदीप शर्मा अधिवक्ता हैरी बमौरिया, अधिवक्ता अंकित साहू एवं भारी संख्या में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय के अधिवक्तागढ़ शामिल रहे।

सड़क पर बो दी घास, दो गांवों को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर कब्जा

ग्राम घुघरी का मामला, ग्रामीणों में आक्रोश

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम घुघरी से मुस्कुरी-मुस्कुरा गांव को जोड़ने वाली प्राचीन मुख्य सड़क पर कब्जे का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पटवारी, ठेकेदार और गांव के कुछ छुटभैय्ये नेताओं की मिलीभगत से सड़क पर तार फेंसिंग कर उसे बंद कर दिया गया और अब वहां गेहूं की फसल के बाद जानवरों के लिए घास बोकर सिंचाई तक कर दी गई है। इससे आम लोगों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है और छोटे वाहन तक नहीं निकल पा रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, सैकड़ों वर्षों से उपयोग में रही इस कच्ची सड़क से घुघरी, मुस्कुरी, मुस्कुरा और नेगई गांव का संपर्क गोसलपुर से बना हुआ था। लेकिन हाल ही में खेत मालिक राजकुमार पटेल और सुरेंद्र पटेल द्वारा मुख्य मार्ग पर फेंसिंग कर रास्ता बंद कर दिया गया। आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में पटवारी प्राची असाटी और ठेकेदार की भूमिका संदिग्ध रही है तथा निजी लाभ के लिए सड़क की दिशा बदलने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से गांव के बच्चे स्कूल जाते थे, लोग इलाज और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए गोसलपुर पहुंचते थे, लेकिन अब मुख्य सड़क ही समाप्त कर दी गई है। किसानों को भी खेतों तक वाहन ले जाने में परेशानी हो रही है और फिलहाल केवल बाइक एवं साइकिल ही किसी तरह निकल पा रही हैं। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि आखिर किस अधिकार से एक प्राचीन मुख्य सड़क को खेत में बदल दिया गया और उस पर खेती शुरू करा दी गई। साथ ही पटवारी प्राची असाटी की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।

मैडम का रसूख अधिकारियों से बड़ा

क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि इस मामले में पटवारी प्राची असाटी पहले एक अखबार को यह बयान दे चुकी हैं कि जहां से सड़क बनाई जा रही है वहां के किसान को मुआवजा न देकर सड़क की दिशा बदली गई है और पुरानी व वर्तमान सड़क किसान को दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा था कि किसी भी अधिकारी से शिकायत कर सकते हैं, कुछ नहीं होगा।

प्रशासन से की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पुरानी सड़क को तत्काल बहाल किया जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। क्या किसी प्राचीन मुख्य सड़क को निजी व्यक्ति को सौंपा जा सकता है? यह सवाल अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। सामान्यत: किसी प्राचीन सार्वजनिक मुख्य सड़क, रास्ते या ग्राम मार्ग को किसी निजी व्यक्ति को सीधे नहीं सौंपा जा सकता, यदि वह राजस्व रिकॉर्ड, नक्शे, पंचायत अभिलेख या लंबे समय से सार्वजनिक उपयोग में दर्ज मार्ग हो। यदि कोई रास्ता वर्षों से सार्वजनिक आवागमन में है, तो उसे बंद करने, जोतने, फेंसिंग करने या निजी खेत में बदलने के लिए विधिवत प्रशासनिक प्रक्रिया, सीमांकन, डायवर्सन और सक्षम अधिकारियों की अनुमति आवश्यक होती है। केवल पटवारी स्तर पर ऐसा निर्णय वैध नहीं माना जाता।

कचहरी दरगाह में आज से शुरू हुआ उर्स

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हाई कोर्ट के सामने स्थित हजरत सैय्यद ख़्वाजा अमीनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला अलेह, कचहरी वाले बाबा की दरगाह में शनिवार से 5 दिवसीय उर्स का आयोजन शुरू हो रहा है। दरगाह परिसर में होने वाले इस उर्स को लेकर अकीदतमंदों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। 9 मई की रात 9 बजे दरगाह में महफिल-ए-मिलाद शरीफ के साथ उर्स का आगाज़ किया जाएगा। इस अवसर पर सुल्तानुल वायजीन मौलाना सैय्यद हुसैन रब्बानी वाज व तकरीर पेश करेंगे।

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

श्रीमद्भागवत कथा ग्राम गोसलपुर के शंकर कालोनी में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा में श्रीकृष्ण सुदामा प्रसंग पर श्रीकृष्ण-सुदामा पात्र की झांकी के मंचन से श्रोता व दर्शक भावविभोर हो झूम उठे कथा प्रवक्ता पं. ब्रह्मानंद दास महाराज ने श्रीकृष्ण-सुदामा की आदर्श मित्रता की कथा सुनाते हुए कहा की सुदामा से परमात्मा ने मित्रता का धर्म निभाया राजा के मित्र राजा होते हैं रंक नहीं पर परमात्मा ने कहा की मेरे भक्त जिसके पास प्रेम धन है वह निर्धन नहीं हो सकता कृष्ण और सुदामा दो मित्र का मिलन ही नहीं जीव व ईश्वर तथा भक्त और भगवान का मिलन था आज मनुष्य को ऐसा ही आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए कथावाचक संत ब्रह्मानंद दास जी महाराज ने आगे कहा की कृष्ण और सुदामा जैसी मित्रता आज कहां है। यही कारण है की आज भी सच्ची मित्रता के लिए कृष्ण-सुदामा की मित्रता का उदाहरण दिया जाता है। द्वारपाल के मुख से पूछत दीनदयाल के धाम, बतावत आपन नाम सुदामा, सुनते ही द्वारिकाधीश नंगे पांव मित्र की अगवानी करने पहुंच गए लोग समझ नहीं पाए की आखिर सुदामा में क्या खासियत है की भगवान खुद ही उनके स्वागत में दौड़ पड़े श्रीकृष्ण ने स्वयं सिंहासन पर बैठाकर सुदामा के पांव पखारे कृष्ण-सुदामा चरित्र प्रसंग पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। इस दौरान चंद्र भूषण दुबे, जग भूषण दुबे आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया किया।

पंजाबी यूनिटी लीग के पहले दिन खेले गए धमाकेदार क्रिकेट मुकाबले

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पंजाबी महासंघ जबलपुर के यूथ विंग द्वारा आयोजित पंजाबी यूनिटी लीग क्रिकेट मैच का शिवाजी ग्राउंड सदर में उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से आर.एस.एस महाकौशल प्रांत के प्रचार प्रमुख विनोद एवं श्री दिनेश्वर, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, अशोक रोहणी, रिकुंज विज, रत्नेश सोनकर, इंद्र मोहन भाटिया सम्मिलित हुए। पहले दिन चार मुख्य मुकाबलों हुए, जिसमे प्रथम मुकाबला तिलकराज पंजाबी लीजेंड्स और विजनमहल पंजाबी नाइट राइडर्स के बीच हुआ इस मैच में पंजाबी नाइट राइडर ने जीत हासिल की। नाइट राइडर्स के स्टार बल्ले बाज अखिल मेहता ने शानदार 151 रन की नाबाद पारी खेली । इस दौरान नितिन भाटिया ने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि सामाजिक एकता, आपसी प्रेम और सौहाद्रता को बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की आवश्यकता है। इस अवसर पर संदीप विजन, अजय ग्रोवर, दीपक अरोरा, कुलदीपक कोहली, राजेश चंडोक, निखिल पाहवा, प्रवीण गुलाटी, किरण राजपूत, नितिन शर्मा, अनुज गुलाटी आदि का विशेष योगदान रहा।

आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय विखंडन का विरोध हुआ तेज

एनएसयूआई ने की राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के प्रस्तावित विखंडन के विरोध में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सचिन रजक के नेतृत्व में संभागीय आयुक्त संभाग को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में विश्वविद्यालय को विभाजित करने की प्रस्तावित प्रक्रिया को प्रदेश की चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था एवं जबलपुर की शैक्षणिक प्रतिष्ठा के लिए गंभीर रूप से हानिकारक बताया गया। और राज्यपाल से हस्तक्षेप करने की मांग की गई । एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार लगातार जबलपुर की संस्थागत साख एवं प्रशासनिक महत्व को कमजोर करने का कार्य कर रही है। पूर्व में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, कृषि विश्वविद्यालय एवं वेटनरी विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र एवं संरचना में परिवर्तन के बाद अब मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय को तीन भागों में विभाजित करने की तैयारी की जा रही है, जो महाकौशल क्षेत्र की शैक्षणिक पहचान पर सीधा आघात है। संगठन का कहना है कि प्रदेश की एकमात्र चिकित्सा विश्वविद्यालय होने के कारण यह संस्थान चिकित्सा शिक्षा, प्रशासनिक समन्वय एवं अनुसंधान का प्रमुख केंद्र रहा है पर इसे विभाजित करने से संसाधनों का बंटवारा, प्रशासनिक असंतुलन एवं शिक्षा व्यवस्था में अव्यवस्था की स्थिति निर्मित होगी।

तत्काल रोक लगाने की मांग

संगठन ने महामहिम राज्यपाल से मांग की है कि प्रस्तावित विखंडन प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए। ज्ञापन के दौरान राहुल रजक, अनुज यादव, एजाज अंसारी,आकाश सेन, मो कफील, आदर्श मालवे,मनीष विश्वकर्मा, अभिनव मिश्रा, जय, अभिषेक पटेल, पुष्पेन्द्र गौतम, आदित्य सिंह उपस्थित रहे।

नोटशीट के जाल में टीबी मुक्त भारत अभियान में हुआ भ्रष्टाचार का खेल

शिकायत पर आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने शुरू की मामले की जांच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि एनटीईपी कार्यक्रम के तहत तैनात और पिछले 8 वर्षों से इस पद पर जमे जिला कार्यक्रम समन्वयक सुनील शर्मा पर 1 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितता को अंजाम देने के गंभीर आरोपों ने विभाग के भीतर हड़कंप मचा दिया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने जबलपुर के स्वास्थ्य विभाग में हुए इस भ्रष्टाचार के मामले में अरविन्द मिश्रा की शिकायत पर संबंधितों को नोटिस जारी कर जांच शुरू कर दी है।

बुना गया था नोटशीट का मायाजाल

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत भारत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन में राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए जिला कार्यक्रम समन्वयक के कुल 15 कर्तव्य तय किए गए हैं । जिसमें बजट व खरीदारी का प्रबंधन, खरीदारी से जुड़ी रिपोर्टिंग और खरीदारी में सहयोग व स्टॉक की जाँच में जिला क्षय रोग अधिकारी की पूरी मदद करना डीपीसी शर्मा का ही कर्तव्य था। शिकायतकर्ता अरविन्द मिश्रा ने कलेक्टर और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो को शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि शर्मा ने नियमों और आधिकारिक प्रक्रियाओं का उपयोग कर्तव्य पालन के रूप में नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए किया और भ्रष्टाचार की शुरुआत नोटशीट के जरिए की। शर्मा ने नोटशीट आरम्भ करते समय भारत शासन की गाइडलाइन में खरीदारी व स्टाक से जुड़े अहम पदीय कर्तव्य पालन करने की आड़ में पदीय दायित्वों से प्राप्त अधिकारों का दुरूपयोग करते हुए भण्डार क्रय नियमों का उल्लंघन में नोटशीट का आरम्भ किया।

किया गया अधिकारों का दुरुपयोग

नोटशीट चलाना शर्मा के अधिकार क्षेत्र में था इसलिए पहला हस्ताक्षर भी उनका था

। लेकिन नोटशीट चलाकर उन्होंने घोटाले की शुरूआत की और नाम दिया वरिष्ठ अधिकारियों के अनुमोदन का जिसे सुरक्षा कवच बनाकर खुद को जवाबदेही से बचाने का प्रयास किया गया। इस पूरे घोटाले में शर्मा को निलंबित पूर्व सीएमएचओ डॉ संजय मिश्रा और लाइन अटैच पूर्व डीपीएम आदित्य तिवारी का भी संरक्षण प्राप्त था। शिकायतकर्ता के अनुसार डीपीसी शर्मा का दायित्व था कि वह भंडार क्रय नियमों के तहत नोटशीट शुरू करे, लेकिन जानबूझकर अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल कर सरकारी खरीद के उन बुनियादी नियमों को ताक पर रख दिया, जो पारदर्शी खरीद के लिए बनाए गए थे। मप्र भण्डार क्रय व सेवा उपार्जन नियम के अनुरूप सामग्री प्रदाय करने के लिए कोई अधिकारिक मांग पत्र नहीं दिया गया। आपातकालीन स्थितियां होने पर 3 या 7 दिन की निविदा भी बुलाई जा सकती थी लेकिन नहीं बुलाई गई और तयशुदा कीमत से ज्यादा कीमत में सामग्री की खरीदारी की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार शर्मा ने 3 निजी चहेती फर्मों और खुद को लाभ पहुंचाने के लिए सिर्फ कागजी खरीदारी कर फर्जी तरीके से स्टोर में सामान की भौतिक उपलब्धता दिखाकर भुगतान के लिए आगे बड़ाया गया है, और जिसे तत्कालीन डीपीएम आदित्य तिवारी द्वारा सत्यापन तथा निलंबित सीएमएचओ डॉ संजय मिश्रा द्वारा अनुमोदन किया गया इसलिए इन फर्मों के लंबित भुगतान को रोकना और इन भ्रष्ट अधिकारियों की तिकड़ी पर कार्यवाही किया जाना जरूरी है।

बालाघाट पुलिस ने किया सूदखोरी का भंडाफोड़

ऊंचे ब्याज के जाल में फंसाकर करता था आर्थिक शोषण, पुलिस ने बड़ी मात्रा में दस्तावेज किए जब्त

बालाघाट (स्वतंत्रमत)।

वारासिवनी क्षेत्र में ऊंची ब्याज दरों पर लोगों को कर्ज देकर आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाले एक सूदखोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना वारासिवनी पुलिस ने शिकायतों की संयुक्त जांच के बाद आरोपी सुनील अरोरा पिता प्रीतमलाल अरोरा उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 07 लालबर्रा रोड वारासिवनी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी सुनिल अरोरा सुनियोजित तरीके से लोगों को 5-10 और 15 प्रतिशत तक अत्यधिक ब्याज दर पर ऋण देकर उन्हें कर्ज के जाल में फंसाता था। आरोपी पीड़ितों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनके एटीएम कार्ड, पासवर्ड, हस्ताक्षरित कोरे चैक, स्टांप पेपर, भूमि के मूल दस्तावेज एवं अन्य जरूरी कागजात अपने कब्जे में रख लेता था। इसके बाद लोगों को डरा-धमकाकर अवैध रूप से वसूली कर आर्थिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था।

विवेचना में यह भी सामने आया कि आरोपी अपने कब्जे में रखे चेक और स्टांप का दुरुपयोग कर स्वयं एवं अन्य लोगों के माध्यम से पीड़ितों पर चेक बाउंस के झूठे मामले दर्ज करवाता था। प्रताड़ना के चलते कई लोग अपनी जमीन बेचने को मजबूर हो जाते थे, जिसका फायदा उठाकर आरोपी कम कीमत पर रजिस्ट्री करवा लेता था और रकम को ब्याज के नाम पर रख लेता था। इस पूरी कार्यवाही के उपरांत पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा में दस्तावेज एवं सामग्री जब्त की है, जिनमें 15 ऋण पुस्तिकाएं, 153 ब्लैंक चेक, 15 भूमि रजिस्ट्री दस्तावेज, 22 कोरे स्टांप पेपर, 7 हस्ताक्षरयुक्त कोरे कागज, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की प्रतियां, एटीएम कार्ड, एलआईसी बॉण्ड, दो मोबाइल फोन तथा एक चार पहिया वाहन शामिल हैं। वही आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 183/26 के तहत धारा 308(5), 316(2) बीएनएस एवं म.प्र. ऋणियों का संरक्षण अधिनियम 1937 की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। फिलहाल पुलिस रिमांड पर लेकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा मामले की विस्तृत जांच जारी है।

इस पूरी विस्तृत कार्यवाही के लिये पुलिस ने एसआईटी टीम का गठन किया था। जिन्होने आरोपी के लगभग 06 ठिकानो में रेड मारी और दस्तावेंज खंगाले। क्योकि आरोपी, प्रार्थीयों के अलावा उनके परिजनो के चेक व अन्य दस्तावेंज भी कब्जे में रखा करता था, ताकि वह लोगो से अधिक ब्याज वसूली कर सके। वही लीमन वाडिवा के नाम से जमीन की रजिस्ट्री करवाते थे। बाद में टाईवल से टाईबल टांसफर करवाकर समय बीतने के बा कालोनीराईजर को जमीन बेच देते थे। इस कार्यवाही में 06 रजिस्ट्री दस्तावेंज भी जाचं में पाई गई है। इस पूरे मामले की आगामी जांच के लिये पुलिस ने आरोपी को पुनः रिमांड पर लिया है। जहां पूछताछ में आगे भी बेनाम संपत्ति का खुलासा हो सकता है। पुलिस के अनुसार मामले को लेकर अब तक 10 फरियादी सामने आ चुके है।

जिला शिक्षा केन्द्र में अनियमितताओं का आरोप

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

जिला पंचायत अध्यक्ष ने सामान्य सभा में उठाए गंभीर सवाल, कार्यवाही की मांग। बालाघाट। जिले में जिला शिक्षा केन्द्र की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार द्वारा 23 अप्रैल को आयोजित सामान्य सभा की बैठक में जिला परियोजना समन्वयक घनश्याम प्रसाद बर्मन के कार्यकाल में हुई कथित अनियमितताओं को लेकर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। जानकारी के अनुसार वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक सर्व शिक्षा अभियान की वार्षिक कार्य योजना का जिला इकाई से अनुमोदन नहीं कराया गया, जिसे गंभीर वित्तीय अनियमितता माना जा रहा है। इस मामले में दोषी अधिकारियों एवं संबंधित लिपिकों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार जिला इकाई का गठन नहीं किए जाने तथा प्रत्येक तीन माह में आयोजित होने वाली अनिवार्य बैठकों में लापरवाही बरतने के आरोप भी सामने आए हैं। सदन में इन मामलों पर भी कार्रवाई की मांग की गई।

एपीसी एवं बीआरसी नियुक्तियों को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। आरोप है कि जिला नियुक्ति समिति को दरकिनार कर नियमों के विपरीत नियुक्तियां एवं अनुमोदन किए गए। ट्राइबल ब्लॉकों से स्थानांतरित कर्मचारियों को नॉन ट्राइबल क्षेत्रों में पदस्थ करने तथा प्रतिनियुक्ति नियमों की अनदेखी कर वर्षों तक एक ही स्थान पर कर्मचारियों को बनाए रखने जैसे मामलों पर भी चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार बिना कलेक्टर एवं मिशन संचालक की स्वीकृति के प्रतिनियुक्ति पदों पर पदस्थापना किए जाने के आरोप भी लगे हैं। इन सभी मामलों में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। अब जिले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रस्तावों के बाद वास्तविक कार्रवाई कब होगी। जिला शिक्षा केन्द्र में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रशासन क्या कदम उठाता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

कलेक्टर ने की स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास संबंधी कार्यों की समीक्षा

बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना 08 मई को स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर स्वास्थ्य तथा बच्चों व महिलाओं से जुडी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने दोनो विभागों के अधिकारियों को विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिये। बैठक में सर्वप्रथम स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। गर्भवती माताओं के एएनसी पंजीयन की समीक्षा के दौरान पाया गया कि विकासखंड बैहर की प्रगति संतोषजनक नही है। बीएमओ लामता एवं लालबर्रा के अंतर्गत एनीमिया से ग्रसित गर्भवती माताओं का चिन्हांकन लक्ष्य के अनुरूप नही हो रहा है। कलेक्टर मीना ने सभी गर्भवती माताओं का अनमोल पोर्टल पर पंजीयन करने एवं उनकी नियमित एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कोई भी गर्भवती माता अनमोल पोर्टल पर पंजीयन से नही छुटना चाहिए। कुल पंजीकृत गर्भवती माताओं में 25 प्रतिशत एनीमिक पायी जाती है, ऐसी गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव का उचित प्रबंध सुनिश्चित किया जाए। टीकाकरण कार्य की समीक्षा के दौरान कलेक्टर मीना ने सभी गर्भवती माताओं एवं बच्चों का नियमित रूप से शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

दूसरी पत्नी की बेटी की शादी में शामिल होना पिता को पड़ा भारी

बेटों ने पिता को घर से निकाला, फिर डंडों से मारपीट भी की

बालाघाट। जिस बेटी को कभी उंगली पकड़कर चलना सिखाया, उसकी शादी में शामिल होना एक बुजुर्ग पिता के लिए इतनी बड़ी गलती बन जाएगी, शायद उसने सपने में भी नहीं सोचा होगा। बेटी की डोली उठने की खुशी अभी उसके मन में बाकी ही थी कि उसके अपने बेटों ने ही उसे घर से बेघर कर दिया। इतना ही नहीं, कुछ दिनों बाद उस ठिकाने पर भी दमक पडे, जहां बेघर पिता अपना बसेरा डाला हुआ था। वहां भी बेटे ने वाद विवाद की पिता की बेरहमी से डंडों से पिटाई कर दी। रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम छोटी कुम्हारी से सामने आई है।

दरअसल, 65 वर्षीय धरमलाल लिल्हारे देहाड़ी मजदूर है, जो मेहनत-मजदूरी करके परिवार का पेट पालते हैं। जिंदगी के इस पड़ाव में उन्हें अपनों से सहारे की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें अपमान और मारपीट का दर्द मिला। घायल धरमलाल की दो पत्नियां हैं और दोनों परिवार गांव में अलग-अलग रहते हैं। धरमलाल पहली पत्नी से जन्मे छोटे बेटे भादोलाल के साथ रहता है। बीते 16 अप्रैल को दूसरी पत्नी शांतिबाई की बेटी आशा का विवाह था। पिता होने के नाते धरमलाल अपनी बेटी की शादी में शामिल हुए और विवाह की रश्मे निभाई।

लेकिन यह बात पहली पत्नी के बेटों को इतनी नागवार गुजरी कि उन्होने शादी समारोह से लौटने के बाद पिता के साथ विवाद शुरू कर दिया। विवाद इतना बढ़ा कि उन्होंने पिता धरमलाल के साथ मारपीट की और पिता को घर से निकाललर उन्हें बेघर कर दिया।

उम्र के इस पड़ाव में बेघर हुए धरमलाल ने गांव के ही लोकेश लिल्हारे के मुर्गी फार्म में शरण ली और वहीं रहने लगे। लेकिन इसी बीच 6 मई की रात करीब 8 बजे उनका बेटा भादो लिल्हारे मुर्गी फार्म वाले उनके ठिकाने पर भी पहुंच गया और वहां पिता की हाथ-मुक्कों तथा डंडे से पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान बुजुर्ग पिता को हाथ और सिर मे गहरी चोट आई, जिससे वे जमीन पर गिर पड़े। इस बीच बेटे ने उन्हें जान से मारने तक की भी धमकी दे डाली। घायल अवस्था में धरमलाल किसी तरह स्वयं को संभालते हुए जिला अस्पताल पहुंचे और यहाँ अपना उपचार शुरू करवाया। अस्पताल पुलिस ने घायल बुजुर्ग के बयान दर्ज कर मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को भेज दी है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। इधर, घटना के बाद गांव में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस पिता ने जीवनभर मेहनत कर परिवार को पाला-पोसा, उसी पिता के साथ बेटों द्वारा किया गया यह व्यवहार बेहद शर्मनाक और अमानवीय है।

बिना अनुमति नलकूप खनन पर प्रशासन की कार्रवाई, बोरवेल मशीन जब्त

बालाघाट। जिले की बैहर तहसील अंतर्गत गढ़ी क्षेत्र के ग्राम खुसीर्पार में बिना अनुमति नलकूप खनन किए जाने के मामले में प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। आज दिनांक 07 मई 2026 को बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता के निर्देश पर राजस्व एवं प्रशासनिक अमले ने मौके पर पहुंचकर पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान बिना वैधानिक अनुमति के संचालित की जा रही बोरवेल मशीन को जब्त किया गया। प्रशासन द्वारा मशीन को जप्त कर पुलिस थाना गढ़ी परिसर में खड़ा कराया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति नलकूप खनन करना नियम विरुद्ध है तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील की गई है कि नलकूप खनन से पूर्व आवश्यक अनुमति अवश्य प्राप्त करें तथा शासन के नियमों का पालन करें।

व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन पर कैट ने सरकार के निर्णय का किया स्वागत

उमरिया (स्वतंत्र मत)। व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा ष्व्यापारी कल्याण बोर्डष् के गठन के निर्णय का कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने स्वागत करते हुए इसे एक सराहनीय एवं दूरदर्शी कदम बताया है। कैट के जिला अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी एवं जिले के सचिव अश्वनी वाधवा व जिला संयोजक सचिन गुप्ता व अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन द्वारा लंबे समय से सरकार से व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की मांग की जा रही थी। वर्तमान समय में व्यापार एवं उद्योग से जुड़े लोगों की समस्याओं के समाधान और उनके हितों की सुरक्षा के लिए यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

खनिजों के अवैध उत्खनन-परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम में लगातार कार्यवाही जारी

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर उमरिया श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में प्रभारी अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो की टीम द्वारा खनिजों के अवैध उत्खननन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम हेतु सतत् भ्रमण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में खनिज अमले की वाहन जॉच में तहसील पाली अंतर्गत ग्राम चांदपुर तिराहा के पास वाहन क्रमांक एमपी-65-एच-3696 हाईवा मय गिट्टी को ई-टीपी में अंकित मात्रा 16 घनमीटर से अधिक 02 घनमीटर का परिवहन किये जाने की स्थिति में पाया जाकर जप्त कर म.प्र. खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 20 के तहत ई-टीपी में अंकित मात्रा से अधिक खनिज मात्रा का परिवहन का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार तहसील करकेली अंतर्गत ग्राम उजान के पास वाहन ट्रेक्टरर क्रमांक एमपी-54-एए-0972 मय ट्राली वाहन स्वा्मी सीताशरण सिंह राठौर पिता रामलाल सिंह राठौर को खनिज रेत के परिवहन करते पाए जाने से रोका गया जिसमें ई-टीपी नहीं पाए जाने से वाहन को जप्त किया गया तथा संयुक्त अमले द्वारा कलेक्टर के निर्देशन में लगातार सघन जॉच की जा रही है।

रेडक्रॉस द्वारा जिला जेल में नशा मुक्ति अभियान जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन

उमरिया। शुक्रवार 8 मई को भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में जिला जेल उमरिया में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों एवं उपस्थितजनों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसाइटी उमरिया के चेयरमैन अखिलेश त्रिपाठी ने सभी उपस्थितजनों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संदेश दिया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक डी के सारस ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार एवं समाज के लिए घातक है।

यातायात विभाग ने मानपुर में 101 वाहनों पर की कार्यवाही

उमरिया (स्वतंत्र मत)। सड़क सुरक्षा को लेकर उमरिया पुलिश अधीक्षक विजय कुमार भागवानी के निर्देश पर यातायात प्रभारी ज्योति शुक्ला द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार 7 मई को मानपुर में यातायात विभाग ने बिना हेलमेट के वाहन चालकों पर ताबड़तोड़ कार्यवाही की है और नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही की। वही संदिग्ध नंबर और बिना परमिट के सवारी लेकर रोड में दौड़ने वाली बिजय प्रकाश की बस को जप्त कर सुरक्षित ताला चौकी में खड़े कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। वही मानपुर में गुरुवार को ताबड़तोड़ कार्यवाही में 101वाहनों की चलानी कार्यवाही करते हुए तीस हजार रुपए सामन्य सुल्क वसूल किया गया।

यातायात पुलिस द्वारा प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर सघन चेकिंग की गई, यातायात प्रभारी ज्योति सुक्ला ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है। कार्रवाई के दौरान कई वाहन चालकों को नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई है। वहीं, बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई। यातायात विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

सामान की जगह बारात ढो रही पिकअप..!

जान जोखिम में डालकर सफर करते दिखे आधा सैकड़ा लोग

मानपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले के मानपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बल्हौंड़ क्षेत्र में गुरवार की रात एक तेज रफ्तार ओवरलोड पिकअप वाहन लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता नजर आया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिनांक 07 मई 2026 को रात लगभग 8.45 बजे एक पिकअप वाहन में क्षमता से कई गुना अधिक बाराती सवार थे, जिनमें युवक और बच्चे वाहन के चारों ओर लटककर जान जोखिम में डालते हुए सफर कर रहे थे। बताया जा रहा है कि वाहन लगभग 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ब्यौहारी मार्ग की ओर बढ़ रहा था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह खुलेआम ओवरलोड और तेज रफ्तार से दौड़ रहे वाहनों पर विभाग एवं संबंधित अधिकारियों की नजर नहीं पड़ रही है, जिससे कभी भी बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। लोगों ने सवाल उठाया कि जहां एक ओर बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों पर पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई की जाती है, वहीं दूसरी ओर क्षमता से अधिक सवारी लेकर तेज गति से दौड़ रहे बड़े वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होना चिंता का विषय बनता जा रहा है।

ग्रामीणों और राहगीरों का कहना है कि शादी-ब्याह के मौसम में इस प्रकार के ओवरलोड वाहन लगातार सड़कों पर दौड़ते दिखाई देते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती। इससे न केवल यात्रियों की जान खतरे में पड़ती है बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बना रहता है, क्योंकि ऐसे लापरवाह वाहन चालकों के कारण सामने से आ रहे बाइक सवारी एवं पैदल वाले लोग भी दुर्घटना के शिकार हो जाने की खबर मिलटी रहती हैं।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि ऐसे वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। फिलहाल यह मामला क्षेत्र में चर्चा और चिंता का विषय बना हुआ है।

संगठन से बड़ा कोई नहीं : सम्मति सैनी

जिला कांग्रेस उमरिया की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

गुरुवार 7 मई को जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया द्वारा सगरा मंदिर के पास स्थित सामुदायिक भवन में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला संगठन प्रभारी सम्मति सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान जिले भर से कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी सम्मति सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आजादी से लेकर आज तक आम जनता के हितों के लिए लगातार संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि जब-जब कांग्रेस सत्ता में रही, उसने जनभावनाओं के अनुरूप कार्य किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संगठन ही कांग्रेस की असली ताकत है और कार्यकर्ता उसकी रीढ़ हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर बांधवगढ़ विधानसभा प्रभारी राकेश जैन कक्का ने कहा कि उमरिया जिले में कांग्रेस का मजबूत जनाधार है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत, जनपद, नगर पंचायत एवं नगर पालिकाओं में कांग्रेस के जनप्रतिनिधि निर्वाचित हुए हैं और संगठन किसी भी दृष्टि से कमजोर नहीं है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी विजय कोल ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें राहुल गाँधी द्वारा मिली जिम्मेदारी के बाद से वे लगातार कार्यकर्ताओं के संपर्क में हैं और संगठन को मजबूती देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हर पोलिंग बूथ और ग्राम पंचायत स्तर तक कांग्रेस को सशक्त बनाया जाएगा तथा ब्लॉक, मंडलम और ग्राम पंचायत समितियों का गठन शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

शनिवार 9 मई 2026

हर्राटोला आंगनवाड़ी में बच्चों की जान पर मंडराता खतरा

जिम्मेदार मौन, हर दिन डर के साये में बच्चे और गर्भवती महिलाएं

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)

मवई विकासखंड के वनांचल क्षेत्र हर्राटोला में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र आज एक भयावह सच्चाई का प्रतीक बन चुका है। जिस स्थान को नन्हे-मुन्ने बच्चों के पोषण शिक्षा और सुरक्षित भविष्य की नींव रखने के लिए बनाया गया था वही आज उनकी जान के लिए खतरा बन गया है। टूटी हुई छत, झड़ता प्लास्टर, दीवारों से बाहर झांकती सरिया यह दृश्य किसी जर्जर खंडहर का नहीं बल्कि एक सरकारी आंगनवाड़ी केंद्र का है जहां रोजाना बच्चे और गर्भवती महिलाएं अपनी जरूरतों के लिए पहुंचती हैं हर्राटोला आंगनवाड़ी केंद्र में रोजाना दर्जनों बच्चे पढ़ाई और पोषण आहार के लिए आते हैं। इनके साथ गर्भवती और धात्री महिलाएं भी यहां पोषण सेवाएं लेने पहुंचती हैं। लेकिन इन सबके सिर पर हर वक्त एक अनदेखा खतरा मंडराता रहता है छत गिरने का खतरा स्थानीय लोगों के मुताबिक भवन की हालत पिछले कई वर्षों से खराब है लेकिन हाल के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो गई है। छत का प्लास्टर लगातार गिर रहा है कई जगहों पर लोहे की सरिया खुलकर बाहर आ चुकी है और बारिश के मौसम में पानी टपकने से स्थिति और भी बदतर हो जाती है। ऐसे में बच्चों को यहां बैठाना किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता देने जैसा है सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर इस गंभीर स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या स्थानीय प्रशासन को इस जर्जर भवन की जानकारी नहीं है या फिर जान बूझकर इस खतरे को नजर अंदाज किया जा रहा है? सरकारें योजनाओं के बड़े-बड़े दावे करती हैं हर बच्चे तक पोषण हर मां तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की बातें होती हैं। लेकिन हर्राटोला जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में इन दावों की सच्चाई जमीन पर कुछ और ही नजर आती है। यहां न तो भवन सुरक्षित है न ही बच्चों के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है आंगनवाड़ी में आने वाली महिलाओं का कहना है कि वे मजबूरी में यहां आती हैं। एक गर्भवती महिला ने बताया हमें डर लगता है लेकिन पोषण आहार लेने और बच्चों को पढ़ाने के लिए आना पड़ता है। कभी भी कुछ भी हो सकता है वहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी इस स्थिति से बेहद चिंतित हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कई बार उच्च अधिकारियों को इस बारे में जानकारी दी है लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया इस गंभीर मुद्दे को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने भी आवाज उठाई है। समिति ने जिला प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे में बदल सकती है कमेटी ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से इस आंगनवाड़ी केंद्र के लिए सुरक्षित वैकल्पिक भवन की व्यवस्था की जाए। साथ ही जर्जर भवन को या तो मरम्मत किया जाए या फिर नए भवन का निर्माण कराया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग की कई योजनाएं हैं जिनका उद्देश्य बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को बेहतर बनाना है। लेकिन हर्राटोला जैसे क्षेत्रों में ये योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आती हैं अगर आंगनवाड़ी केंद्र ही सुरक्षित नहीं होगा तो इन योजनाओं का लाभ कैसे पहुंचेगा? क्या सिर्फ आंकड़ों में सुधार दिखाना ही लक्ष्य है या वास्तव में जमीनी स्तर पर बदलाव लाना भी जिम्मेदारी है? इस पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करना बेहद जरूरी है आखिर किसकी लापरवाही से यह स्थिति बनी? क्या संबंधित विभाग ने समय-समय पर निरीक्षण नहीं किया अगर किया तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं हुई यह सिर्फ एक भवन की बात नहीं है यह बच्चों की सुरक्षा और भविष्य का सवाल है ऐसे में किसी भी तरह की लापरवाही को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कृषि योजनाओं पर गफलत के आरोप, जांच की मांग

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला किसान अध्यक्ष अखिलेश ठाकुर ने प्रेसवर्ता में स्थानीय कृषि विभाग के उच्च अधिकारी पर आरोप लगाते हुए बताया कि कृषि विभाग में वर्ष 2025-26 खरीफ एवं रबी सीजन में करोड़ों रुपये की कथित अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार किया जा रह है। कृषि विभाग में वर्ष 2025-26 के खरीफ एवं रबी सीजन के दौरान विभिन्न योजनाओं में बड़े स्तर पर वित्तीय अनियमितताओं फर्जी भुगतान कागजी वितरण और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। उपलब्ध दस्तावेजों एवं जानकारी के अनुसार करोड़ों रुपये की राशि किसानों तक पहुंचने के बजाय कागजों में खर्च दिखाया गया है। किसानों को बीज वितरण कागजों में दिखाया गया जबकि वास्तविक वितरण नहीं हुआ। दलहन, तिलहन एवं अन्य योजनाओं में आदान सामग्री का भुगतान किया गया लेकिन किसानों को सामग्री नहीं मिली। किसान दिवस, प्रशिक्षण, प्रदर्शन एवं प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों में भारी राशि खर्च दर्शाई गई जबकि कई स्थानों पर कार्यक्रम हुए ही नहीं। फर्जी बिल एवं फर्जी नामों से भुगतान कर दिया गया है। राष्ट्रीय तिलहन मिशन बीज वितरण एवं प्रदर्शन योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितता की गई है। मिट्टी परीक्षण एवं प्रयोगशाला कार्यों में भी कागजी भुगतान किए जाते है। वर्ष 2025-26 में लगभग करोड़ों रुपये के भुगतान में गंभीर गड़बड़ी होने की आशंका है। सबसे गंभीर बात यह पूरा मामला सीधे किसानों के अधिकार और सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है। जिन योजनाओं का उद्देश्य किसानों को लाभ पहुंचाना था उनमें कथित रूप से भ्रष्टाचार कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया। इन अधिकारी के ऊपर डिंडोरी ईओडब्लू के द्वारा विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है उसके बाद भी यह मंडला जिले में पद की शोभा बढ़ा रहे है हम मांग करते है कि सभी भुगतान, बिल, वितरण सूची एवं रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जाएं। किसानों के नाम पर हुए कथित फर्जीवाड़े की ग्राम स्तर पर जांच हो। साथ ही अखिलेश ठाकुर ने यह भी बताया कि गेहूं खरीदी में जिला स्तर पर कई अनियमितताएं सामने आ रही है स्लॉट सिस्टम से सिर्फ मध्यप्रदेश में ही गेहूं खरीदी क्यों प्रभावित हो रही है अन्य राज्यों में क्यों नहीं अगर अगले 7 दिनों में इन परिस्थितियों पर प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं हुई तो किसान कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी जिसकी समस्त जवाबदारी शासन एवं प्रशासन की होगी।

विस्थापित परिवारों को पशु पालन डेयरी योजना की जानकारी दी

मण्डला(स्वतंत्रमत)

चुटका परियोजना से विस्थापित होकर गोंझी में निर्मित पुनर्वास कॉलोनी में बसे परिवारों के जीवन को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक बनाने के उद्देश्य से प्रशासन एवं विभागीय अमला लगातार प्रयासरत है। पुनर्वास के साथ-साथ इन परिवारों को स्थायी आजीविका उपलब्ध कराने की दिशा में भी गंभीर पहल की जा रही है ताकि विस्थापित परिवार नए स्थान पर आर्थिक रूप से सशक्त होकर बेहतर जीवनयापन कर सकें इसी क्रम में पशु चिकित्सा एवं सेवाएं विभाग के उप संचालक डॉ. उग्रसेन तिवारी गोंझी पुनर्वास कॉलोनी पहुंचे और वहां निवासरत परिवारों से मुलाकात कर उन्हें पशुपालन एवं डेयरी आधारित रोजगार गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी इस दौरान शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें रोजगार से जोड़ने की संभावनाओं पर चर्चा की ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व पुनर्वास कॉलोनी में आकर बसे यादव परिवार ने कलेक्टर के समक्ष पशुपालन गतिविधियों में रुचि व्यक्त करते हुए इस क्षेत्र में कार्य करने की इच्छा जताई थी परिवार की इसी इच्छा को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने तत्काल पहल की और पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर आवश्यक मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए। इसके बाद उप संचालक डॉ. तिवारी स्वयं कॉलोनी पहुंचे और परिवारों को विभागीय योजनाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी डॉ. तिवारी ने बताया कि शासन द्वारा पशुपालन एवं डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं जिनका लाभ लेकर विस्थापित परिवार स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कॉलोनी के परिवार संगठित होकर दुग्ध संघ का गठन करते हैं तो इससे उन्हें नियमित आय का स्थायी माध्यम प्राप्त होगा। दुग्ध संघ के माध्यम से यहां उत्पादित दूध का संग्रहण सीधे कॉलोनी से किया जाएगा जिसके लिए दुग्ध संघ का वाहन नियमित रूप से यहां पहुंचेगा। इससे परिवारों को बाजार तक पहुंचने की चिंता नहीं रहेगी और उन्हें अपने उत्पाद का उचित मूल्य भी प्राप्त हो सकेगा उन्होंने यह भी बताया कि पशुपालन केवल दूध उत्पादन तक सीमित नहीं है बल्कि इससे कई अन्य प्रकार के रोजगार भी विकसित किए जा सकते हैं। पशुओं के गोबर से कंडे एवं जैविक खाद तैयार कर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह कार्य भविष्य में बेहतर आय का माध्यम बन सकता है। इसके अलावा दूध, दही, घी एवं अन्य दुग्ध उत्पादों का उपयोग परिवार स्वयं भी कर सकेंगे, जिससे उनके पोषण स्तर एवं स्वास्थ्य में सुधार आएगा इस दौरान परिवारों को पशुओं की देखभाल, टीकाकरण, चारे की व्यवस्था एवं डेयरी प्रबंधन से संबंधित आवश्यक जानकारियां भी दीं। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी विभाग द्वारा हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि विस्थापित परिवार आत्मनिर्भर बनकर सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें।

सीआरपीएफ जवानों का स्वास्थ्य शिविर

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन तथा कमाण्डेंट 148 बीएन सीआरपीएफ के विशेष सहयोग से सीआरपीएफ के जवानों हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न गतिविधियॉ जैसे टीबी स्क्रीनिंग एवं टीबी जॉच आदि गतिविधियॉ आयोजित की गई। स्वास्थ्य शिविर में सीआरपीएफ जवानों की टीबी स्क्रीनिंग की गई संभावित टीबी मरीजों की जॉच ट्रूनॉट एवं हेण्ड हेल्ड चेस्ट एक्स-रे मशीन के माध्यम से की गई। स्वास्थ्य शिविर में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न प्रकार की आईईसी की गई तथा उपस्थित सीआरपीएफ के जवानों की टीबी काउन्सिलिंग की गई। आयोजित स्वास्थ्य शिविर में जिला क्षय अधिकारी डॉ. सुमित सिंगौर के द्वारा समस्त जवानों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया तथा टीबी कार्यक्रम के संबंध में समस्त को जानकारी दी गई। उक्त स्वास्थ्य शिविर में 148 बीएन सीआरपीएफ से कमाण्डेंट विक्रांत सारंगपानी, डिप्टी कमाण्डेंट मनोरंजन कुमार, फार्मासिस्ट अंकित कुमार एवं देवेन्द्र सेन एवं स्वास्थ्य विभाग से जिला क्षय अधिकारी डॉ. सुमित सिंगौर, चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण उइके, डीपीसी गौरव साहू, एसटीएस मुकुल तुमराम, एसटीएलएस आलोक रंजन अवधवाल, रेडियोग्राफर राघवेन्द्र भलावी लेब टेक्नीशियन गिरिजाशंकर नागवंशी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राचार्य ने की मंत्री से मुलाकात

मण्डला(स्वतंत्रमत)

एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल प्राचार्य श्रीमति रीना ने हाल ही में भारत सरकार के केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम से शिष्टाचार भेंट कर विद्यालय की शैक्षणिक प्रगति उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत तथा विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी प्राचार्या ने मंत्री को बताया कि विद्यालय निरंतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ जनजातीय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य कर रहा है। बैठक के दौरान स्मार्ट क्लास छात्रावास व्यवस्था खेलकूद सुविधाएं डिजिटल शिक्षा, करियर काउंसलिंग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा सह-शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की गई केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने विद्यालय के उत्कृष्ट परिणामों एवं विद्यार्थियों के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की उन्होंने विद्यालय प्रशासन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की मेहनत की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए यह भी कहा कि वे अपने आगामी दौरे में ईएमआरएस मंडला आएंगे तथा विद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ के साथ दोपहर का भोजन करेंगे बैठक सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई तथा जनजातीय विद्यार्थियों के लिए शिक्षा एवं सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर चर्चा की गई।

शराब ठेकेदार बना हजारों बेरोजगारों का अन्नदाता

जिला प्रशासन करे शराब ठेकेदार को सम्मानित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। 1 अप्रैल 2026 से मार्च 2027 तक के लिये नैनपुर शराब दुकान लगभग 22 करोड़ रूपये में नैनपुर एंव पिंडरई की देशी एंव विदेशी शराब दुकान टेंडर प्रक्रिया के तहत ली गई है। ठेका लेने के बाद से शराब ठेकेदार के द्वारा नगर क्षेत्र के सेकंडों बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही हैं। जिससे एक नहीं सेकंडों घरो का चूल्हा जल रहा हैं। आदीवासी बाहुल्य क्षेत्र मे शराब ठेकेदार एक मसीहा बनकर बेरोजगारो को शराब उपलब्ध कराकर दुकान संचालित कराकर रोजगार उपलब्ध करा रहा है जिससे शासन के खजाने में मोटी रकम भी पहुंच रही है ठेकेदार के इस रवैया के लिए जिला प्रशासन को सम्मानित करना चाहिए। परंतु आबकारी अधिकारी मंडला ठेकेदार के इस नेक कार्य को उजागर करने पर्दा डाले हुए हैं जिससे प्रशासन को नैनपुर शराब ठेकेदार के नेक कार्य की जानकारी नहीं हो पा रही है। विभागीय अधिकारी को जिला प्रशासन को जानकारी देकर सम्मानित कराना चाहिए। ज्ञात हो आदीवासी बाहुल्य क्षेत्र के बड़ी संख्या में युवाओं के माध्यम से शराब घर घर पहुंच सेवा देने के लिए लगाया गया है इसके अलावा हर एक चोट चौराहे पर शराब की दुकानें खुलबा दी गई है जिससे वेरोजगारों को रोजगार मिल रहा है। वहीं ठेकेदार की भी आमदनी बढ़ रही। इस सम्बन्ध में नगर के जागरूक लोगों का कहना कि नैनपुर क्षेत्र में रोजगार के कोई साधन नहीं है जिससे वे रोजगार की तलाश में महानगरों की खाक छान्ने जाते हैं युवाओं को रोजगार की जरूरत है । इस हेतु ठेकेदार के द्वारा शराब की तस्करी करने एक बड़ा नेटवर्क चलाया जा रहा है। इनके द्वारा नैनपुर विकास खंड में ही नहीं बल्कि मंडला तक मोटरसाइकिल एंव चार चक्का वाहनों में आराम से होम डिलीवरी के माध्यम से शराब मुहैया कराई जा रही। इस सम्बन्ध में सहायक जिला आबकारी अधिकारी शेली सैयाम से बात करने पर कहा गया कि लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की जानकारी हमे नहीं शासन ने एक स्थान पर बैठ कर दुकान चलाने का लाइसेंस दिया है यदी शराब ठेकेदार या उनके सहयोगियों के द्वारा अतिरिक्त स्थानो में शराब का विक्रय किया जा रहा है तो वह ग़लत है । शिकायत मिलने पर समय समय कार्रवाई की जाती है।

शराब दुकान के पीछे चल रहा आहता- नैनपुर में राह चलते बाहरी शराब प्रेमियों को शराब पीने के लिए बैठने का कोई उचित स्थान नहीं है जिसके लिए शराब ठेकेदार ने दुकान के पीछे खाली पड़े भू-खंड को आहता बना दिया है जिससे कि लोगों को शराब के साथ चखना एंव पानी आसानी से उपलब्ध हो सके। इस अतिरिक्त सुविधा का लाभ उठाने शराब के सोकीन जन दूर दराज से यहां पहुंच रहै है। जिसकी खबर जिलाअबकारी विभाग तक है परंतु ?

इनका कहना

मुझे इस सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं है हमारे द्वारा समय समय पर अवैध शराब बेचने बालों पर कार्यवाही की जाती आ रही है और आज भी टीम कार्यवाही करने नैनपुर क्षेत्र में गई हुई है।

शेली सैयाम सहा
जिला आबकारी अधिकारी
मंडला

मैकल कप टूर्नामेंट आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला क्रिकेट संघ एवं मैकल क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए 1 मई से 15 दिवसीय क्रिकेट समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है साथ ही एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट मैकल कप 2026 का शुभारंभ 9 मई से स्टेडियम ग्राउंड हो रहा है। टूर्नामेंट में तीन टीम शामिल हैं जो मैच लीग मैच खेलेगी यह प्रशिक्षण शिविर 1 मई से शुरू होकर 15 मई तक चलेगा इसमें 8 वर्ष की आयु से लेकर सीनियर वर्ग तक के बालक एवं बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। शिविर के दौरान खिलाड़ियों को कुशल प्रशिक्षकों एवं अनुभवी सीनियर खिलाड़ियों की निगरानी में क्रिकेट की बारीकियों और आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है कैंप के दौरान 9 मई से एक दिवसीय मैचों का मैकल कप टूर्नामेंट हो रहा है जिसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहन दिया जाएगा टूर्नामेंट में मैकल टीम नर्मदा इलेवन एवं फाइन स्पोर्ट्स हिस्सा ले रहे हैं।

सहकारी बैंक की परिचयात्मक बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला सहकारी बैंक के अधिकारियों के साथ परिचय बैठक की यह बैठक सहकारी समितियों और बैंक की कार्यप्रणाली को समझने के उद्देश्य से आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर ने उपस्थित सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया साथ ही मंडला और डिंडौरी जिले में संचालित सहकारी समितियों एवं जिला सहकारी बैंक के कामकाज का सामान्य ओवरव्यू लिया कलेक्टर ने अधिकारियों से सहकारी समितियों की संख्या उनकी वर्तमान आर्थिक स्थिति समेत विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली। उन्होंने भारत सरकार के विजन-2047 के अनुरूप वार्षिक और दीर्घकालीन कार्ययोजना तैयार करने पर भी चर्चा की बैठक में यह तय हुआ कि एक सप्ताह बाद फिर से बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी।

निर्माण कार्यों की हुई समीक्षा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जल संसाधन विभाग तथा नर्मदा घाटी विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का बारीकी से आंकलन किया गया बैठक में अधीक्षण यंत्री जल संसाधन विभाग संकल्प श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री श्री धनंजय कुशराम, अनुविभागीय अधिकारी मुकेश कुमार मुड़िया, कार्यपालन यंत्री नर्मदा घाटी विकास विभाग चंद्रशेखर धुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी सोमेन्द्र सूर्यवंशी कार्यपालन यंत्री हालोन एमएल अलावा उपस्थित थे।

घुघरी क्षेत्र में प्रशासनिक निरीक्षण

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। जिले के घुघरी क्षेत्र में एसडीएम घुघरी सचिन जैन एवं जनपद पंचायत मोहगांव के सीईओ कमल रंधावा द्वारा विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का आंकलन किया गया। ग्राम पंचायत सिंगारपुर में उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया गया। साथ ही अमृत सरोवर का अवलोकन किया गया। इस दौरान आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ड्रेगन फ्रूट की खेती एवं पॉलीहाउस तकनीक का भी निरीक्षण कर संबंधित जानकारी प्राप्त की गई इसके पश्चात ग्राम पंचायत देवगांव में आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया।

सामुदायिक भवन का लोकार्पण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते ने जिले के जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत जेवरा में विकास कार्यों की श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ते हुए नवनिर्मित सामुदायिक भवन का विधिवत लोकार्पण किया। लगभग 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह भवन स्थानीय नागरिकों के सामाजिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए एक सर्व सुविधायुक्त केंद्र के रूप में कार्य करेगा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

समिति की बैठक निरस्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की प्रस्तावित बैठक अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दी गई है।

संपादकीय

संघ परिवार का वर्चस्व

बंगाल और तमिलनाडु के जनादेश 'मील-पत्थर' हैं। बंगाल जीत कर आरएसएस का चिर-संचित एजेंडा भी पूरा हो गया है, तो तमिलों ने 64 साल पुरानी द्रविड़ राजनीति को खारिज कर नई विचारधारा, नए एजेंडे को चुना है। आरएसएस का पुराना एजेंडा था कि जम्मू-कश्मीर, असम, पूर्वोत्तर और बंगाल को जीत कर राष्ट्रवाद की सत्ता स्थापित करनी है। 'जनसंघ' की स्थापना के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर पर फोकस किया और 'एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की विचारधारा पर आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने शहादत भी दी। बहरहाल वह दौर घोर अतीत और एक इतिहास हो चुका है, लेकिन आज भाजपा ने बंगाल का ऐतिहासिक, प्रचंड, अभूतपूर्व जनादेश हासिल कर संघ की वैचारिक सोच को संपूर्णता दी है। दरअसल बंगाल, असम, पूर्वोत्तर भाजपा की वैचारिक सफलताओं के प्रतीक हैं। जम्मू-कश्मीर में भी उपराज्यपाल के जरिए भाजपा ही सत्ता में है, क्योंकि वहां उपराज्यपाल ही 'प्रशासनिक प्रमुख' होते हैं। मुख्यमंत्री निर्वाचित हैं, लेकिन वह 'प्रतीकात्मक' हैं। बहरहाल अब देश के 'अंग, बंग, कलिंग' पर संघ परिवार का राजनीतिक वर्चस्व है। भाजपा-एनडीए देश के 21-22 राज्यों और करीब 70 फीसदी भू-भाग पर काबिज हैं। यह सफलता और विस्तार पुरानी कांग्रेस के दौर की पुनरावृत्ति भी लगती है। अब भाजपा के सामने एक देश, एक चुनाव, समान नागरिक संहिता का राष्ट्रीयकरण, बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें देश के बाहर खदेड़ना, देश के नए परिसीमन और अंततः नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के एजेंडीय काम शेष हैं। यकीनन वे राजनीतिक चुनौतियां भी हैं। तमिलनाडु का जनादेश भी वैचारिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। 1960 के दशक में वहां द्रविड़ राजनीति का आंदोलन ऐसा खड़ा किया गया कि 1967 के बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में कभी लौट ही नहीं पाई। पेरियार (ईवी रामासामी नायकर) दक्षिण भारत के एक महान समाज सुधारक, तर्कवादी, नास्तिक, द्रविड़ आंदोलन के जनक थे। उन्होंने तमिलनाडु में जाति-व्यवस्था, ब्राह्मणवाद, अंधविश्वास और महिला उत्पीड़न के खिलाफ 'आत्म-सम्मान आंदोलन' चलाया। उनके सामाजिक न्याय योगदान के कारण उन्हें 'पेरियार' (महान व्यक्ति) कहा जाता है। द्रविड़ राजनीति का विभाजन हुआ और द्रमुक, अन्नाद्रमुक नामक राजनीतिक दल स्थापित हुए, लेकिन उनकी बुनियादी सोच एक ही थी। उन्हें वैकल्पिक तौर पर जनादेश भी मिलते रहे। मौजूदा संदर्भों तक द्रविड़ राजनीति देश में उत्तर बनाम दक्षिण, हिंदी-विरोधी, सनातन-विरोधी की पर्याय ही बनी रही। निवर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन के पुत्र उदय स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना 'मच्छर, मलेरिया, डेंगू और कोरोना' से की और उनके समूल नाश के आह्वान किए। अब विधानसभा चुनाव में तमिल जनता ने छह दशकों के लंबे कालखंड के बाद द्रविड़ राजनीति को खारिज किया है। यह बहुत बड़ा वैचारिक बदलाव है। हालांकि सुपरस्टार विजय की दो साल पुरानी पार्टी 'टीवीके' को बहुमती जनादेश नहीं मिला है, लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी और बहुमत के बेहद करीब है, लिहाजा सत्ता का आमंत्रण उन्हें ही मिलेगा। विजय ने व्यापक संदर्भों में भ्रष्टाचार के खिलाफ और शिक्षा-रोजगार जैसे क्षेत्रों में सुधारों का एजेंडा पेश किया है। बंगाल, तमिलनाडु, असम के संदर्भ में 'मुफ्तखोरी की रेवड़ियां' जिस तरह परोसी गई हैं, वे अंततः देशहित में नहीं हैं और देश पर कर्ज का बोझ ही बढ़ाएंगी। तमिलनाडु पर करीब 10.42 लाख करोड़ रुपए और बंगाल पर 7.90 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। प्रधानमंत्री मोदी 'रेवड़ियों' का सार्वजनिक विरोध करते रहे हैं, लेकिन फिर भी उनकी पार्टी रेवड़ियों को 'गारंटी' के तौर पर परोसती है।

बहुमत, राज्यपाल और लोकतंत्र

सरकार गठन पर सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक कसौटी

भूपेन्द्र गुप्ता
लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव परिणाम केवल सीटों की गणना नहीं होते, वे जनादेश की संवैधानिक अभिव्यक्ति होते हैं। लेकिन जब किसी विधानसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं आता, तब सबसे बड़ा प्रश्न यह खड़ा होता है कि सरकार बनाने के लिए किसे आमंत्रित किया जाए – सबसे बड़ी पार्टी को, पूर्व गठबंधन को, या उस समूह को जो बहुमत का दावा प्रस्तुत कर रहा हो?

पिछले तीन दशकों में भारत ने ऐसे अनेक राजनीतिक संकट देखे हैं, जहाँ राजभवन, न्यायपालिका और राजनीतिक दल आमने-सामने खड़े दिखाई दिए। इन परिस्थितियों में सुप्रीम कोर्ट ने धीरे-धीरे एक स्पष्ट संवैधानिक सिद्धांत विकसित किया – बहुमत का परीक्षण सदन के भीतर होगा, न कि राजभवन की धारणाओं में। यह सिद्धांत केवल तकनीकी संवैधानिक व्याख्या नहीं, बल्कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र की आत्मा है।

सबसे बड़ी पार्टी बनाम बहुमत का दावा

भारतीय संविधान में कहीं भी यह नहीं लिखा कि सबसे बड़ी पार्टी को स्वतः सरकार बनाने का अधिकार होगा। संविधान का वास्तविक उद्देश्य स्थिर और उत्तरदायी सरकार सुनिश्चित करना है। इसलिए यदि कोई गठबंधन या समूह सदन में बहुमत साबित करने की स्थिति में है, तो मात्र इस आधार पर उसे नकारा नहीं जा सकता कि वह अकेली सबसे बड़ी पार्टी नहीं है।हालांकि यह भी ऐतिहासिक रूप से सत्य है कि सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने का न्योता देकर उसे बहुमत सिद्ध करने का मौका दिया जाता रहा है। अटलविहारी बाजपेयी को तो लगभग 100 सीटों की कमी के बावजूद सरकार बनाने का मौका इसी आधार पर दिया गया था कि वह सबसे बड़ी पार्टी थी। बहुमत सिद्ध न कर पाने पर 13 दिन में उनकी सरकार गिर गई थी।

गोवा में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन भाजपा गठबंधन ने बहुमत समर्थन प्रस्तुत कर दिया। राज्यपाल ने गठबंधन को आमंत्रित किया और सुप्रीम कोर्ट ने शीघ्र फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया।

कर्नाटक में भी सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा पूर्ण बहुमत से दूर थी, जबकि कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन ने संयुक्त समर्थन का दावा पेश किया। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया कि संवैधानिक नैतिकता का अर्थ केवल अंकगणित नहीं, बल्कि पारदर्शी बहुमत परीक्षण है।

एस.आर. बोम्मई विरुद्ध भारतीय संघ

भारतीय संवैधानिक इतिहास का मील का पत्थर है। इस फैसले ने केंद्र और राज्यों के संबंधों, राष्ट्रपति शासन और बहुमत परीक्षण की सीमाएँ तय कीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी सरकार का बहुमत राजभवन में तय नहीं किया जा सकता, निर्वाचित सरकार को हटाने का आधार केवल राजनीतिक अनुमान नहीं हो सकता, अंतिम निर्णय विधानसभा के पटल पर ही होगा। इस फैसले ने राज्यपाल की भूमिका को संवैधानिक मध्यस्थ तक सीमित करने का प्रयास किया। हालाँकि व्यवहार में यह प्रश्न आज भी विवादास्पद बना हुआ है कि क्या राज्यपाल वास्तव में निष्पक्ष संवैधानिक पदाधिकारी की तरह कार्य करते हैं या कभी-कभी राजनीतिक प्रभावों के केंद्र बन जाते हैं।

फ्लोर टेस्ट : न्यायपालिका का लोकतांत्रिक हथियार

भारत की न्यायपालिका ने पिछले वर्षों में फ्लोर टेस्ट को लोकतांत्रिक वैधता का सबसे प्रभावी साधन बनाया है। जगदंबिका पाल से लेकर, महाराष्ट्र सरकार और शिवराज सिंह चौहान तक अदालतों ने यही कहा कि- यदि बहुमत पर संदेह है, तो समाधान केवल फ्लोर टेस्ट है। यह सिद्धांत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राजनीतिक सौदेबाजी, बंद कमरों की रणनीति और राजभवन आधारित निर्णयों की जगह सार्वजनिक लोकतांत्रिक परीक्षण को प्राथमिकता देता है।

संवैधानिक नैतिकता बनाम राजनीतिक अवसरवाद

भारतीय राजनीति में अक्सर संवैधानिक प्रक्रिया और संवैधानिक नैतिकता के बीच अंतर दिखाई देता है। तकनीकी रूप से कोई भी दल समर्थन जुटाकर सरकार बना सकता है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वह जनादेश की मूल भावना का सम्मान करता है? यहीं पर राज्यपाल की भूमिका सबसे अधिक विवादित होती है।

किसे पहले बुलाया जाए?

कितना समय दिया जाए?

क्या रातोंरात शपथ दिलाना उचित है?

क्या लंबा समय खरीद-फरोख्त को बढ़ावा देता है?

इन प्रश्नों पर सुप्रीम कोर्ट ने कई बार हस्तक्षेप किया है। विशेषकर कर्नाटक और महाराष्ट्र मामलों में अदालत ने अत्यंत शीघ्र फ्लोर टेस्ट कराकर यह संदेश दिया कि लोकतंत्र को अनिश्चितता में नहीं रखा जा सकता।

तमिलनाडु जैसी परिस्थितियों में संवैधानिक रास्ता

यदि किसी राज्य – जैसे तामिलनाडु में त्रिशंकु स्थिति बने, तो संवैधानिक दृष्टि से सबसे उचित मार्ग होगा- सभी दावेदारों से समर्थन सूची प्राप्त कर उस पक्ष को अवसर देना जो बहुमत साबित करने की अधिक संभावना रखता हो, सीमित समय में फ्लोर टेस्ट कराना, और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखना।

लोकतंत्र का उद्देश्य केवल सरकार बनाना नहीं, बल्कि जनादेश की विश्वसनीय रक्षा करना है। यदि निर्वाचित विधानसभा होने के बावजूद लंबे समय तक यथास्थिति बनाए रखी जाती है, तो वह लोकतांत्रिक भावना के विपरीत माना ही जा सकता है।

भारतीय लोकतंत्र ने पिछले वर्षों में यह सीखा है कि सत्ता का वास्तविक परीक्षण अदालतों, प्रेस कॉन्फ्रेंसों या राजभवनों में नहीं, बल्कि विधानसभा के सदन में होता है।

सबसे बड़ी पार्टी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण तत्व हो सकती है, लेकिन अंतिम कसौटी वही है जो संविधान की संसदीय आत्मा निर्धारित करती है – जिसके पास सदन का विश्वास हो, वही सरकार चलाए।

और यही कारण है कि भारतीय न्यायपालिका ने बार-बार फ्लोर टेस्ट को लोकतंत्र का सबसे निष्पक्ष और संवैधानिक उपाय माना है। तामिलनाडु संकट को महासंकट बनाने से अधिक प्रासंगिक यही होगा कि सबसे बड़े दल को सरकार बनाने का मौका देकर फ्लोर टेस्ट में आगे बढ़ने का अवसर दे।

राजनीति का रक्त चरित्र

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पश्चिम बंगाल में सत्ता बदल गई लेकिन चुनाव परिणामों के बाद हुई हिंसा ने राजनीति के रक्त चरित्र को एक बार फिर उजागर कर दिया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राज्यों में सत्ता में आने वालों के चेहरे तो बदलते रहे लेकिन खूनी सियासत का चरित्र नहीं बदला। पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य रहा जिसमें सत्ता में बैठने वालों ने विपक्ष की आवाज दबाने के लिए हिंसा को हथियार बनाया। चुनाव आते हैं, जाते हैं। जय-पराजय भी चलती रहती है लेकिन मौत का खेल लोकतंत्र के लिए घातक ही रहा है। ऐसा नहीं है कि पश्चिम बंगाल के अलावा अन्य राज्यों में राजनीतिक हिंसा नहीं हुई लेकिन खूनी सियासत ने पश्चिम बंगाल में सभी हदें पार कर दीं। पश्चिम बंगाल की सियासी फिजा पूरी तरह से लहूलुहान रही है। चुनाव आयोग द्वारा इस बार कड़े सुरक्षा प्रबंधों के चलते चुनावों के दौरान छिटपुट हिंसा की घटनाओं को छोड़कर कोई जनहानि नहीं हुई। इससे सभी ने राहत की सांस ली थी। चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड विजय हासिल कर ममता बनर्जी की 15 वर्ष पुरानी तृणमूल सरकार को उखाड़ फेंका। भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुटी हुई थी लेकिन चुनाव परिणामों के बाद बंगाल में हिंसा का नया दौर शुरू हो गया। बुधवार की रात भवानीपुर से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को करारी शिकस्त देने वाले शुभेन्दु अधिकारी के निजी सचिव चन्द्रनाथ रथ की नृशंस हत्या की गई। उससे यह सवाल सबके सामने खड़ा हो गया है कि क्या राज्य की सियासत का चरित्र बदलेगा या पूर्व की तरह ही चलता रहेगा। चुनाव नतीजों के बाद राज्य के अलग-अलग जिलों में 2 भाजपा और 2 तृणमूल कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है और तोड़फोड़ और आगजनी का दौर जारी है। जीत में उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी तृणमूल कांग्रेस के कार्यालयों में तोड़फोड़ की और जिस ढंग से अपने आप बुलडोजर चलाकर तृणमूल समर्थकों की दुकानों को ध्वस्त किया वह भी उतना ही निंदनीय है जितना की तृणमूल की गुंडागर्दी की निंदा की जाती है। शुभेन्दु अधिकारी के निजी सचिव की हत्या के लिए यद्यपि भाजपा ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को आरोपी करार दे रही है लेकिन फिलहाल निष्पक्ष जांच के बाद किसी तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचा जा सकता है कि क्या यह हत्या निजी रंजिश के चलते हुई है या इसके तार सियासत से जुड़े हुए हैं। इन हत्याओं ने भाजपा की जीत के जश्न को गुलाल की बजाय खून से रंग दिया है। अगर पश्चिम बंगाल का इतिहास देखें तो यह एक ऐसा राज्य बन चुका है जहां सियासी दुश्मनों को हराया नहीं जाता बल्कि खत्म कर दिया जाता है।

बंगाल के गौरवशाली इतिहास और बौद्धिक संस्कृति को पहले 34 साल के कम्युनिस्ट शासन की सियासत ने धुंधला किया। गांव से लेकर कोलकाता के सत्ता के गलियारों तक पार्टी की सरकार थी और सरकार ही पार्टी। इसी कैडर कल्चर से राजनीतिक दुश्मनी ने जन्म लिया। कौन किसे वोट देगा यह लोग नहीं, पार्टी तय करती थी। एक पूरी पीढ़ी तक शासन करने वाली वामपंथी पार्टियों ने राजनीतिक हिंसा की नींव डाल दी। तीन दशक से भी ज्यादा के कम्युनिस्ट शासन में 20 हजार से ज्यादा राजनीतिक हत्याएं की गई थीं। कम्युनिस्टों ने हिंसा और गैर जिम्मेदार ट्रेड यूनियन वार की वकालत और नेतृत्व करके पूंजीवाद को बंगाल से बाहर निकाल दिया और राज्य को एक कब्रिस्तान में बदल दिया। इसी खूनी राजनीति के बीच एक उम्मीद बनकर उभरीं ममता बनर्जी। लेफ्ट की हिंसक राजनीति को हराकर सत्ता में तो आईं, लेकिन अपनी कुर्सी बचाने के लिए उन्होंने भी वही रास्ता अपना लिया। बंगाल की टीएमसी में कार्यकर्ता कितने थे पता नहीं, पर गुंडों की कोई कमी नहीं थी। 2018 का पंचायत चुनाव हो, 2021 के चुनाव के बाद की हिंसा हो, या 2023 के पंचायत चुनाव के बाद का खून-खराबा, सब एक जैसा था। विरोधी पार्टियों के दफ्तरों में आग लगाना, लोगों के घरों में घुसकर टीएमसी को वोट देने की धमकी देना बंगाल में आम बात हो गई। गांवों में टीएमसी का विरोध करने वालों के पास दो ही रास्ते थे-या तो गांव छोड़ दो, या टीएमसी को वोट दो। टीएमसी का विरोध करने वालों को जहां-तहां पीटा गया, झूठे केसों में जेल में डाल दिया गया। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें खत्म कर दिया गया और उनके घर की महिलाओं पर अत्याचार किए गए। ममता के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों को भी नहीं बख्शा गया। ममता बनर्जी मां, माटी, मानुष के नारे को भूल गई। ममता के राज में 300 से ज़्यादा राजनीतिक हत्याएं हुईं, जबकि रेप के मामलों का तो कोई हिसाब ही नहीं। कई महिलाओं ने तो इज्जत के डर से पुलिस स्टेशन का मुंह तक नहीं देखा। उन्हें यह भी भरोसा नहीं था कि अगर वे शिकायत करने गईं तो सुरक्षित घर लौट पाएंगी। 2021 तक टीएमसी की खूनी राजनीति एक स्तर पर थी, लेकिन उसके बाद के हालात और भी भयानक हो गए। थोक में वोट पाने के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए रेड कार्पेट बिछाना और सिर्फ इसलिए हिंदुओं को निशाना बनाना क्योंकि उन्होंने बीजेपी का समर्थन किया था, यह सब टीएमसी के गुंडों के जरिए चल रहा था। बंगाल के लोगों के सब्र का बांध टूटने में 15 साल लग गए। नतीजा ये हुआ कि 2011 में एक भी सीट न जीत पाने वाली बीजेपी, 2016 में 3 सीटों पर सिमटने वाली बीजेपी, आज 77 से 206 सीटें जीतने के स्तर पर आ गई है।

लोकतंत्र में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और न ही हिंसा को स्वीकार किया जा सकता है। भाजपा की नई सरकार के सामने राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना, आपराधिक तत्वों और गुंडा कल्चर को नियंत्रित करना बहुत बड़ी चुनौती है। नई सरकार का यह दायित्व है कि वह राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को सम्भाले और राज्य के नागरिकों को भय मुक्त शासन दे। भाजपा कैडर को स्वयं भी किसी भी तरह के उपद्रव और हिंसा से दूर रहना होगा। हिंसा की जहरीली राजनीतिक संस्कृति अब खत्म होनी ही चाहिए।

बीतता समय हमें और बेहतर बनाता हैः उम्र बढ़ने के साथ बढ़ती है सोच, समझ व रचनात्मकता

रिच कार्लगार्ड

युवावस्था में हम बेशक ऊर्जा से भरे होते हैं, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ हमारी सोच, समझ व रचनात्मकता बढ़ती जाती है। धीरे-धीरे जिंदगी को देखने की हमारी दृष्टि व्यापक होती जाती है तथा हम जीवन को अधिक गहराई से समझ पाते हैं। हम अक्सर युवावस्था में अपनी कमजोरियों से बचने के लिए खुद ही अपने रास्ते में बाधाएं खड़ी कर लेते हैं। जैसे समय की कद्र न करना, बेवजह की बातें करना, हर चीज को जरूरत से ज्यादा 'परिपूर्ण' बनाने की कोशिश करना या फिर दूसरों के साथ अप्रत्यक्ष रूप से नकारात्मक व्यवहार करना। ये छोटी-छोटी आदतें हमें सामान्य लग सकती हैं, लेकिन वास्तव में ये हमारी प्रगति को रोकती हैं। कई बार हम इन्हें अपनी ताकत समझ बैठते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि यही आदतें हमें खिलने और आगे बढ़ने से रोक देती हैं।

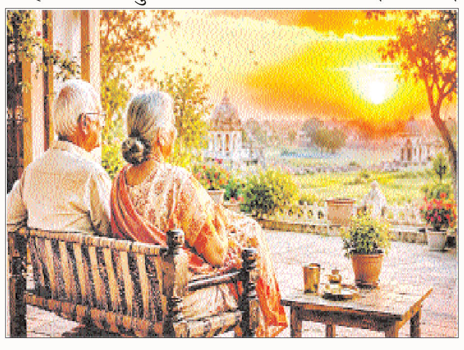

नई उड़ान भरने का समय- बढ़ती उम्र केवल शरीर का बदलना नहीं, भीतर की दुनिया के धीरे-धीरे खुलने की प्रक्रिया समाज में अक्सर यह धारणा बनी रहती है कि जिंदगी का सबसे अहम पड़ाव युवावस्था ही है, पर सच्चाई यह है कि उम्र बढ़ने के साथ हमारी सोच, समझ व रचनात्मकता और भी बढ़ती जाती है। उम्र बढ़ने के साथ हमारी मानसिक क्षमताएं कम नहीं होतीं, बल्कि और भी बेहतर होती जाती हैं। हम समस्याओं को अधिक संतुलित तरीके से समझते हैं और उनके समाधान भी अधिक प्रभावी ढंग से निकाल पाते हैं। युवावस्था में जब कोई व्यक्ति सफलता हासिल कर लेता है, तो वह उसे केवल अपनी मेहनत का परिणाम मानता है, पर जब जीवन में कोई कठिनाई या असफलता आती है, तो उसके लिए वही व्यक्ति खुद को या दूसरों को जिम्मेदार ठहराता है। इसके विपरीत, ऐसे व्यक्ति, जो जिंदगी के खट्टे-मीठे अनुभवों से होकर गुजरते हैं, वे जीवन को अधिक संतुलित नजरिये से देखते हैं। वे अपनी गलतियों को स्वीकार करते हैं और उसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराते।

बुजुर्गों के अनुभव हमें सही दिशा दिखा सकते हैं। वे हमें सिखाते हैं कि सफलता का कोई एक निश्चित समय नहीं होता। जीवन एक यात्रा है, जिसमें हर उम्र का अपना महत्व है। युवावस्था में हम बेशक ऊर्जा से भरे होते हैं, लेकिन उम्र के साथ हम समझदारी और धैर्य सीखते हैं। हमें यह समझना चाहिए कि जल्दी सफलता ही सब कुछ नहीं है। असली मूल्य उस समझ में है, जो समय के साथ विकसित होती है। उम्र बढ़ने के साथ धीरे-धीरे जिंदगी को देखने की हमारी दृष्टि व्यापक होती जाती है और हम जीवन को अधिक गहराई से समझ पाते हैं। यही परिपक्वता हमें सच्चे अर्थों में सफल बनाती है।

मीठा-मीठा गप, कड़वा-कड़वा थू - संवैधानिक मर्यादाओं को तोड़ता विपक्ष

सुरेश हिंदुस्तानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पश्चिम बंगाल के साथ पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के पश्चात् जो तस्वीर निर्मित हुई है, वह कड़वाहट और मिठास दोनों का ही स्वाद दे रही है। विपक्ष के राजनीतिक दल जहाँ एक ओर तमिलनाडु और केरल के मनमाफिक परिणाम देखकर मिठास का स्वाद ले रहा है, वहीं पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम को सभी विपक्षी दल भाजपा की प्रायोजित जीत के रूप में प्रचारित करने का असंवैधानिक कार्य कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी को इस बार जनता ने विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है, लेकिन ममता बनर्जी कुर्सी से चिपके रहने के अंदाज में पराजय को स्वीकार करने का मानस नहीं बना पा रही हैं।

लोकतान्त्रिक मर्यादा के तहत उनको मुख्यमंत्री की कुर्सी का त्याग करना चाहिए। लेकिन ममता बनर्जी ऐसा न करके एक प्रकार से लोक के निर्णय को ठेंगा दिखाने का कार्य कर रही हैं। खास बात यह है कि विपक्ष के कुछ अन्य दल भी तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के इस कदम का समर्थन करती हुई लग रही हैं। लोकतंत्र में विरोध करने का सभी को अधिकार है, लेकिन यह विरोध संवैधानिक मर्यादायों के तहत ही होना चाहिए।

देश के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है, ज़ब चुनाव में पराजित हो जाने के बाद मुख्यमंत्री अपना त्याग पत्र देने से मना कर रहा है, ममता बनर्जी का यह रवैया निश्चित ही जनमत के साथ विश्वासघात ही कहा जाएगा। लोकतंत्र का असली आशय यही होता है कि जनता अपने बीच में से अपने प्रतिनिधि चुनकर अपनी सरकार बनाती है। जनता ने जनादेश दे दिया है। विपक्ष को भी यह स्वीकार करना चाहिए। पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम यह संदेश प्रवाहित कर रहे हैं कि अब देश में तुष्टिकरण के दिन ख़त्म हो गए हैं। जनता भी ऐसा ही चाहती है। मजेदार तथ्य यह है कि बंगाल के चुनाव के साथ ही पांच राज्य असम, केरल, तमिलनाडु और पंडिचेरी में भी चुनाव हुए असम को छोड़ दिया जाए तो सभी राज्यों में परिणाम सत्ता के विरोध में ही आए, लेकिन सवाल यह है कि इन राज्यों के परिणाम पर कोई आरोप नहीं लगा रहा। इसके पीछे यही कारण माना जा रहा कि वहां भाजपा नहीं जीती। भाजपा की जीतना विपक्ष को कभी नहीं पचा। विपक्ष का व्यवहार ऐसा होता जा रहा है जैसे ये केवल सत्ता के लिए ही बने हैं। चुनाव में जय पराजय होती ही है, केवल एक को ही विजय मिलती है।पश्चिम बंगाल के बारे में यह सभी जानते हैं कि ममता सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम पर था। जनता भी इस भ्रष्टाचार से त्रस्त रही और प्रशासनिक अधिकारी भी। इसी के चलते तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के विरोध में एक राजनीतिक हवा बनी। भाजपा ने अपने प्रचार के दौरान ममता के भ्रष्टाचार को लेकर जमकर हमला बोला। इसके विपरीत विपक्ष के अन्य दल भी इन मुद्दों पर मुखर रहे। कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से ममता को निशाने पर लिया। इसका आशय स्पष्ट है कि पश्चिम बंगाल में ममता सरकार के विरोध में लहर थी। दूसरी

एक और प्रमुख बात यह भी है कि पश्चिम बंगाल में पिछले जितने भी चुनाव हुए, उनमें हिंसा के माध्यम से मतदाताओं को भयभीत करने का काम भी खुलेआम हुआ। ऐसा कोई भी चुनाव नहीं हुआ, जिसे हिंसा मुक्त कहा जा सकता हो। इस बार के विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने हिंसा मुक्त चुनाव करके दिखा दिया। इसी कारण आम मतदाता बिना किसी भय के मतदान केंद्र तक पहुँचने में सफल हुआ। इसी ने भाजपा की राह आसान की।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत का एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि वहां की मतदाता सूची से फर्जी नाम विलोपित किए गए। इन नामों में कई तो ऐसे थे, जो इस दुनिया में नहीं हैं। हालांकि यह एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है, इसलिए इसे खास मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए। प्रति वर्ष मतदाता सूची से नाम हटाने और जोड़ने का क्रम चलता है। बंगाल का मामला बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुडा था, इसलिए वहां एसआईआर जरुरी था। इससे जहाँ विदेशी मतदाता चुनाव में वोट का प्रयोग करने से वंचित हो गया, वहीं ऐसे मतदाता भी चुनाव में हिस्सा नहीं ले सके, जो फर्जी थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व के चुनाव में यह वोट भी उपयोग में आते थे, इनके वोट कैसे पड़ते थे और कौन उंगली से बटन दबाता था, इसमें भले ही संदेह हो, लेकिन इसका आरोप तृणमूल के कार्यकर्ताओं पर ही लगते थे। इसी हिंसा को रोकने के लिए चुनाव आयोग ने सुरक्षा बलों की तैनाती कराई। सुरक्षा बल केवल नागरिक सुरक्षा एवं भय मुक्त मतदान के लिए ही लगाया, लेकिन ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्ष के कई राजनीतिक दलों ने उनकी निष्ठा पर ही सवाल उठा दिए।

पश्चिम बंगाल के इस बार के चुनाव में ऐसे कई कारण रहे जो भाजपा की जीत और तृणमूल कांग्रेस की हार में काफी प्रभावी रहे। उसमें तृणमूल सरकार विरोधी लहर तो थी ही, साथ ही जो मुस्लिम वोट पूरा का पूरा तृणमूल को मिलता था, इस बार नहीं मिल सका। उसके पीछे मुसलमान नेताओं की सक्रियता रही। इस चुनाव में एक ओर ओवैसी की पार्टी मैदान में थी, वहीं हुमायूं कबीर ने एक नई पार्टी बनाकर ममता की परेशानी में बढ़ोत्तरी की। इस कारण मुसलमान वर्ग के वोट निश्चित ही विभाजित हो गए। इसके साथ ही राज्य का हिन्दू मतदाता कुछ ज्यादा सक्रियता के साथ मैदान में उतर आया। यह मतदाता निश्चित ही भाजपा के पक्ष में गया। इसलिए विपक्ष की ओर से यह कहना कि एसआईआर के कारण या चुनाव आयोग द्वारा भाजपा का साथ देने के आरोप प्रथम दृष्टि में ही तर्कहीन से लगते हैं। अब ममता बनर्जी को अपनी हार की समीक्षा करनी ही चाहिए, जो कमियां रही, उसे दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

चुनाव परिणाम के बाद आरोप प्रत्यारोप का खेल जारी है। इसमें विपक्ष बिना प्रमाण के भाजपा और चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहा है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा विरोधी अन्य राजनीतिक दल जिस प्रकार के आरोप लगा रहे हैं, वह केवल जुबानी ही हैं। उसके पुख्ता प्रमाण किसी के पास नहीं हैं। ऐसी राजनीति न तो लोकतंत्र को सुरक्षित रख सकती है और न ही देश का भला कर सकती है। विपक्ष को सच को स्वीकार करने की मानसिकता बनानी होगी। हर बात के लिए नकारात्मक राय रखना विपक्ष की मजबूरी हो सकती है, लेकिन इसे स्वस्थ लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। जो अच्छा है उसे अच्छा कहना ही होगा। क्योंकि जनता जिस सच के साथ रहती है, विपक्ष को भी उसी सच के साथ ही चलना होगा।

विपक्ष को यह भी समझना चाहिए कि आज देश का वातावरण परिवर्तित हो चुका है या हो रहा है। विपक्ष निश्चित रूप से सरकार पर आरोप लगाए, लेकिन जन भावना का अनादर करने से बचना होगा, नहीं तो जैसा पश्चिम बंगाल का परिणाम आया, वैसा अन्य राज्यों का भी आ सकता है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शनिवार 9 मई 2026

समझौता हुआ तो खुलेगा होर्मुज... ईरान-अमेरिका के बीच जल्द होगी डील, दुनिया लेगी राहत की सांस

नई दिल्ली

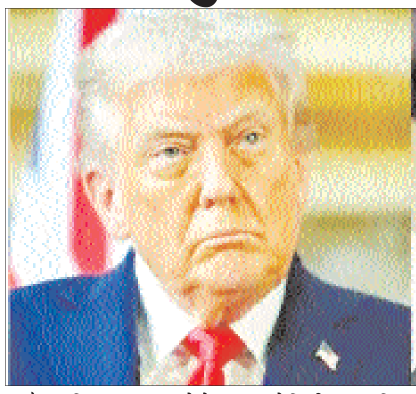

पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान संभावित अल्पकालिक समझौते के बेहद करीब पहुंच गए हैं। सूत्रों के अनुसार, दोनों देश व्यापक शांति समझौते के बजाय एक अस्थायी समझौते पर काम कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य फिलहाल लड़ाई रोकना और होर्मुज स्ट्रेट में स्थिरता बहाल करना है। हालांकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम और पश्चिम एशिया में उसकी क्षेत्रीय भूमिका जैसे प्रमुख विवादित मुद्दे फिलहाल अनसुलझे रहेंगे।

अधिकारियों के मुताबिक, यदि प्रारंभिक समझौते पर सहमति बनती है तो इसके बाद व्यापक समझौते के लिए 30 दिनों की विस्तृत वार्ता शुरू हो सकती है। संभावित समझौते और होर्मुज खुलने की उम्मीद में गुरुवार को वैश्विक शेयर बाजार रिकार्ड ऊंचाई के करीब पहुंच गए, जबकि कच्चे तेल की कीमत गिरकर 97 डालर पर आ गई। उधर, इजरायल और लेबनान युद्धविराम को आगे बढ़ाने के लिए 14-15 मई को वॉशिंगटन में बैठक करेंगे। माना जा रहा है कि ईरान अमेरिका के 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है और जल्द ही पाकिस्तान के जरिये अपनी प्रतिक्रिया भेज सकता है। हालांकि इसके लिए कोई औपचारिक समयसीमा तय नहीं की गई है, लेकिन पाकिस्तानी मध्यस्थों का कहना है कि गुरुवार को ईरान का जवाब आ सकता है।

उधर, ईरानी संसद के एक सदस्य ने अल जजीरा से कहा कि तेहरान जल्द ही अपना औपचारिक जवाब भेजेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी समझौते को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं। इस बीच, अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को ईरान पर नए तरह के प्रतिबंध लगाने की जानकारी दी। चीनी मीडिया काईजिन की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को होर्मुज में एक चीनी तेल टैंकर पर हमला हुआ था। हालांकि, नुकसान की कोई खबर नहीं है।

अमेरिकी मीडिया एक्सियोस के अनुसार, प्रस्तावित अस्थायी समझौते में ईरान कम से कम 12 वर्षों तक यूरेनियम संवर्धन रोकने और परमाणु हथियार विकसित नहीं करने पर सहमत हो सकता है। इसके बदले अमेरिका ईरान पर लगे कुछ प्रतिबंध हटाने और विदेशी बैंकों में फ्रीज अरबों डॉलर के ईरानी फंड जारी करने को तैयार है।प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि दोनों देश हस्ताक्षर के 30 दिनों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट में लागू अपनी-अपनी नाकेबंदी समाप्त करेंगे और इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को दोबारा खोलेंगे।

यदि दोनों पक्ष प्रारंभिक समझौते पर सहमत होते हैं तो व्यापक समझौते के लिए 30 दिनों की विस्तृत वार्ता शुरू होगी। अमेरिकी की तरफ से वार्ता का नेतृत्व ट्रंप के दूत स्टीव विटकाफ और दामाद जेरेड कुशनर करेंगे। संभावित व्यापक समझौते में अमेरिका और ईरान द्वारा होर्मुज में लागू नाकेबंदी समाप्त करना, अमेरिकी प्रतिबंध हटाना और ईरानी फंड जारी करना शामिल हो सकता है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी एजेंसी की निगरानी में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कुछ प्रतिबंध लगाने का भी प्रस्ताव है। हालांकि मसौदे में ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर रोक, पश्चिम एशिया में हिजबुल्ला जैसे सहयोगी गुटों को समर्थन समाप्त करने और ईरान के पास मौजूद करीब 400 किलोग्राम उच्च संवर्धित यूरेनियम के भंडार जैसे प्रमुख मुद्दों का उल्लेख नहीं किया गया है।

ईरान ने अमेरिका के विध्वंसक जहाजों पर हमला किया

तेहरान, (वार्ता)। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) की नौसेना ने शुक्रवार सुबह अमेरिकी विध्वंसक जहाजों पर हमले किये।

ईरान का दावा है कि यह कार्रवाई संघर्ष विराम के उल्लंघन और उसके एक तेल टैंकर के खिलाफ अमेरिकी सेना की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई है।

यह घटना ईरान के दक्षिणी बंदरगाह %जास्क% के पास हुई। ईरानी नौसेना के अनुसार, जब अमेरिकी युद्धपोत %हॉर्मुज जलडमरूमध्य% की ओर बढ़ रहे थे, तब आईआरजीसी ने जवाबी हमला किया। इस अभियान में ईरान ने एंटी-शिप बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ विस्फोटक वारहेड वाले ड्रोन का भी इस्तेमाल किया।

ईरानी नौसेना ने बताया कि खुफिया निगरानी से पता चला है कि इस हमले में अमेरिकी सैन्य जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान का दावा है कि हमले के बाद अमेरिकी सेना के तीन जहाज हॉर्मुज जलडमरूमध्य से तेजी से पीछे हट गए हैं। इस घटना के बाद क्षेत्र में सैन्य तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है।

चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा, भ्रष्टाचार मामलों में सैन्य अदालत का बड़ा फैसला

नई दिल्ली

चीन में दो पूर्व रक्षा मंत्रियों- वेई फेंग और ली शांग्फू को भ्रष्टाचार मामलों में दोषी पाते हुए मौत की सजा सुनाई गई है। लेकिन इस सजा पर क्रियान्वयन दो वर्ष बाद होगा, तब तक वे कारागार में रहेंगे। चीन की सैन्य अदालत ने दोनों पर अलग-अलग मुकदमा चलाते हुए गुरुवार को सजा सुनाई है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अदालत के आदेश की जानकारी देते हुए बताया कि वेई को रिश्वत लेने का दोषी पाया गया जबकि ली को रिश्वत लेने और रिश्वत देने का प्रयास करने का दोषी पाया गया है।

आदेश में दोनों के सारे राजनीतिक अधिकार समाप्त कर दिए गए हैं और उनकी सारी संपत्ति भी जब्त होगी। वेई और उनके बाद रक्षा मंत्री बने ली ने राष्ट्रपति शी चिनफ्फिग के कार्यकाल में ही कार्य किया। वेई 2018 से 2023 तक चीन के रक्षा मंत्री रहे जबकि ली ने उनके उत्तराधिकारी के रूप में कुछ महीने ही कार्य किया। दोनों को शक के आधार पर सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने उनके पदों से बर्खास्त कर दिया था। रक्षा मंत्री के तौर पर दोनों ही राष्ट्रपति चिनफ्फिग की अध्यक्षता वाले चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य भी थे। रक्षा मंत्री पद से बर्खास्तगी के बाद उन्हें आयोग से भी हटा दिया गया। जनरल वेई और जनरल ली चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की सबसे महत्वपूर्ण इकाई राकेट (मिसाइल) फोर्स के प्रमुख रहे। यह फोर्स 2015 में राष्ट्रपति चिनफ्फिग ने सेना के ढांचे में बदलाव के दौरान स्थापित की थी। वेई इस फोर्स की स्थापना से लेकर 2017 तक इसके प्रमुख रहे और उसके बाद रक्षा मंत्री बन गए। रक्षा मंत्री रहते हुए वेई अचानक लापता हो गए थे, बाद में उनकी बर्खास्तगी और गिरफ्तारी का पता चला था। हिरासत में ही उन पर भ्रष्टाचार मामले में सैन्य अदालत में मुकदमा चला। जबकि ली को राष्ट्रपति शी ने स्वयं रक्षा मंत्री नियुक्त किया था। ली की बर्खास्तगी के बाद पीएलए के कई शीर्ष अधिकारियों को उनके पद से हटा दिया गया और उनमें से कई पर भ्रष्टाचार के मामलों में मुकदमा चलाकर उन्हें दंडित किया गया। 2012 में शी चिनफ्फिग के सत्ता संभालने के बाद चीन में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार निरोधी अभियान चला था।

10 लाख लोगों को किया गया दंडित

इस अभियान में 10 लाख से ज्यादा सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों को दंडित किया गया। दंडित होने वालों में सेना के कई जनरल भी शामिल हैं। इसी वर्ष जनवरी में पीएलए के सर्वोच्च अधिकारी जनरल झांग यूक्शिया और शीर्ष जनरल लियू झेनली भी अनुशासन तोड़ने के मामलों में जांच के दायरे में आ गए हैं।

एमवी हॉंडियस क्रूज शिप पर दुर्लभ हंता वायरस से तीन की मौत, डब्लूएचओ ने कहा- महामारी नहीं

लंदन, (वार्ता)। दक्षिण अटलांटिक महासागर में सफर कर रहे डच क्रूज शिप एमवी होंडियस पर दुर्लभ और घातक हंता वायरस की चपेट में आने से अब तक तीन यात्रियों की मौत हो चुकी है। बीबीसी के अनुसार, मृतकों में एक डच दंपती और एक जर्मन महिला शामिल है। संक्रमण का असर अब जहाज से बाहर अन्य देशों तक पहुंचने लगा है। इस दुखद घटना के बाद जहाज पर सवार दो भारतीय नागरिकों सहित 147 यात्रियों और क्रू मेंबर्स को केप वर्डे के पास सख्त क्वारंटीन में रखा गया है, ताकि इस जानलेवा वायरस के वैश्विक प्रसार को रोका जा सके।

तीन यात्रियों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) के स्वास्थ्य अधिकारी क्रूज शिप पर फैले दुर्लभ हंता वायरस संक्रमण पर बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। इस वायरस का पता तब चला, जब डच कंपनी संचालित यह जहाज दक्षिण अटलांटिक में था। मौतों के बावजूद, स्वास्थ्य अधिकारियों ने जनता को आश्वस्त किया है कि यह घटना किसी नयी महामारी का रूप नहीं है, क्योंकि बड़े पैमाने पर एक इंसान से दूसरे इंसान में इसके फैलने का जोखिम कम है। इस प्रकोप ने तब एक अंतरराष्ट्रीय ट्रेस-एंड-ट्रैक अभियान को जन्म दिया, जब यात्री दूरदराज के सेंट हेलेना द्वीप सहित कई स्थानों पर जहाज से उतरे। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि इनमें से कुछ यात्रियों ने बाद में स्विट्जरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरी, जहां जोहान्सबर्ग की एक 75 वर्षीय महिला की संक्रमण से मौत हो गयी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, चिकित्सा विशेषज्ञ वायरस के %एंडीज% स्ट्रेन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो अधिक घातक माना जाता है और इसमें सीमित रूप से मानव-से-मानव में प्रसार की दुर्लभ क्षमता होती है।

संक्रमण के स्रोत की जांच से पता चलता है कि जहाज के रवाना होने से पहले अर्जेंटीना के उशुआया में पक्षियों को देखने के लिए की गयी तटीय यात्रा के दौरान यात्री संक्रमित चूहों के मल-मूत्र के संपर्क में आये होंगे।विशेषज्ञों के अनुसार, हंता वायरस आमतौर पर गंभीर श्वसन या रक्तस्रावी समस्याओं का कारण बनता है, लेकिन यह कोविड-19 जैसे वायरसों की तरह हवा के जरिये आसानी से नहीं फैलता है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक जोखिम कम है और मौजूदा स्वास्थ्य प्रोटोकॉल इस प्रसार को रोकने के लिए पर्याप्त हैं।

डॉ. भार्गव नई दिल्ली में 'भारत प्रतिभा सम्मान' से अलंकृत

नई दिल्ली

इंदौर शहर के डॉ. अशोक कुमार भार्गव, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, मोटिवेशनल स्पीकर, लेखक एवं पूर्व कमिश्नर रीवा, शहडोल संभाग को नई दिल्ली के संसद मार्ग स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के भव्य समारोह में 'भारत प्रतिभा सम्मान' से मुख्य अतिथि दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, विश्वविख्यात शास्त्रीय नृत्यांगना, राज्यसभा की मनोनीत पूर्व सांसद एवं पद्मविभूषण डॉ. सोनल मानसिंह, विशेष अतिथि इंडियन लीगल एड सेंटर के चेयरमैन एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. प्रदीप राय द्वारा अलंकृत किया गया। यह सम्मान डॉ. भार्गव को लोक प्रशासन, सामाजिक कल्याण, शिक्षा में गुणात्मक बदलाव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों, निर्वाचन प्रक्रिया में नवाचार, महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय पोषण अभियान, ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं, कोविड-19 नियंत्रण में परिणामोन्मुखी प्रबंधकीय कौशल की दक्षता और साहित्यिक गतिविधियों आदि के क्षेत्र में किए गए उच्चतमकोटि के कार्य निष्पादन और असाधारण योगदान के लिए प्रदत्त किया गया है। हाल ही में नई दिल्ली में राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित डॉ. भार्गव पूर्व में भी सर्वोत्तम निर्वाचन प्रक्रिया अपनाने तथा निर्वाचन में नवाचार के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा नेशनल अवार्ड से, भारत की जनगणना में असाधारण कार्य निष्पादन के लिए राष्ट्रपति पदक से, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री द्वय द्वारा 'प्राइड ऑफ़ एमपी' अवार्ड और 'मालव गौरव सम्मान' से तीन मर्तबा नेशनल स्कॉच अवार्ड, तीन राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के साथ ही अनेक प्रतिष्ठापूर्ण राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय पुरस्कारों से पुरस्कृत किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय महत्व के इस प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन हेतु पूरे भारत वर्ष से 5000 से अधिक नामांकन प्राप्त हुए थे जो परिषद सचिवालय द्वारा प्रारंभिक जांच के आधार पर राज्य स्तरीय मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण पश्चात् विशिष्ट विशेषज्ञों की राष्ट्रीय जूरी की समीक्षा की अनुशंसा में भारत प्रतिभा सम्मान परिषद द्वारा 14 श्रेणियों में विजेताओं की अंतिम अनुमोदित सूची में डॉ. अशोक कुमार भार्गव भारत प्रतिभा सम्मान हेतु प्रथम स्थान पर नामांकित किए गए।

इंडोनेशिया में दो ज्वालामुखी में विस्फोट, तीन पर्वतारोहियों की मौत

जकार्ता/(वार्ता)। इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक सुदूर हलमहेरा द्वीप पर स्थित माउंट दुकोनो में शुक्रवार सुबह अचानक हुए विस्फोट से तीन पर्वतारोही मौत हो गयी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा तब हुआ, जब ज्वालामुखी से अचानक राख की मोटी परत और ज्वालामुखीय मलबा निकलने लगा। इससे क्रेटर के पास मौजूद पर्वतारोहियों का एक समूह फंस गया। अन्य जीवित बचे लोगों से मिली सूचना के बाद तड़के बचाव दल मौके पर पहुंचा। जहां ट्रैकिंग समूह के कई सदस्य भारी राख के कारण लगी मामूली चोटों और सांस संबंधी समस्याओं के साथ सुरक्षित निकलने में सफल रहे, वहीं तीन लोगों की मौत ज्वालामुखीय चट्टानों की चपेट में आने से हुई। स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि जब विस्फोट हुआ, तब ये पर्वतारोही शिखर के पास प्रतिबंधित क्षेत्र में थे। माउंट दुकोनो के अलावा माउंट इबू में भी बड़ा विस्फोट हुआ है। उत्तरी मालुकु में स्थित इस ज्वालामुखी में स्थानीय समय के अनुसार आज दोपहर लगभग 1ः41 बजे धमाका हुआ, जिससे राख का गुबार आसमान में कई मीटर ऊपर तक फैल गया। पिछले एक हफ्ते में यहां 27 विस्फोट दर्ज किये जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, फिलीपींस का माउंट मेयोन और ग्वाटेमाला का फ्यूगो ज्वालामुखी भी अत्यधिक सक्रिय बने हुए हैं, जहां हाल के दिनों में लावा और राख निकलने के कारण अलर्ट जारी किया गया है। अलास्का के शिशाल्डिन और ग्रेट सिटकिन ज्वालामुखियों में भी लगातार हलचल और धीमी गति से लावा का रिसाव जारी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में गोलीबारी के बाद भी अमेरिका-ईरान युद्धविराम बरकरार : ट्रम्प

वाशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि गुरुवार देर रात अमेरिका और ईरान दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी के बाद भी युद्धविराम बरकरार है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि पहले गोली किसने चलाई। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार ईरान के शीर्ष सैन्य कमान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर आ रहे एक ईरानी तेल टैंकर और एक अन्य पोत को निशाना बनाया और कई तटीय क्षेत्रों पर हवाई हमले किए। इस बीच अमेरिका ने कहा कि उसने जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसेना के निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोतों पर ईरानी हमलों का जवाब आत्मरक्षा के तौर पर दिया। श्री ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने आज हमसे खिलवाड़ किया।

ईरानी सरकारी मीडिया ने शुरू में होर्मुज जलडमरूमध्य में विस्फोटों की सूचना दी, जिसे शत्रुता के साथ गोलीबारी बताया गया। इस बीच, स्थानीय मीडिया ने तेहरान में विस्फोटों की आवाजें सुनने की सूचना दी। इसके कुछ ही समय बाद, ईरान के शीर्ष सैन्य कमान के एक बयान में कहा गया कि अमेरिकी हवाई हमलों ने बंदर खमीर, सिरिक और केशम द्वीप के तटों को निशाना बनाया। ईरान ने कहा कि उसने अमेरिकी सैन्य जहाजों पर तत्काल हमला करके जवाबी कार्रवाई की, जिससे काफी नुकसान हुआ, और अमेरिका पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने ईरान के हमलों को बिना किसी उकसावे के बताया और कहा कि जब अमेरिकी नौसेना के निर्देशित मिसाइल विध्वंसक जलडमरूमध्य से गुजर रहे थे, तब ईरानी सेना ने कई मिसाइलों, ड्रोन और छोटी नौकाओं से हमले किये।

सेंटकॉम ने कहा कि उसने आने वाले खतरों को खत्म कर दिया है और अमेरिकी सेना पर हमला करने के लिए जिम्मेदार ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, जिनमें मिसाइल और ड्रोन लॉन्च स्थल; कमान और नियंत्रण केंद्र; और खुफिया, निगरानी और टोही केंद्र शामिल हैं।

बयान में कहा गया, सेंटकॉम तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है लेकिन अमेरिकी सेना की रक्षा के लिए हर समय तैनात और तैयार है।

ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए श्री ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने कई छोटी नौकाओं को नष्ट कर दिया जो वह उसी तरह से समुद्र में गिर गईं, जैसे कोई तितली गिरती है! उन्होंने कहा, ईरानी हमलावरों को भारी नुकसान पहुँचाया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शांति समझौते को लेकर अपनी चेतावनी दोहराई, जिस तरह हमने आज उन्हें फिर से करारा जवाब दिया है, अगर वे जल्द से जल्द समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं, तो हम भविष्य में उन्हें और भी बुरी तरह और हिंसक तरीके से हराएँगे!

एक इजरायली सूत्र ने बीबीसी को बताया कि इन हमलों में इजरायल की कोई संलिप्तता नहीं है। यह तनाव ऐसे समय में बढ़ा है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में कहा था कि ईरान में युद्ध जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

फिल्म पेड्डी ने वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले नॉर्थ अमेरिका में अपनी प्री-सेल्स के साथ रहा इतिहास

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार रामचरण की आने वाली फिल्म पेड्डी ने वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले नॉर्थ अमेरिका में अपनी प्री-सेल्स के साथ इतिहास रच दिया है। पेड्डी, भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक, जिसका निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। इस फिल्म ने चार जून 2026 को अपनी वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले नॉर्थ अमेरिका में अपनी प्री-सेल्स के साथ इतिहास रच दिया है। मेकर्स ने हाल ही में पुष्टि की है कि फिल्म का फाइनल एडिट लॉक हो चुका है। यह फिल्म तीन जून 2026 को अपने वर्ल्डवाइड प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसके बाद 4 जून को इसे दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। अपने भव्य प्रीमियर से पहले ही, पेड्डी ने रिकॉर्ड तोड़ प्री-सेल्स के साथ एक बड़ी लहर पैदा कर दी है। नॉर्थ अमेरिका में एडवांस बुकिंग शुरू होते ही इसे ऐतिहासिक रिस्पॉन्स मिला। फिल्म ने महज चार घंटों के भीतर .100के का आंकड़ा पार कर लिया, जो इतने कम समय में किसी भी भारतीय फिल्म की टिकट बिक्री के लिए एक नया बेंचमार्क है। यह खबर प्रत्यंगिरा सिनेमाज द्वारा साझा की गई है, जो नॉर्थ अमेरिका में इसके डिस्ट्रीब्यूशन का काम संभाल रहे हैं। यह फिल्म नॉर्थ अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में एक बड़े स्तर पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में राम चरण लीड रोल में हैं, जिनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नज़र आएंगे। वेंकट सतीश किलारू के बैनर वृद्धि सिनेमाज और माइथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से बनी यह फिल्म दर्शकों के बीच लगातार चर्चा में है।

बाबिल खान व्यस्त शूटिंग के बीच संगीत में ढूंढ रहे हैं सुकून

अभिनेता बाबिल खान अपनी अगली प्रोजेक्ट की व्यस्त शूटिंग के बीच अपने सबसे बड़े शौक में से एक संगीत की ओर लौट रहे हैं, ताकि खुद को सुकून दे सकें, तरोताज़ा कर सकें और खुद से दोबारा जुड़ सकें। लंबे शूटिंग घंटों के बीच बाबिल अपना खाली समय अपनी वैनिटी वैन में गिटार के साथ बिताते नज़र आते हैं और शॉट्स के बीच के शांत पलों का भरपूर आनंद ले रहे हैं। संगीत के प्रति अपने प्यार और स्वाभाविक गायन प्रतिभा के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता अक्सर सामाजिक माध्यमों पर अपने संगीत से जुड़े पल प्रशंसकों के साथ साझा करते रहते हैं – कभी सहज संगीत सत्र तो कभी अपनी आवाज़ की छोटी झलकियां।

बाबिल के लिए ये पल व्यस्त दिनचर्या के बीच थोड़ा रुकने और खुद के साथ समय बिताने का एक खास तरीका बन गए हैं। कैमरे से परे भी संगीत उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बना हुआ है।

बाबिल खाान ने कहा,जब भी मुझे काम के बीच थोड़ा समय मिलता है, मैं अपने आप संगीत की तरफ खिंच जाता हूं। गिटार बजाना और गाना हमेशा से मुझे बेहद पसंद रहा है। यह मज़ेदार भी है, सुकून देने वाला भी और खुद के साथ समय बिताने का मेरा तरीका भी। जहां बाबिल अपनी अगली प्रोजेक्ट पर काम में जुटे हुए हैं, वहीं उनके ये सहज संगीत भरे पल प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहे हैं।

देशभक्ति गीत लिखने में माहिर थे प्रेम धवन

बॉलीवुड में प्रेम धवन को एक ऐसे गीतकार के तौर पर याद किया जाता है, जिनके देशभक्ति से परिपूर्ण गीतों की सुमधुर ध्वनि कान में पड़ते ही आज भी आम भारतीय राष्ट्र प्रेम की भावना से सराबोर हुए बिना नहीं रहता। प्रेम धवन का जन्म 13 जून, 1923 को हरियाणा के अंबाला में हुआ था। उन्होंने अपनी स्नातक की पढ़ाई लाहौर के मशहूर एफसी कॉलेज से पूरी की। प्रेम धवन ने संगीत की शिक्षा पंडित रवि शंकर से हासिल की। उन्होंने उदय शंकर से नृत्य की भी शिक्षा ली। प्रेम धवन ने अपने सिने करियर की शुरुआत संगीतकार खुर्शीद अनवर के सहायक के तौर पर वर्ष 1946 में प्रदर्शित फिल्म पगडंडी से की। बतौर गीतकार उन्हें वर्ष 1948 में बांबे टॉकीज निर्मित फिल्म 'जिद्दी' में गीत लिखने का मौका मिला, लेकिन फिल्म की असफलता से वह कुछ खास पहचान नहीं बना पाए। उन्होंने 'जीत', 'आरजू', 'बड़ी बहू', 'अदा', 'मोती महल', 'आसमान', 'ठोकर' और 'डाक बाबू' जैसी कई बी और सी ग्रेड की फिल्में भी की लेकिन इन फिल्मों से उन्हें कुछ खास फायदा नहीं हुआ। 'काबुली वाला' की सफलता के बाद प्रेम धवन शोहरत की बुंलदियो पर जा पहुंचे। 1957 में प्रदर्शित फिल्म 'नया दौर' के गीत 'उड़े जब जब जुल्फे तेरी' का नृत्य निर्देशन प्रेम धवन ने किया। उन्होंने अपने सिने करियर के दौरान इंडियन पीपुल्स थियेटर (इप्टा) के सक्रिय सदस्य बने रहे। त्रिवेणी पिक्चर्स के बैनर तले प्रेम धवन ने कई फिल्मों का निर्माण और निर्देशन भी किया।इन फिल्मों के जरिए प्रेम धवन ने परिवार नियोजन, राष्ट्रीयता और सामाजिक मुद्दे को दर्शकों के सामने पेश किया। देश भक्ति की भावना से परिपूर्ण प्रेम धवन ने लद्दाख और नाथुला में सुनील दत्त तथा नरगिस दत्त के साथ दौरा करके अपने गीत-संगीत से सैनिकों का मनोरंजन किया। वर्ष 1970 में फिल्म जगत में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें पदमश्री से सम्मानित किया।

विद्या ने इरफान खान को बताया सबसे नैचुरल एक्टर

अभिनेत्री विद्या बालन की हाल ही में यू-ट्यूब पर एक शॉर्ट फिल्म द लास्ट टेनेंट रिलीज़ हुई है, जिसमें उनके को-स्टार इरफ़ान खान हैं। विद्या बालन की यह फिल्म 25 साल पहले शूट हुई थी, जिसे उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर में शूट किया था। हालांकि तब यह फिल्म रिलीज़ नहीं हो पाई थी। अब जब 25 साल बाद यह फिल्म यू-ट्यूब पर आई है, तो इसे देखकर दर्शकों के साथ खुद विद्या बालन भी बेहद भावुक हो गई हैं। इतने लम्बे समय बाद रिलीज़ हुई इस फिल्म को देखकर भावुक विद्या ने अपने दर्शकों के साथ अपने करियर के शुरुआती संघर्षों से जुड़ी यादों को बेहद खूबसूरती से साझा किया है। सोशल मीडिया पर एक इमोशनल नोट शेयर करते हुए विद्या ने बताया है कि उस दौर में उनके साथ कई निराशाजनक घटनाएं हुई थीं। उनकी पहली मलयालम फिल्म चक्रम बंद हो गई थी और अगले तीन सालों में उन्हें लगभग एक दर्जन फिल्मों से रिप्लेस कर दिया गया था। ऐसे में द लास्ट टेनेंट भी उन अधूरी यादों का हिस्सा बन गई थी, जिन्हें वह पीछे छोड़ देना चाहती थीं। गौरतलब है कि इन भावुक यादों के साथ एक बार फिर इस फिल्म को दोबारा देखना विद्या के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें उनके साथ दिवंगत अभिनेता इरफ़ान खान थे, जिनके अभिनय की तारीफ करते हुए विद्या ने उन्हें सबसे नैचुरल एक्टर बताया है। विद्या ने अपने पोस्ट में लिखा है,मैंने पहली बार द लास्ट टेनेंट% देखी, क्योंकि मैंने इसकी शूटिंग 25 साल पहले की थी। किसी वजह से यह फिल्म कभी रिलीज़ नहीं हो पाई। यह वह समय था जब मेरे हाथ लगने वाली कोई भी चीज़ पूरी नहीं हो रही थी।

परशुराम ग्रुप द्वारा सुहागिलो पूजा का भव्य आयोजन सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

परशुराम ग्रुप के तत्वावधान में सुहागिलो पूजा का धार्मिक एवं भक्तिमय आयोजन अत्यंत श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ब्राह्मण महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं विधि-विधान से सुहागिन माता की पूजा-अर्चना की। पूजन कार्यक्रम श्रीमती प्रीति तिवारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न कराया गया। भजन एवं आरती के मधुर गायन से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक हो उठा। उपस्थित सभी महिलाओं ने सामूहिक रूप से

सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक हो उठा

सुहागिन माता का पूजन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की। कार्यक्रम की व्यवस्थापक श्रीमती रक्षा पालीवाल द्वारा पूजन उपरांत व्रती महिलाओं के लिए भोजन व्यवस्था भी की गई।

इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती शालिनी दुबे, अरुणा दुबे, कविता दुबे, चेतना दुबे, शैलजा चौबे, नीरा बुधौलिया, रचना त्रिवेदी, मीना शर्मा, रजनी त्रिपाठी, सरिता तिवारी, बबिता तिवारी, आरती पांडे, सुभावना पांडे, मीनाक्षी पुरोहित, सोनल दुबे, गायत्री शर्मा, विंध्य तिवारी, रुक्मणि ढिमोले, स्वाति शुक्ला, दीपशिखा तिवारी, रेशु तिवारी, राजकुमारी पाठक एवं रीना पाठक ,कीर्ति शर्मा सहित अनेक महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होने पर सभी महिलाओं ने परशुराम ग्रुप के इस धार्मिक आयोजन की सराहना की।

विश्व रेडक्रास दिवस के उपलक्ष्य में विविध सेवा गतिविधियों का आयोजन

नरसिंहपुर।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई प्राचार्य डॉ.(आर.बी.सिंह के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अमित ताम्रकार के निर्देशन में दलनायक दिनेश अग्रवाल सहदलनायक विवेक साहू के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई द्वारा विश्व रेडक्रास दिवस के उपलक्ष्य में 2 मई से विविध सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज सेवा भावी युवाओं का सम्मान करए व्याख्यान माला के साथ विश्व रेडक्रास दिवस मनाया गया एवं पोस्टर एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस वर्ष की मानवता के लिए एकजुट् रही। 02 मई से 08 मई तक सेवा कार्य सप्ताह के रूप में नशामुक्ति अभियानए स्वच्छता अभियानए पर्यावरण संरक्षण यातायात सुरक्षा जागरूकता तथा प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जी.एस. मर्सकोले, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अमित ताम्रकार, दलनायक दिनेश अग्रवाल की उपस्थिति रही। योगेश यादवए, अभिषेक कुर्मी, रूपेश नामदेव, दिव्यांश ताम्रकार, कृस सिलावट, राजा, शालनी सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

मेख सरोवर से जलसंवाद कार्यक्रम तीव्र गति से चल रहा कार्य

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जल गंगा संवर्द्धन कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम मेख सरोवर में कार्य तीव्र गति से चल रहा है इसी के अंतर्गत जिला कलेक्टर जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में कार्य सतत् जारी है। म.प्र. जन अभियान परिषद् की नवांकुर संस्था प्राणी मित्र समिति एवं प्रस्फुटन समिति द्वारा जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया ब्लाक समन्वयक प्रतीक दुबे ने जल की महत्वता को विस्तार से बताया कि अनेको क्षेत्र भीषण जल संकट के दौर से गुजर रहे है। हम सभी ने भूजल के अत्यधिक दोहन एवं वर्षा जल को संग्रहित नही करने से भूजल का स्तर दिनोदिन गिर रहा है, वृक्षो का सघन रोपण भूजल के स्तर को बनाये रखने में यह सरोवर बनने से भूजल का स्तर बढ़ेगा और अनेको जीव जन्तुओ एवं प्रकृति के संरक्षण में सहायक होगा। प्राणी मित्र समिति के डॉ विनय पटेल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है जल के बिना जीवन की कल्पना नही की जा सकती हमारे पूर्वजो की दूरदर्शी सोच थी उन्होने आनेवाले जलसंकट प्रकृति संकट को पहचान कर यह भूमिदान की है अत: हम सभी को अपनी सहभागिता निभानी है सभी ग्रामवासी अपने पूर्वजो की याद में सरोवर के पास पोधारोपण अवश्य करे। विश्वपटल पर देखे तो विकास की अंधी दौड़ में वनो का क्षेत्रफल एवं भूजल निरन्तर गिर रहा है कांकरीट के जंगल खड़े हो गये है जो हीटवेव का कारण बन रहा है। अत्यधिक कार्बन उत्र्सजन से स्थिति और भयावह हो रही है। जलसंकट की गंभीर आहट में जल सरोबर का बनना हम सभी के लिये सौभाग्य का विषय है इस सरोवर को साफ स्वच्छ पॉलीथीन प्लास्टिक मुक्त रखना हम सभी का दायित्व है। इस अवसर पर सरोवर के नजदीक कार्य में लगे लोगो एवं आमजन के लिये पेयजल हेतु प्याऊ व्यवस्था की गई। शीघ्र ही सरोवर पेटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी जिसमें बच्चो की सहभागिता रहेगी। इस अवसर पर ग्राम के मुनीम पटेल, सुमित दुबे, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के कृष्णकुमार नेमा सरपंच दशरथ ठाकुर सुरेश नेमा राजू यादव रज्जन यादव रमेश रैकवार शिवम नेमा संजीव यादव आदि सहित आमजन की उपस्थिति सराहनीय रही।

आचार्य प्रवर संत तारण तरण मंडलाचार्य महाराज का गुरूपर्वी महा महोत्सव मनाया गया

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।स्थानीय श्री संत तारण तरण दिगम्बर जैन चैत्यालय जी में आचार्य प्रवर संत तारण तरण मण्डलाचार्य महाराज की गुरूपर्वी महा महोत्सव मनाया गया इस अवसर पर श्री मन्दिर जी में मंदिर विधि का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य है की सोलहवीं सदी के महान अध्यात्म वादि क्रांतिकारी जैन दर्शन के मर्मज्ञ परमवीतरागी संत श्री गुरु तारण स्वामी हुए, जिन्होंने शुद्धअध्यात्म का शंखनाद किया स्वयं मुक्ति मार्ग के पथिक तारण पंथी हुए, और समस्त जीवो को मुक्ति का मार्ग तारण पंथ बताया। भारतीय संस्कृति में सोलहवीं शताब्दी का समय संतयुग के रूप में जाना जाता है। उस समय देश के हर कोने में संतों का अवतरण हो रहा था मालवा, मध्य प्रदेश में श्री जिन तारण तरण स्वामी जैसे महान सूर्य का उदय हुआ ,मिति अगहन सुदी सप्तमी विक्रम संवत 1505 (ई सन 1448) में बिलहरी पुष्पावती में हुआ।

नोडल अधिकारी नियुक्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)। उत्पादन वनमंडल मंडला में मीडिया प्रिंट एवं डिजिटल से संबंधित जानकारी साझा करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार मुख्य वनसंरक्षक मध्य वन वृत्त जबलपुर के निर्देशानुसार वनमंडल अंतर्गत कार्यालय में मीडिया समन्वय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह नियुक्ति की गई है। उप वन मंडल अधिकारी बरेला (उ.) को मीडिया संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं समन्वय कार्य के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

परिवहन में दो वाहन जब्त

मण्डला। कलेक्टर के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम ने ग्राम मानेगांव तहसील नैनपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध रेत परिवहन में संलिप्त दो वाहनों को जब्त किया।

प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाई गई

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

म0 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेषानुसार व श्री अखिलेष शुक्ला, प्रधान जिला न्यायाधीष/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर के निर्देषन में नेषनल लोक अदालत का आयोजन दिनांक 09.05.2026 को किया जाना है। उक्त लोक अदालत में न्यायालय के लंबित प्रकरणो के साथ ही बैक, नगरपालिका, बीएसएनएल एवं विद्युत विभाग के प्री-लिटिगेषन प्रकरणो के अधिक से अधिक निराकरण किये जाने के संबंध में आम जनमानस के बीच प्रचार-प्रसार हेतु माननीय प्रधान जिला न्यायाधीष महोदय द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रचार प्रसार वाहन के साथ ही भारतीय स्टेट बैक, विद्युत विभाग एवं नगरपालिका के प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त अवसर पर विषेष न्यायाधीष श्री अमित रंजन समाधिया, प्रधान न्यायाधीष कुटुम्ब न्यायालय श्री विपिन कुमार लवानिया, जिला न्यायाधीष श्री कीर्ति कष्यप, श्रीमती ज्योति मिश्रा, श्री आलोक मिश्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री राकेष सनोडिया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेष मीणा सहित अन्य न्यायाधीषगण, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री विष्णु श्रीवास्तव सहित अन्य डिफेंस काउंसिल के साथ ही एसबीआई, विद्युत विभाग व नगर पालिका के अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिला न्यायालय के सभाकक्ष में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीष द्वारा न्यायिक अधिकारियो के साथ नेषनल लोक अदालत की प्रगति व समीक्षा के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

विश्व रेडक्रास दिवस पर रोटरी क्लब का रक्तदान शिविर आयोजित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। शुक्रवार को विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर पीड़ित मानवता की सेवा मे एक कदम आगे बढ़ाते हुए रोटरी क्लब गाडरवारा ने स्थानीय शासकीय सिविल अस्पताल मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में महिला शक्ति ने आगे आकर रक्तदान किया आज श्रीमती मधु मालानी,कु ऋषिता मालानी ने रक्तदान किया वही सुरेंद्र पटेल शिक्षक द्वारा उनकी माता की पुण्यतिथि पर रक्तदान किया। इसके अलावा अमन जैन द्वारा 3 माह में दूसरी बार रक्तदान किया गया। इसी कड़ी में दीपक नोरिया, संतोष कौरव,विकास ठाकुर,अभिषेक कुर्मी,हरनारायण कीर,छोटू कीर, विनोद कौरव पत्रकार सहित पंडित हर्षित एवं अमूल गुप्ता द्वारा मदर्स डे एवं प्रवेश लोधी ने भी रक्तदान कर पीड़ित मानवता की सेवा में अहम योगदान दिया। इस आयोजन में क्लब द्वारा 3 ब्लड प्रेसर मापने की मशीने सिविल अस्पताल को भेंट की गई। साथ ही रोटरी क्लब के निवेदन पर शक्ति शुगर मिल प्रा. लि.के संचालक रोटेरियन श्री विनीत माहेश्वरी समाजसेवी द्वारा डायलिसिस रुम के लिऐ दो टन का एसी भी दिया। इस दौरान शिविर में क्लब के पूर्व असिस्टेंट गवर्नर मिनेन्द्र डागा ने कहा कि रोटरी क्लब हमेशा से ही समाजसेवा से जुड़े कार्य करते हुए लोगों की सहायता कर रहा है। क्लब अध्यक्ष सुरेन्द्र साहू ने कहा कि रक्तदान पुनीत कार्य है।

इस अवसर पर रोटरी क्लब के सचिव मनोज वसा , कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता,अशोक राजपूत,सुनील श्रीवास्तव,शरद मौलासरिया मनीष जयसवाल,मोनू बड़कुर,अमित पटेल,अमन जैन, प्रियांक सोनी, हर्षित वैद्य,राजेश गुप्ता, सहित अन्य उपस्थित रहे। शिविर के आयोजन में डॉ उपेन्द्र वस्त्रकार निखिल साहू , अजय घारू सहित अस्पताल एवं ब्लड बैंक स्टॉफ का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

प्रस्ताव निरस्त करने से फैला आक्रोश

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिले में पेसा नियम 2022 के तहत ग्राम सभाओं के अधिकारों को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। वर्ष 2026 के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण एवं वितरण से संबंधित ग्राम सभाओं द्वारा पारित प्रस्तावों को निरस्त किए जाने का मामला सामने आया है जिससे आदिवासी क्षेत्रों में असंतोष बढ़ता नजर आ रहा है प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 दिसंबर 2025 को पश्चिम एवं पूर्व सामान्य वन मंडल क्षेत्र की ग्राम सभाओं ने तेंदूपत्ता संग्रहण एवं वितरण को लेकर प्रस्ताव पारित किए थे। इन प्रस्तावों को जनपद पंचायत मण्डला द्वारा भी अनुमोदित कर संबंधित विभाग को भेजा गया था कुल 32 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए जिनमें से केवल 12 को स्वीकृति दी गई जबकि 20 प्रस्तावों को निरस्त कर दिया गया चौंकाने वाली बात यह है कि जिन 20 प्रस्तावों को खारिज किया गया उनके कारणों की जानकारी ग्राम सभाओं या पेसा समितियों को नहीं दी गई। साथ ही तेंदूपत्ता नीलामी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी ग्राम सभाओं को साझा नहीं की गई जबकि पेसा नियमों के तहत ग्राम सभा की सहमति और सहभागिता अनिवार्य मानी जाती है स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि कई मामलों में ग्राम सभा के प्रस्ताव के बिना ही कार्यवाही की गई जो पेसा एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन है।

आदिवासी बहुल जिले में इस तरह की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं और वन विभाग की भूमिका पर संदेह जताया जा रहा है इस पूरे मामले को लेकर कलेक्टर को शिकायत प्रस्तुत की गई है जिसमें निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। साथ ही निरस्त किए गए प्रस्तावों के कारणों को सार्वजनिक करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की गई है।

हटा को मिली अपनी महिला रोग विशेषज्ञ

पिता ने सपना देखा, बेटी ने उसे सेवा में बदला

हटा। वर्षों से जिस कमी को पूरा कराने के लिए मंत्री, सांसद और विधायक तक प्रयास करते रहे, वह आखिरकार एक शिक्षक पिता और उसकी डॉक्टर बेटी के संकल्प से पूरी हो गई। हटा सिविल अस्पताल में अब महिला रोग विशेषज्ञ की सेवाएं मिलेंगी। राज्य शासन ने डॉ. भूमिजा राजपूत को प्रथम श्रेणी चिकित्सक एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ के पद पर पदस्थ किया है।

हटा क्षेत्र की महिलाओं के लिए यह खबर किसी राहत से कम नहीं है। अब तक प्रसूति और स्त्री रोग संबंधी गंभीर मामलों में महिलाओं को दमोह रेफर किया जाता था। कई बार समय पर इलाज न मिलने से मरीजों और परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था लेकिन अब यह स्थिति बदलने की उम्मीद जगी है। इस उपलब्धि के पीछे एक भावुक और प्रेरणादायक कहानी भी है। हटा के मॉडल स्कूल के प्राचार्य बीएस राजपूत ने वर्षों पहले अपनी बेटी भूमिजा को डॉक्टर बनाने का सपना देखा था। उन्होंने केवल बेटी को उच्च शिक्षा दिलाने तक ही जिम्मेदारी नहीं निभाई बल्कि उसमें अपनी मिट्टी और अपने लोगों के प्रति सेवा का भाव भी जगाया। डॉ. भूमिजा राजपूत ने स्त्री रोग विशेषज्ञता में पीजी की डिग्री हासिल की। उनके सामने महानगरों में बेहतर अवसरों और सुविधाओं के कई रास्ते खुले थे लेकिन उन्होंने चमक.दमक छोड़कर अपने क्षेत्र की महिलाओं की सेवा को प्राथमिकता दी। लोक सेवा आयोग में चयन के बाद जब पदस्थापना के लिए विकल्प चुनने का अवसर मिला तो उन्होंने बिना हिचक हटा सिविल अस्पताल को अपना कार्यक्षेत्र चुना। स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी उनकी भावना का सम्मान करते हुए हटा सिविल अस्पताल के लंबे समय से रिक्त महिला रोग विशेषज्ञ पद पर उनकी नियुक्ति कर दी। डॉ. भूमिजा की पदस्थापना से अब हटा और आसपास के ग्रामीण अंचलों की हजारों महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी।

प्रसव, स्त्री रोग उपचार और जांच की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से मरीजों का समय, पैसा और परेशानी तीनों बचेंगे। नगरवासियों का कहना है कि यह केवल एक पदस्थापना नहीं बल्कि हटा की बेटियों और महिलाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में बड़ी सौगात है। एक शिक्षक पिता का सपना और बेटी का सेवा भाव आज पूरे क्षेत्र के लिए उम्मीद बन गया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 113 अ-20(1) सन् 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्रवाई इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 25/05/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षे. का नाम	प्लाट नं.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/धारकों का नाम/ पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/ माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
11	कंदेली	90	766 वर्गफुट	श्रीमति गीता पत्नि नरेश त्रिवेदी सा. कंदेली	श्रीमति गीता पत्नि नरेश त्रिवेदी सा. कंदेली

आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 112 अ-20(1) सन् 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्रवाई इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 25/05/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षे. का नाम	प्लाट नं.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/धारकों का नाम/ पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/ माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
11	कंदेली	92	1481 वर्गफुट	नरेश त्रिवेदी आ. लक्ष्मीप्रसाद त्रिवेदी सा. कंदेली	नरेश त्रिवेदी आ. लक्ष्मीप्रसाद त्रिवेदी सा. कंदेली

आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

भौगोलिक स्थिति के आधार पर तहसील व ग्रामों का किया जाए परिसीमन

मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग अध्यक्ष एस.एन.मिश्रा

कटनी (स्वतंत्रमत)

प्रशासनिक पुर्नगठन का उद्देश्य जनोन्मुखी सुलभ प्रशासन हो। जिले की नई तहसील या ग्राम पंचायत बनाते समय उसकी सीमा में जिले में शामिल करने से पहले उस स्थान की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, अधोसंरचना ढाचा, मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। इस आशय के निर्देश आयोग के अध्यक्ष एस.एन. मिश्रा ने कटनी के जिला पंचायत सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की बैठक में दिए। बैठक में मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह तथा सदस्य मुकेश शुक्ला, कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरसिमरनप्रीत कौर, निगमायुक्त तपस्या परिहार, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, सहायक कलेक्टर श्लोक वाइकर, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन और युक्तियुक्तकरण का उद्देश्य प्रशासकीय कार्यों की दक्षता को बढ़ाना और सुलभ

प्रशासन उपलब्ध कराना है। मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन के पहले जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से चर्चा कर उनकी राय लेकर आपस में समन्वय स्थापित करके राजस्व सीमाओं के पुनर्गठन का प्रस्ताव कलेक्टर को प्रेषित करें। कलेक्टर प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करके अपने सुझाव एवं निर्णय से आयोग को अवगत करायेगें। उन्होंने कहा कि पुनर्गठन के पूर्व जनप्रतिनिधियों एवं सभी अधिकारियों से अलग- अलग चर्चा की जाए। चर्चा के दौरान बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाए। जनपद एवं तहसील की सीमाओं के परिसीमन को और अधिक जनोन्मुखी बनाया जाएगा। इसके आधार पर ज्यादा से ज्यादा जनता को सुविधा दिलाई जा सके। उन्होंने बताया कि नवीन प्रशासनिक इकाई के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत बनाये गये है। नये परिसीमन में यह आवश्यक रूप से देखा जायेगा कि जनसंख्या का संतुलन हो। परिसीमन में जनसंख्या, औद्योगिक क्षेत्र एवं भौगोलिक दूरी अनिवार्य रूप से ध्यान रखा जायेगा। इसके साथ ही प्रस्तावित इकाईयों को सुविधा की दृष्टि से पुनर्गठन के संबंध में विस्तार से निर्देश दिए गए। उन्होंने प्रश्नावली को पब्लिक डोमेन में लाकर उसके जबाव तैयार कर सुझाव लिये जायेगें। जिसकी समीक्षा राजस्व स्तर पर की जायेगी। यदि भौगोलिक गठन चाहते है तो बताना पडेगा कि तहसील एवं गांव किस जिले के करीब है। नये प्रशासनिक इकाई गठन में यह सभी बातें शामिल की जायेगी। आयोग के अध्यक्ष मिश्रा ने आयोग के कार्यक्षेत्र के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि भौगोलिक परिस्थितियों एवं जन अपेक्षाओं के आधार पर और अधिक जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्तमान संरचना, युक्तियुक्तकरण, नवीन प्रशासनिक इकाईयों के गठन हेतु मार्गदर्शी सिद्धांतो सहित जिलों का भ्रमण कर सुझाव प्राप्त करना एवं इकाईयों की दक्षता बढाने हेतु अनुशंसा करना है। बैठक में सचिव अक्षय कुमार सिंह ने लोक कल्याणकारी राज्य की कल्पना को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के कार्य करने की पद्धति का निर्धारण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला द्वारा पोर्टल की प्रश्नावली को भरे जाने, प्रशासकीय प्रश्नावली पदों की स्थिति एवं आवश्यकता, भौगोलिक कारक, प्राकृतिक सीमाएं, आवागमन क्षेत्रफल, अंधोसंरचनात्मक बुनियादी सुविधाएं, प्रशासनिक अमला एवं दक्षता, आर्थिक गतिविधियां, संसाधनों की उपलब्धता, जनसंख्या का आकार और घनत्व, सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक और सामाजिक कारक, सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि आयोग के पोर्टल के माध्यम से प्रशासकीय इकाइयों के पुनर्गठन के लिए सुझाव प्रस्तुत किए जा सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से प्राप्त सुझावों पर जिला कलेक्टर विचार कर अपनी अनुशंसा सहित आयोग को भेजेंगे। बैठक में जिला पंचायत सीईओ, निगमायुक्त और पुलिस अधीक्षक और एसडीएम कटनी, उपसंचालक पशुपालन, सीएमएचओ ने भी कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में कलेक्टर आशीष तिवारी ने कहा कि आयोग द्वारा दिए गए निर्देशानुसार सभी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर आयोग की मंशानुरूप प्रस्ताव भिजवाये जाने की कार्यवाही यथाशीघ्र की जायेगी। इसके पहले सचिव अक्षय सिंह की अध्यक्षता में कटनी तहसील कार्यालय में भी तहसील स्तरीय बैठक में सारगर्भित चर्चा हुई और कई महती सुझाव प्राप्त हुये।

10 दिवसीय संस्कार शिविर का भव्य आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज नवाचार समय सागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या द्वय प.पू. 105 गुरूमति माता जी एवं श्री 105 दृणमति माता जी के पावन सानिध्य में 07 मई से 17 मई तक 10 दिवसीय संस्कार शिविर का भव्य आयोजन दिग. जैन समाज पंचायत महासभा के तत्वाधान में श्री 1008 पार्श्वनाथ दिग. जैन बड़े मंदिर जी एवं जैन बोर्डिंग में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के प्रारंभ में प्रातः ध्वजारोहण, चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन समाजसेवी पंचायत महासभा के उपाध्यक्ष शरद सरावगी एवं रश्मि सरावगी द्वारा किया गया। कलश स्थापन एडवोकेट आलोक जैन, संगीता जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पुर्ण्जक विजय कुमार, मनीष कुमार-बंगला, राजकुमार रविन जैन कलर लैब, पंकज जैन, वर्षा जैन, विमल कुमार, सरोज जैन किराना, विजय कुमार, नवीन जैन विश्व, रमेशचंद राजेश कुमार, भजन सागर, डॉ. कमल कुमार, डॉ. अखिलेश जैन, सी.ए. संदीप पटोरिया- रंजना पटोरिया, शरद सरावगी, रश्मि जैन, पीयूष जैन विनी, सिंघई पंचम जैन, सुधीर जैन पप्पू, राजेश कुमार स्टेशनरी, अशोक कुमार संगीता जैन, सं.सि. प्रसन्न कुमार अनुराग जैन, योगेश कुमार सरिता जैन को बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पंचायत अध्यक्ष संजय जैन ने बतलाया कि आर्यिका संघ के सानिध्य में प्रातः जैन बड़े मंदिर एवं जैन बोर्डिंग में तथा दोपहर में क्लास जैन धर्मशाला में लग रही है। पंचायत उपाध्यक्ष पंचम जैन समस्त सधर्मी बन्धुओं माताओं बहनों से शिविर में धर्मलाभ लेने की अपील की।

सधर्मी बन्धुओं माताओं, बहनों से शिविर में धर्मलाभ लेने की अपील की

महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. विमला मिंज के कुशल नेतृत्व में इको क्लब प्रभारी डॉ. रीना मिश्रा के संयोजन में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं द्वारा पोस्टर निर्माण एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण की विभिन्न थीम्स पर उत्कृष्ट रचनाएँ प्रस्तुत कीं। प्रभारी प्राचार्य डॉ. विमला मिंज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारे भविष्य की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को वृक्षारोपण, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी, जल संरक्षण तथा स्वच्छता जैसे विषयों पर जागरूक रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अमिताभ पांडे सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने छात्राओं द्वारा बनाए गए पोस्टरों का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। उन्होंने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और बताया कि युवा पीढ़ी ही पर्यावरण की रक्षा का मजबूत आधार बन सकती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. संजयकांत भारद्वाज, डॉ. आशुतोष नारायण द्विवेदी, डॉ. मैत्रयी शुक्ला, प्रियंका सोनी, मीनाक्षी वर्मा, सुषमा वर्मा, भीम बर्मन तथा समस्त स्टाफ सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस कार्यक्रम ने छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें रचनात्मक कार्यों के लिए प्रोत्साहित भी किया।

खाद और बीज के लिए भटक रहे किसान

बड़वारा में कांग्रेस का सत्याग्रह आंदोलन

कटनी (स्वतंत्रमत)

कांग्रेस ने बुधवार को जिले के बड़वारा विधानसभा मुख्यालय में किसान न्याय सत्याग्रह आंदोलन किया। इस सत्याग्रह में जिले के किसान और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह ने बताया कि यह सत्याग्रह भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ किसानों के हितों की लड़ाई है। उन्होंने आरोप कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण किसान पूरे वर्ष संकट का सामना करते हैं। किसानों को बुवाई के समय खाद और बीज की कमी रही, जिससे किसानों को भटकना पड़ता है। यूरिया की आवश्यकता होने पर किसानों को लंबी कतारें लगाने को

मजबूर होना पड़ता है। जब इन दिनों यूरिया की कोई आवश्यकता नहीं है तो सरकार रैक रैक जिले में भेज रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इन दिनों गेहूं खरीदी का दौर चल रहा है ऐसे में किसानों की उपज की खरीदी समय पर नहीं हो रही, पोर्टल में गड़बड़ी से किसान परेशान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार किसान विरोधी यूएस टेड् डील होने तक इस तरह के सत्याग्रह आंदोलन जिले में जारी रहेंगे। वहीं इस मौके पर कांग्रेस के अन्य नेताओं ने संबोधित करते हुए एक स्वर में कहा कि सरकार की संवेदनहीन नीतियों से किसान चिंतित हैं और अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहा है। गेहूं खरीदी में संकट का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार की नीति ने किसानों के सामने गंभीर समस्या खड़ी कर दी है। किसान सत्याग्रह आंदोलन में जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद इजरायल, रंजीत सिंह, लल्लन सिंह, संदीप सिंह, जनपद सदस्य सुनील सिंह, श्रीराम पटेल, सचिन गर्ग, माधव तिवारी, कमलेश पांडे, राघवेन्द्र सिंह, अंशुल राजपूत एवं सियाराम देवरी सहित बड़ी संख्या में किसानों के अलावा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अठारह पुराण, असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं श्रीमद् भगवत कथा आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

विगत दिवस 15 से 23 मई तक होने वाले अठारह पुराण, असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवम श्रीमद् भगवत कथा आयोजन की तैयारियों को लेकर कार्यक्रम स्थल पर पूज्य डॉ. रजनीश शास्त्री के सानिध्य में आवश्यक बैठक संपन्न हुई जिसमे शिष्य मंडल सहित अन्य जन्मनास ने अपनी उपस्थिति दी। बैठक में आयोजन से जुड़े हर बिंदुओं पर क्रमशः

चर्चा हुई मैदान का मौके पर मुआयना भी किया जाकर बलदाऊ टेंट कटनी को आवश्यक कार्य सौप कर उन्हे पूर्ण करने कहा गया। यात्रा की भव्यता को लेकर सभी को जिम्मेदारी दी गई एक व्यक्ति अपने साथ पांच लोगों को साथ लाए यह भी आग्रह किया गया। कथा में कटनी एवम् आसपास से अन्य संत जैसे लोढ़ा सिद्ध महाराज, सुरेंद्र दास महाराज, भरभरा वाले महाराज एवम और भी संतो का आगमन होना है। इस तरह यजमान बनाने हेतु सभी से आग्रह किया गया। पूज्य दद्दा ने लगभग 20 वर्षो पहले अठारह पुराण का आयोजन किया था उसके बाद यह आयोजन हो रहा है जहां अठारह पुराण का दर्शन होगा। बैठक में अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर निर्णय लिए गए। कटनी नगर निगम महापौर प्रीति संजीव सूरी एवम अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण किया जाना है बैठक में गुल्लू खंपरिया, सिन्हा, राहुल बजाज, मुकेश नौगरहिया, प्रमोद सेन, गोविंद सेन, ब्रजेश अग्रवाल, घप्पू गुप्ता, सुमित जैसवाल, मंटू गुप्ता, संजू नाकरा, अक्षय निगम, राय साहब, ओम प्रकाश तपा, कपूर सहित अन्य महिला मातृ शक्ति भी उपस्थित रही अब 11 मई को अंतिम बैठक श्री जगन्नाथ मंदिर रसोई परिसर में सायं 5 बजे से होगी।

ध्वस्त करने पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शराब माफियाओं के विरुद्ध पुलिस की बड़ी कार्यवाही

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी द्वारा शराब माफियाओं के नेटवर्क को जिले से उखाड़ने हेतु ऑपरेशन शिकंजा का अभियान चलाया जा रहा है। जिसकी तहत कटनी पुलिस द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं विक्रय में संलिप्त व्यक्तियों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस कार्यवाही का उद्देश्य कटनी जिले में नशे के कारोबार पर पूर्णतया प्रतिबंध एवं नशे को जड़ से उखाड़ने हेतु संलिप्त कारोबारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करना है। ऑपरेशन शिकंजा के तहत पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में, कटनी जिले के समस्त अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों, समस्त थाना प्रभारियों, एवं उनकी टीमों द्वारा एक साथ संपूर्ण जिले में रेड कार्यवाही को अंजाम दिया गया। जिसमें कार्यवाही के दौरान 105

व्यक्तियों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए 105 प्रकरण दर्ज किए गए आरोपियों से कुल 356 लीटर अवैध देशी शराब, 58.5 अंग्रेजी शराब, 56 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। जप्त अवैध शराब की कीमत 2,88,900 आकी गई। उक्त कार्रवाई में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध गांजा तस्कर को 2 किलो 918 ग्राम गांजा के साथ किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। आरोपी रोहित कोल पिता स्व. अशोक कोल उम्र 20 साल निवासी ग्राम पतरोई पो. पहरूआ थाना सिहोरा जिला जबलपुर। 2 किलो 918 ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती करीबन 60,000/- रूपये पुलिस मुख्यालय द्वारा नशे के विरूध्द चलाये जा रहे अभियान के तहत जिले को नशा मुक्त एंव अवैध नशे के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहे है। जिसके तारतम्य में पुलिस अधीक्षक कटनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक कटनी के

निर्देशन मे 07 मई को गश्त दौरान ओएफ के स्टेडियम के सामने आम रोड में एक व्यक्ति पिट्ठू बैग पीठ में टांगा संदिग्ध हालत मे दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर नाम पता पूछा जो अपना नाम रोहित कोल का रहने वाला बताया जो उक्त व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि को देखते हुये लिये पिट्ठू बैग की तलाशी लेने पर उसमें से 2 किलो 918 ग्राम मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया जिसे मौके पर वैधानिक कार्यवाही करते हुये अपराध क्र. 202/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को जेल भेजा गया।

आदतन अपराधी हसन अली पर एनएसए, केंद्रीय जेल जबलपुर भेजा गया

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत एक बड़ी एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए आदतन अपराधी हसन अली उर्फ छोटा बाबर पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर लगातार कड़ा प्रहार किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के गुंडा, हिस्ट्रीशीटर एवं आदतन अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए कठोर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना कोतवाली कटनी प्रभारी निरीक्षक राखी पांडे एवं उनकी टीम द्वारा थाना क्षेत्र के सक्रिय अपराधियों पर सतत निगरानी रखते हुए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा आदतन अपराधी हसन अली उर्फ छोटा बाबर पिता अब्दुल वहाब अली के आपराधिक रिकॉर्ड, गतिविधियों एवं क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव का विस्तृत परीक्षण कर उसके विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई हेतु प्रकरण तैयार किया गया।

मैरिज गार्डन में दुल्हन के जेवरात चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्त में

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के द्वारा समाज को भय मुक्त एवं निर्बाध जीवन यापन का वातावरण देने बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में 07 मई के कुठला पुलिस को विद्या मैरिज गार्डन से दुल्हन के आभूषण चोरी करने वाले आरोपी राजकुमार उर्फ तिज्जू कोरी को मय जेवरातों के गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। सूचनाकर्ता फरियादी हरीश त्रिपाठी पिता स्व. विजय त्रिपाठी उम्र 38 वर्ष निवासी पहरुआ मण्डी कटनी द्वारा थाना में रिपोर्ट की गई कि 03-04 मई की रात्रि उसकी बहन की शादी विद्या मैरिज गार्डन पन्ना मोड़ कटनी में आयोजित थी। शादी के दौरान कमरे में रखी बन्द पेटी का कुंदा तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात हार, झुमकी, बिछिया, अंगूठियाँ

आदिद्ध कुल कीमत लगभग 3,00,000 रुपये को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर लिया है जिसके बाद परिजनों द्वारा तलाश की गई, किन्तु सामान नहीं मिला, मैरिज गार्डन के सीसीटीवी फुटेज देखने पर एक व्यक्ति गमछा डाले कमरे में प्रवेश कर सिंगारदानी ले जाते तथा दूसरा व्यक्ति बाहर निगरानी करते दिखाई दिया। जिसकी रिपोर्ट पर दो अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई जिसके पश्चात मामले के अज्ञात आरोपियों की पता तलाश कुठला पुलिस द्वारा परम्परागत एवं तकनीकी सहायता लेकर विवेचना की गई घटना को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी की पहचान मुखबिर द्वारा उक्त सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे व्यक्ति का नाम राजकुमार कोरी उर्फ तिज्जू कोरी निवासी कछगवा का होना बताया जिसके पश्चात राजकुमार कोरी की पता तलाश उसकी सकूनत पर की गई तथा उसने पूछताछ में अपने भतीजे शाहिल के साथ घटना को अंजाम देना स्वीकार किया हैं जिसके बाद आरोपी से चोरी किये हुए जेवर झुमकी, बिछिया, अंगूठियाँ जप्त किये गये, जबकि आरोपी द्वारा चोरी किया गया सोने का हार आईआईएफएल बैंक कटनी में गिरबी रख दिया गया है। जिसे प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है। मामले का अन्य आरोपी शाहिल जो फरार है जिसकी पता तलाश की जा रही है। आरोपी को न्यायालय कटनी में प्रस्तुत किया गया है तथा आरोपी से अन्य प्रकरणों में पूछताछ हेतु पुलिस रिमाण्ड में लिया गया है। पूर्व आपराधिक रिकार्डः- आरोपी के विरुद्ध पूर्व से चोरी, मारपीट, आर्म्स एक्ट, जुआ, सट्टा के 6 अपराध पंजीबद्ध है। गिरफ्तार आरोपी- राजकुमार उर्फ तिज्जू कोरी पिता प्रेमलाल कोरी उम्र 33 वर्ष निवासी कछगवां जेल के पीछे थाना माधवनगर जिला कटनी।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई

खराब प्रदर्शन के बाद अटकले हुई तेज, चयन समिति ले सकती है फैसला

मुम्बई।

भारतीय टी20 विश्वकप क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। सूर्यकुमार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में भविष्य की ओर देखते हुए बीसीसीआई चयन समिति उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नये कप्तान की दौड़ में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चयन समिति अब उनसे आगे बढ़ना चाहती है। इस भारतीय टीम को इस सत्र में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है, और बीसीसीआई जब इन इन मुकाबलों के लिए टीम घोषित करेगा तो टीम को इस प्रारुप में एक नया कप्तान मिल सकता है। टी20 विश्वकप के अलाव सूर्या आईपीएल में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन के कारण् चयनकर्ताओं का मानना है कि अब उन्हें आगे बढ़ने की जरुरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता अगले क्रिकेट चक्र के लिए टीम में एक नई ऊर्जा लाना चाहते हैं, जिसकी शुरुआत आयरलैंड में दो टी20 मैचों से होगी और उसके बाद इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वहीं श्रेयस ने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन 2028 टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। इसमें नए नेतृत्व को अवसर दिया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। अभी के हिसाब से, कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के दिन कुछ ही लग रहे हैं, और देखना होगा कि वह बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं।

दूसरी ओर सूर्या ने अगले दो साल तक कप्तान बने रहने की इच्छा जाहिर की है पर बीसीसीआई उन्हें शायद ही अवसर दे। वहीं श्रेयस अय्यर की कप्तानी बेहतर होती जा रही है। पिछले आईपीएल सीजन में उन्होंने पंजाब किंग्स को शानदार तरीके से फाइनल तक पहुंचाया था, और आईपीएल 2026 में भी उनका प्रदर्शन अब तक जबरदस्त रहा है। उनकी मौजूदा फॉर्म और नेतृत्व क्षमता उन्हें भारत की टी20 टीम की कप्तानी के लिए एक मजबूत दावेदार बनाती है।

ग्लोबल चेस लीग का चौथा सीजन भारत में खेला जाएगा

नयी दिल्ली।

टेक महिंद्रा और फिडे की एक संयुक्त पहल, ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) ने शुक्रवार को घोषणा की कि इसका चौथा सीजन भारत में आयोजित किया जाएगा। भारत एक ऐसा देश है जहां इस खेल की लोकप्रियता तेज़ी से बढ़ रही है। पिछले सीजनों में, भारत ने खचाखच भरे स्टेडियम, ज़बरदस्त फैन ज़ोन और डिजिटल जुड़ाव में भारी उछाल देखा है, जिसने शतरंज के दर्शकों से जुड़ने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। जो खेल कभी शांत और अकेले खेला जाने वाला माना जाता था, वह अब तेज़-तर्रार, रोमांचक और लाखों लोगों द्वारा मिलकर खेला जाने वाला खेल बन गया है।ग्लोबल चेस लीग ने पहले ही खेल के प्रारूप, फ्रेंचाइज़ी टीमों, मिश्रित-लिंग वाली टीमों और तेज गति वाले मैचों के तरीकों को बदल दिया है।लेकिन इससे भी ज़्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने खेल के अनुभव को ही बदल दिया है।इसने शतरंज को एक शानदार तमाशे में बदल दिया है।एक टीम

खेल में। एक ऐसी चीज़ में जिसे प्रशंसक सिर्फ़ देखते ही नहीं, बल्कि महसूस भी करते हैं। और इसके लिए भारत से बेहतर कोई मंच नहीं हो सकता।ग्रैंडमास्टर्स की एक नई पीढ़ी के उभरने, वैश्विक खिताबों के करीब पहुँचने और प्रशंसकों के पहले कभी न देखे गए उत्साह के साथ, भारत इस खेल के भविष्य को आकार देने वाली सबसे शक्तिशाली ताकतों में से एक के रूप में उभरा है।एक ऐसा देश जिसकी पहचान लंबे समय से खेलों के प्रति उसके जुनून से रही है, वह अब शतरंज को एक बिल्कुल नए अंदाज़ में अपना रहा है। टेक महिंद्रा ग्लोबल चेस लीग के कमिश्नर गौरव रक्षित ने कहा, ग्लोबल चेस लीग ने शतरंज को एक ज़्यादा गतिशील और दर्शकों के लिए ज़्यादा आकर्षक खेल बनाने में अहम भूमिका निभाई है।इस खेल के प्रति भारत का जुनून और यहाँ का तेज़ी से बढ़ता शतरंज का माहौल इसे इस लीग के आयोजन के लिए एक स्वाभाविक और बेहतरीन जगह बनाता है। हम एक और रोमांचक सीज़न का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, जो दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों और दुनिया भर के प्रशंसकों को एक साथ लाएगा।

दो परफेक्ट सीरीज लगाकर पहले दिन सर्वश्रेष्ठ भारतीय शूटर रहे शपथ भारद्वाज

नयी दिल्ली। शपथ भारद्वाज ने दो परफेक्ट सीरीज लगाईं और उसके बाद तीसरी सीरीज़ में 21 शॉट लगाए।इस तरह उन्होंने कज़ाकिस्तान के अल्माटी में असानोव शूटिंग क्लब में चल रहे इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (ISSF) वर्ल्ड कप शॉटगन के पुरुषों के ट्रैप इवेंट के पहले दिन को 75 में से कुल 71 हिट्स के साथ खत्म किया।69 के स्कोर के साथ मनीषा कीर सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला शूटर रहीं।शपथ ने दिन की शुरुआत दो परफेक्ट राउंड के साथ की, लेकिन तीसरी सीरीज़ में वे सिर्फ़ 21 का स्कोर ही कर पाए, जिससे वे रैंकिंग में नीचे खिसक गए।विवान कपूर ने भी अपनी दूसरी सीरीज़ में परफेक्ट 25 का स्कोर किया; उन्होंने 22 हिट्स के साथ शुरुआत की थी और दिन का समापन तीसरी सीरीज़ में 23 शॉट्स के साथ किया।इस प्रतियोगिता में तीसरे भारतीय शूटर, अहवर रिज़वी ने 23, 22 और 23 का स्कोर किया और पहले दिन को कुल 68 के स्कोर पर खत्म किया।रैंकिंग पॉइंट्स के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे उदयवीर सिंह जयजी और अली अमन इलाही ने क्रमश: 71 और 66 का स्कोर किया।

युवा टाइग्रेस ने लेबनान को हराकर रचा इतिहास

सूझोउ।

भारत ने शुक्रवार को सूझोउ ताइहू फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर पिच 8 पर खेले गए अपने अंतिम ग्रुप बी मुकाबले में लेबनान को 4-0 से हराकर एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप चीन 2026 के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जीवित रखा।युवा टाइग्रेस के लिए प्रीतिका बर्मन ने दो गोल दागे, जबकि अल्वा देवी सेनजाम और जोया ने भी गोल किए। इस जीत के साथ भारत ने 2005 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप में जीत दर्ज की और पहली बार गोल भी किए।इस शानदार जीत के बाद भारत टूर्नामेंट की दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की मजबूत स्थिति में है।अब फिलीपींस को चीनी ताइपे को 12 गोल से हराना होगा, जबकि चीनी ताइपेको 13 गोल के अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।करो या मरो वाले इस मुकाबले में भारत ने पिछले मैच की तुलना में केवल एक बदलाव किया, जिसमें पर्ल फर्नांडिस की जगह अनुश्का कुमारी को शामिल किया गया। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। दिव्यानी लिंडा ने राइट-बैक पोजिशन से लंबा पास आगे बढ़ाया, जिसे प्रीतिका ने शानदार तरीके से नियंत्रित किया।

उन्होंने लेबनान की डिफेंडर जोया बू असाफ को छकाते हुए बाएं पैर से बेहतरीन शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर मैरी जो चेब्ली नहीं रोक सकीं।शुरुआती गोल के बाद भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ गया और टीम ने शानदार पासिंग व आक्रामक प्रेसिंग के जरिए मैच पर पकड़ बना ली।कुछ ही देर बाद भारत को दूसरा गोल करने का मौका मिला जब अनुश्का कुमारी बॉक्स के अंदर जगह बनाने में सफल रहीं, लेकिन उनका प्रयास गोलकीपर मैरी ने बचा लिया।प्रीतिका लगातार लेबनान की डिफेंस के लिए खतरा बनी रहीं और 16वें मिनट में भी गोल के करीब पहुंचीं, लेकिन एक बार फिर गोलकीपर ने उन्हें रोक दिया।

लेबनान की टीम भारतीय विंग प्ले का जवाब नहीं दे पा रही थी, जबकि भारतीय मिडफील्ड तेज ट्रांजिशन और बेहतरीन पोजिशनिंग के जरिए लगातार दबाव बनाए हुए थी।

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट

लखनऊ। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया, जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये। जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भ्ररोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन।

चीनी के दामों में बढ़ी मिठास

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ चीनी और दालों में भी तेजी देखी गयी जबकि गेहूं की कीमत पिछले कारोबारी दिवस पर टिकी रही। खाद्य तेलों में घट-बढ़ का रुख रहा।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़कर 3,850 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।गेहूं 2,779 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा।आटे की कीमत भी पांच रुपये बढ़ गयी।दाल-दलहनों में तेजी रही।मूंग दाल की औसत कीमत 31 रुपये बढ़ गयी।उड़द दाल 16 रुपये और चना दाल 10 रुपये महंगी हुई। तुअर दाल और मसूर दाल का भाव आठ-आठ रुपये प्रति क्विंटल चढ़ा।

निर्माण उपकरणों का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 31.5 प्रतिशत उछला

घरेलू मांग में सात प्रतिशत गिरावट

नयी दिल्ली। घरेलू मांग कमजोर रहने से भारतीय निर्माण उपकरणों की बिक्री में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान करीब दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी।इंडियन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईसीईएमए) ने शुक्र वार को बताया कि गत 31 मार्च को समाप्त वित्त में निर्यात समेत कुल बिक्री 1,40,191 इकाई से घटकर 1,36,995 इकाई रह गयी।इसका मुख्य कारण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन की धीमी रफ्तार और देरी रही।घरेलू चुनौतियों के बावजूद निर्यात में 32 प्रतिशत का मजबूत उछाल दर्ज किया गया जिससे उद्योग पर कम असर हुआ।भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा निर्माण उपकरण बाजार है।वित्त वर्ष 2024-25 में इस सेक्टर की अनुमानित वैल्यू 10 अरब डॉलर थी जिसके साल 2030 तक 8.3 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि के साथ 14.76 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।आईसीईएमए के अध्यक्ष और जेसीबी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक दीपक शेट्टी ने कहा, वित्त वर्ष 2025-26 में जो मामूली गिरावट देखी गयी है, उसे उद्योग की किसी बुनियादी कमजोरी की बजाय जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन की धीमी रफ्तार के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि सरकारी पूंजीगत आवंटन ऐतिहासिक रूप से ऊंचे स्तर पर बना हुआ है।

सोना 800 रुपए महंगा, चांदी भी 3,300 रुपए उछली

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार के कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बाजार खुलते ही चांदी के भाव 3,300 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए, जबकि सोने की कीमत में भी 800 रुपये से अधिक की वृद्धि देखने को मिली, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। एमसीएक्स पर 3 जुलाई डिलीवरी वाली चांदी ने मजबूत शुरुआत की। पिछले सत्र में 2,58,540 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद होने के बाद, यह आज 2,59,999 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 3,271 रुपये की तेजी के साथ 2,61,811 रुपये तक पहुंच गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 516 अंक, निफ्टी 150 अंक गिरा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों नीचे आकर 77,328.19 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 150.50 अंक फिसलकर 24,176.15 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स नीच आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी आई।विभिन्न क्षेत्रों की बात करें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.21 फीसदी की

तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक में 3.06 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.52 फीसदी, निफ्टी मेटल में 0.87 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.82 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.94 फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.29 फीसदी की गिरावट रही । निफ्टी पैक में टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयरों में गिरावट रही। इसके साथ ही कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी नीचे आये। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 475 लाख करोड़ रुपए से कम होकर 473 लाख करोड़ रुपए ही रहा। इस प्रकार निवेशकों को एक ही दिन में करीब 2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

नाईपर रायबरेली ने लॉफ्टी लेबोरेटरीज के साथ किया प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

नयी दिल्ली। रायबरेली (उत्तर प्रदेश) स्थित राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) ने अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण में बहुदिशात्मक सहयोग बढाने के लिए लॉफ्टी लेबोरेटरीज, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन, गोपनीयता संरक्षण समझौता (सीडीए) और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार दोनों संगठनों ने व्यावसायीकरण और विकास के लिए नाईपर रायबरेली में विकसित उद्योग-अनुरूप तैयार तकनीक अपनाने पर सहमति जताई है जिसमें पारस्परिक हित के क्षेत्रों में मिल कर अनुसंधान और विकास के काम भी होंगे।नाईपर-रायबरेली की निदेशक, प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने कहा कि समझौता ज्ञापन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता दोनों संस्थानों को विभिन्न तरीकों से एक-दूसरे के अनुसंधान कार्यक्रमों में पूरक सहायता में सक्षम बनाएगा, जिसमें संस्थान के नवीन औषधि वितरण प्रणाली उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-एनडीडीएस) की गतिविधियों में भागीदारी शामिल है।नवीन औषधि वितरण प्रणाली किसी औषधीय यौगिक को आवश्यकतानुसार सुरक्षित रूप से पहुंचाने के दृष्टिकोण, सूत्रीकरण, प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों से है ताकि इसके वांछित चिकित्सीय प्रभाव प्राप्त किए जा सकें।नवीन औषधि वितरण प्रणाली उत्कृष्टता केंद्र के प्रमुख प्रो. निहार रंजन ने बताया कि वर्तमान तकनीक के व्यावसायीकरण से जेल-स्टेनिंग एजेंट की लागत में काफी कमी आएगी, जिनका उपयोग दुनिया भर में जीव विज्ञान से संबंधित अनुसंधान विशेष रूप से जीन, कैंसर और अन्य न्यूक्लिक एसिड से संबंधित बीमारियों से जुड़े अध्ययनों में बड़े पैमाने पर किया जाता है।उन्होंने कहा कि इस तरह के नए जेल-स्टेनिंग एजेंट के स्वदेशी उत्पादन से भारत के औषधि और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रों को सुदृढ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन कमांक HIG Jr.- 2 श्री सुशील कुमार शर्मा पिता श्री छन्नू लाल शर्मा को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30.11.2012 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री सुशील कुमार शर्मा पिता श्री छन्नू लाल शर्मा का निधन दिनांक 23.03.2026 को हो चुका है। उनकी पत्नि श्रीमती सीमा शर्मा पति स्व. श्री सुशील कुमार शर्मा के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना
विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

प्रथम निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Pro 144 Date 8/5/2026 2026_UAD_505648_1	महर्षि अरविंद वार्ड अंतर्गत विजय प्रजापति के घर से किशन गुड्डा चक्रवर्ती के घर से होते हुए हीरा बाई के घर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (निगम मद)	3 माह 8.55 लाख	2000/- 8556/-	25-5-2026
2	Pro 144 Date 9/5/2026 2026_UAD_505648_2	महर्षि अरविंद वार्ड अंतर्गत संजू परोची बेन मोहल्ला के घर से शिवराम बेन के घर से छोटू ढोल वाले की दुकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (निगम मद)	3 माह 11.02 लाख	2000/- 8267/-	8-6-2026
3	Pro 144 Date 9/5/2026 2026_UAD_505648_3	महर्षि अरविंद वार्ड अंतर्गत प्रकाश पेंटर के घर से पप्पू बाबा के घर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (निगम मद)	3 माह 8.71 लाख	2000/- 8713/-	25-5-2026
4	Pro 144 Date 9/5/2026 2026_UAD_505648_4	महर्षि अरविंद वार्ड अंतर्गत वंशकार मोहल्ला में संजू सोनकर के घर से मिलन सोनकर के घर तक एवं ओम सोनकर के घर से दंगल मैदान पानी की टंकी तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (निगम मद)	3 माह 16.90 लाख	2000/- 12679/-	8-6-2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन की वेवसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से सामचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर निगम, जबलपुर

सांस्कृतिक धरोहर भावी पीढ़ियों को समृद्ध अतीत से जोड़ने का सशक्त माध्यमः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्राचीन मंदिरों के संरक्षण एवं पुनरुद्धार से सशक्त हो रहा सांस्कृतिक वैभव

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरें भावी पीढ़ियों को समृद्ध अतीत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। साथ ही हमारे गौरवशाली इतिहास, ज्ञान, कला और सभ्यता की जीवंत प्रतीक हैं। इन धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्धन समय की आवश्यकता है, जिससे भावी पीढ़ियाँ भी अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व का अनुभव कर सकें। राज्य सरकार विरासत भी-विकास भी के संकल्प को साकार करते हुए सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है।प्रदेश में प्राचीन मंदिरों एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और पुनरुद्धार कार्य निरंतर किया जा रहा है। इन प्रयासों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं और नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन स्थापत्य कला और ऐतिहासिक धरोहरों के कारण देश में विशिष्ट पहचान रखता है। संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा प्रदेश में बिखरे मंदिर अवशेषों का वैज्ञानिक पद्धति से मूल स्वरूप में पुनर्स्थापन किया जा रहा है। 'पुनर्संरचना' एवं 'एनास्टाइलोसिस' जैसी तकनीकों के माध्यम से धरोहरों की मौलिकता और ऐतिहासिकता को संरक्षित किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण और पुनर्जीवन का महत्वपूर्ण प्रयास है।

देवबड़ला और आशापुरी बने पुरातात्विक पुनरुद्धार के उत्कृष्ट उदाहरण

सीहोर जिले का देवबड़ला और रायसेन जिले का आशापुरी क्षेत्र पुरातात्विक पुनरुद्धार के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में उभरकर सामने आया है। इन स्थानों की विशेषता यह है कि यहाँ मंदिरों का अस्तित्व लगभग समाप्त हो चुका था, किंतु उत्खनन के दौरान प्राप्त बिखरे अवशेषों एवं खंडित प्रतिमाओं को वैज्ञानिक पद्धति से एकत्रित कर पुनर्स्थापित किया गया है। घने जंगलों के मध्य स्थित सीहोर जिले के देवबड़ला में 11वीं शताब्दी के परमारकालीन मंदिर अवशेषों का वैज्ञानिक तरीके से पुनर्निर्माण कराया गया है। यहाँ 'भूमिज शैली' में निर्मित मंदिरों की 'पंच-रथ' योजना तत्कालीन उन्नत स्थापत्य कला का नमूना है। मंदिर क्रमांक-1 एवं 2 के पुनर्संरचना कार्य में मूल पत्थरों का उपयोग कर उनकी प्राचीनता को सुरक्षित रखा गया है। द्वार-शाखाओं पर उकेरी गई गंगा-यमुना की प्रतिमाएँ तथा सूक्ष्म नक्काशी इस स्थल को विशेष बनाती हैं।

सम्पूर्ण प्रदेश में हो रहे हैं मंदिर संरक्षण एवं पुनरुद्धार कार्य

प्रदेश में धरोहर संरक्षण एवं पुनरुद्धार के कार्य व्यापक स्तर पर संचालित किए जा रहे हैं। खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में सिद्धेश्वर एवं अन्य मंदिर परिसरों का वैज्ञानिक संरक्षण किया जा रहा है। उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर परिसर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित किया गया है। वहीं रायसेन जिले के धवला क्षेत्र में मंदिरों की संरचनात्मक सुरक्षा एवं विशेष सफाई कार्य संपादित किए गए हैं। इन सभी स्थलों पर 'एनास्टाइलोसिस' तकनीक के माध्यम से मूल पत्थरों द्वारा पुनर्गठन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे ऐतिहासिकता एवं मौलिक स्वरूप सुरक्षित बना रहे। इन समेकित प्रयासों से प्रदेश न केवल अपनी ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण कर रहा है, बल्कि उन्हें नई पहचान भी प्रदान कर रहा है।

स्वास्थ्य के प्रत्येक मानक में निरंतर सुधार के लिए संकल्पित होकर सरकार कर रही है कार्यः उप मुख्यमंत्री

एनीमिया मुक्त भारत स्कोरकार्ड 2025-26 में मध्यप्रदेश देश में प्रथम

भोपाल। मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) स्कोरकार्ड 2025-26 में 92.1 एएमबी इंडेक्स के साथ देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार और एनीमिया नियंत्रण की दिशा में प्रदेश सरकार की सतत प्रतिबद्धता और प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम सहयोगी विभागों और मैदानी स्वास्थ्य अमले को बधाई दी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार, पोषण सुदृढ़ीकरण तथा एनीमिया उन्मूलन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित मध्यप्रदेश की आधारशिला हैं। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य के प्रत्येक मानक में निरंतर सुधार के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सरकार ने स्वस्थ मध्यप्रदेश की ओर एक और सशक्त कदम बढ़ाते हुए भविष्य में भी जनस्वास्थ्य के सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में व्यापक जनजागरूकता, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आयरन-फोलिक एसिड वितरण तथा पोषण संबंधी गतिविधियों को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहे हैं।

रेडक्रॉस के उद्देश्य और सेवा कार्यों से जन जन को करें प्रेरित : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल ने विश्व रेडक्रॉस दिवस पर प्रदान किए सेवा सम्मान

भोपाल (स्वतंत्र मत)

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा, ईश्वर की सेवा का सशक्त माध्यम है। मानवता की सेवा ही प्रभु की सेवा है। अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार ग़रीब, वंचित और ज़रूरतमंदों की हमेशा मदद करते रहे। उन्होंने कहा कि सेवा का दायरा बहुत विस्तृत है। रेडक्रॉस सदस्य दूरस्थ, ग्रामीण इलाकों जाकर जरूरतमंदों से मिले, उनकी समस्याओं को करीब से देखें, समझे और यथा संभव समाधान के आत्मीय प्रयास करें। हर सदस्य कम से कम 5 व्यक्तियों को रेडक्रॉस से जोड़े। राज्यपाल श्री पटेल ने रेडक्रॉस के सिद्धांतों, उद्देश्यों और कार्यों से जन-जन को प्रेरित करने का आह्वान किया। पीड़ित मानवता के प्रति रेडक्रॉस के संवेदनशील समर्पण से प्रेरणा लेने, वंचितों के उत्थान में सहभागी बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की युवाओं से अपील की। राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित सेवा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यू-नॉट के जन्म दिवस पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। समर्पित कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और समाज सेवी संस्थाओं को सम्मानित किया। मानवता की सेवा कार्यों और प्रयासों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभी सम्मानित जनों को सम्पूर्ण समाज के सच्चे नायक और प्रेरणा स्रोत बताया। मध्यप्रदेश राज्य रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (मेपकास्ट) परिसर में किया गया।

रेडक्रॉस की सीख कर्मों में भी झलकनी चाहिए- राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस, मात्र एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि मानवता, सेवा, करुणा और समर्पण की निरंतर प्रवाहित धारा का स्मरण है। युद्ध के मैदान में पीड़ा देख कर लिया गया संकल्प, आज पीड़ित मानवता की सेवा का वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो हमें बताता है कि सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के 7 मूल सिद्धांत- मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सर्व व्यापकता, जीवन जीने के सच्चे मार्गदर्शक हैं। इनका मन, वचन और कर्म से 365 दिन पालन ही, समावेशी समाज निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने का प्रभावी तरीका है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि रेडक्रॉस की सीख, शब्दों तक सीमित नहीं हो, यह हमारे कर्मों में भी झलकनी चाहिए। इसके लिए समाज को और अधिक संवेदनशील बनाना होगा। सम्मानित लोग, रेडक्रॉस के कार्यों में अपनी निष्ठा, समर्पण, सेवा-भाव के संस्कारों से भावी पीढ़ी को नेतृत्व प्रदान कर प्रोत्साहित करें। मानवता की सेवा के संकल्प के साथ पीड़ितों और वंचितों का दिल खोलकर सहयोग करें। मन, समय और संसाधनों से उनका साथ दें।

सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराएं : मंत्री श्री कुशवाह

शाजापुर जिला विकास सलाहकार समिति एवं निर्माण कार्यों की बैठक संपन्न

भोपाल (स्वतंत्र मत)

शाजापुर जिले के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं शाजापुर जिले के प्रभारी मंत्री नारायनसिंह कुशवाह ने कहा कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किये जायें। उन्होंने यह निर्देश कलेक्ट्रेट सभाकक्ष शाजापुर में जिला विकास सलाहकार समिति एवं निर्माण कार्यों की बैठक में दिये। मंत्री श्री कुशवाह ने विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों, अपूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, म.प्र. सड़क विकास निगम, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, जल संसाधन संभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी-जल जीवन मिशन, नगरीय प्रशासन विभाग, म.प्र. प.क्षे.विवि कंलि. विभाग, सेतु उप संभाग लोक निर्माण, लोक निर्माण विभाग भवन विकास निगम एवं मध्यप्रदेश भवन विकास निगम सहित स्वास्थ्य विभाग, मेडिकल कॉलेज, शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला पंचायत के कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ समय पर पूर्ण करें, ताकि आमजन को इनका समय पर लाभ मिल सके।

गेहूँ उपार्जन की भी समीक्षा - प्रभारी मंत्री श्री कुशवाह ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले के विभिन्न केन्द्रों में किये जा रहे गेहूं उपार्जन कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने उपार्जन कार्य पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न कराने एवं उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

पेयजल की निर्बाध आपूर्ति के निर्देश- प्रभारी मंत्री श्री कुशवाह ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिये कि जिले में कहीं भी पेयजल संकट की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत नल जल योजना के प्रगतिरत कार्यों को समय पर पूर्ण कर हस्तांतरित भी कराएं। इस दौरान उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री से जिले में ट्रांसफार्मर की स्थिति एवं किसानों की मांग अनुसार समय पर ट्रांसफॉर्मर लगाने तथा निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ के लिए निकली कलशयात्रा

हटा (स्वतंत्र मत)

अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा देवरा जामशा के वार्षिकोत्सव हेतु ग्राम के पंचायत भवन परिसर में आयोजित पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा निकालकर किया गया। सर्वप्रथम वेदमंत्रों के साथ पं गिरधर पटेरिया ने विशाल पटेल द्वारा सपत्नीक कलशों में तेतीस कोटि देवशक्तियों का आवाहन पूजन संपन्न करवाया। तत्पश्चात पीत वस्त्रधारी इक्यावन माताओं बहिनों द्वारा सिर पर सुसज्जित कलशों को धारण कर ग्राम प्रदक्षिणा की गई। आगे आगे ध्वजवाहक युवाओं के जयघोष और पीछे पीछे भजन मंडली के प्रज्ञा गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रमुख मार्गों से होती हुई यह यात्रा यज्ञ स्थल पर पहुंची। जहां पुष्प वर्षा कर एवं आरती उतार कर कलशयात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित परिजनों को संबोधित करते हुए दिनेश दुबे ने बताया पूज्य गुरुदेव ने प्रत्येक जीवान्त शाखा के लिए वार्षिकोत्सव मनाना अनिवार्य किया है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि जनजागरण हेतु विचारों में क्रान्ति लाने का अभियान है। समाज में बढ़ रही अशांति, हिंसा एवं नैतिक पतन जैसी समस्याओं को दूर करने व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण और समाज के निर्माण हेतु कार्यकर्ताओं को एकजुट करना, पारस्परिक सहकारिता एवं कौटुंबिकता की भावना भरना, आगामी वर्ष की कार्ययोजना में जुट पड़ना इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी से निःशुल्क पंचकुंडीय महायज्ञ करने एवं विविध संस्कार संपन्न करवाने की अपील रामप्रसाद पटेल द्वारा की गई। आयोजन में पधारे हटा, तेवरईया, अबदा, हिनोता, भैंसा, पिपरिया, मुहरई, खमरगौर, बड़खेरा आदि के कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों के प्रति नेताराम पटेल ने आभार जताया।

भाजपा सागर जिला कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

सागर। भारतीय जनता पार्टी संभागीय कार्यालय सागर में गुरुवार को जिला कोर कमेटी की बैठक उपमुख्यमंत्री एवं सागर जिला प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विधानसभा वार संगठनात्मक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए आगामी कार्यक्रमों, अभियानों एवं संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि बैठक में भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सागर संभाग प्रभारी गौरव रणदिवे, प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर, जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन, विधायक प्रदीप लारिया, शहडोल संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत एवं सागर महापौर संगीता तिवारी उपस्थित रही।

शहर सेवादल ने सीताराम रसोई में मनाई डॉ. हर्डिकर की जन्म जयंती

सागर (स्वतंत्र मत)

कांग्रेस सेवादल के संस्थापक डॉ. नारायण सुब्बाराव हार्डिकर की 136वीं जयंती शहर सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे के नेतृत्व मे शहर की शान सीताराम रसोई में मनाई गई। जहां सेवादल परिवारजनों ने निसहाय लोगों को भोजन करा के डॉ. हर्डिकर के जन्मदिन को सार्थक बनाया। डॉ. हर्डिकर के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर सभी कांग्रेस सेवादल जनों ने उन्हे स्मरण किया। जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश जाटव ने बताया कि डॉ. हार्डिकर का जन्म 7 मई 1889 को धारवाड़ कर्नाटक में हुआ था। 1923 में उन्होंने सेवादल की स्थापना की थी। आजादी की लड़ाई में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे 1952 से 1962 तक राज्यसभा के सदस्य भी रहे थे। 1960 में उन्हें पद्मभूषण से अलंकृत किया गया था। प्रदेश सेवादल के महासचिव विजय साहू ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम को गति दिलाने हर्डिकर ने जेल में सेवादल की स्थापना की और हम सब सेवादल परिवार वाले प्रतिवर्ष वृद्धाश्रम, अनाथालय आदि में डॉ हर्डिकर के जन्मदिन को मनाते आये हैं।

संदिग्ध गतिविधियों पर सहायक ग्रेड-3 निलंबित

दमोह। आकस्मिक निरीक्षण की योजना बनाते समय अधिकारियों के बीच गोपनीय चर्चा चल रही थी। इसी दौरान एक फोन कॉल प्राप्त हुआ जिसमें बताया गया कि सर आप आज यहां आने वाले हैं। इस सूचना ने कलेक्टर प्रताप नारायण यादव को संदेह में डाल दिया क्योंकि निरीक्षण की योजना पूरी तरह गोपनीय रखी गई थी और किसी बाहरी व्यक्ति को इसकी जानकारी नहीं दी गई थी।

मोबाइल और टेलीफोन की जांच में हुआ खुलासा

कलेक्टर यादव के निर्देश पर तत्काल कार्यालय में मौजूद फोन और संचार व्यवस्था की जांच की गई। अधिकारियों ने मोबाइल पर न्यूज चैनल तेज आवाज में चलाकर विभिन्न कनेक्शन पॉइंट्स की जांच की। जांच के दौरान पाया गया कि जिस स्थान पर फोन बंद अवस्था में रखा था और उसका उपयोग नहीं हो रहा था, वहां भी पूरी आवाज साफ सुनाई दे रही थी। इससे स्पष्ट हुआ कि कहीं न कहीं गोपनीय बातचीत और गतिविधियों की जानकारी बाहर पहुंचाई जा रही थी।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन /भूखण्ड हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यू आनंद नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक EWS 228 श्री महबूब अली पिता श्री खुर्शीद अली को आवंटित है। आवंटी श्री महबूब अली पिता श्री खुर्शीद अली की मृत्यु दिनांक 03.02.2021 को हो गई है। उनकी पत्नी श्रीमती फरीदा बानो पति स्व. श्री महबूब अली के द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भूखण्ड के नामांतरण हेतु आवेदन/दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त भूखण्ड नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक-एल.आई.जी. - 841 श्री इन्द्र सिंह ठाकुर पिता श्री जुझार सिंह ठाकुर के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 07.01.2012 को आवंटी के पक्ष मे निष्पादित हो चुका हैं । एवं उनके द्वारा पंजीकृत मुख्त्यार आम दिनांक 02.09.2020 के माध्यम से श्री उक्त भवन श्री शशांक विश्वकर्मा पिता स्व. श्री वीरेन्द्र विश्वकर्मा को समस्त कार्यवाही हेतु अधिकार प्रदत्त किये गए हैं । एवं श्री शशांक विश्वकर्मा पिता स्व. श्री वीरेन्द्र विश्वकर्मा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 28.04.2022 के माध्यम से श्रीमती दुर्गेश सिंह पति श्री हरमन डेरिक को विक्रय किया है। अतः श्रीमती दुर्गेश सिंह पति श्री हरमन डेरिक द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

युवक के खाते से जब्त की गई रकम

धमकाकर ठग ली लाखों की रकम

जबलपुर। अधारताल थाने में शाहिद हसन उम्र 34 वर्ष निवासी न्यू आनंद नगर ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि 172727 रूपये की राशि का ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हुआ है। यह वित्तीय धोखाधड़ी मप्र राज्य क्षेत्र में हुई है। किसी व्यक्ति ने उसे ऑनलाइन डर या चोट पहुंचाने की धमकी देकर धोखा दिया है।

धक्का देकर युवक से छीना मोबाइल

अधारताल इलाके में लुटेरों की दहशत

जबलपुर। अधारताल थाने में शुभम उसरेठे उम्र 30 वर्ष निवासी जागृति नगर न्यू रामनगर ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह अपनी पत्नि के साथ धनी की कुटिया रोड मे पैदल टहलने निकले थे। तभी पीछे तरफ से एक मोटर सायकिल मे 2 अज्ञात लडके धक्का देकर उसका मोबाइल छीनकर भाग गए।

निगमायुक्त ने किया गौरीघाट का निरीक्षण

घाटों के सौंदर्यीकरण के दिए निर्देश

जबलपुर। गौरीघाट की सुंदरता और स्वच्छता को बनाये रखने के लिए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने क्षेत्र का विस्तृत दौरा कर थ्री-आर री-डयूस, री-यूज, रीसायकल सेंटरों का निरीक्षण किया और घाटों के सौंदर्यीकरण के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिये।

अवैध शराब का गढ़ बना रांझी

एक तरफ शहर में आए दिन नई शराब दुकानें खुलने से आमजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तो वहीं दूसरी ओर अवैध शराब माफिया भी खुलेआम रिहायशी इलाकों में अवैध शराब का धंधा धड़ल्ले से करते हुए नजर आ रहे है। दरअसल हम बात कर रहे हैं रांझी क्षेत्र में बने आमानाला गणेशगंज इलाके की।

चौधरी ब्रदर्स पर आरोप: विरोध करने पर मारपीट का शिकार हो रहे आमजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

यहां के स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले कई वर्षो से एक परिवार के द्वारा धड़ल्ले से अवैध शराब की ब्रिकी और जुआ-सट्टा जैसी अनैतिक गतिविधियां करवाई जा रही है। जिससे आमजनों को आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कई बार विरोध करने पर उन्हें मारपीट और जान से मारने तक की धमकी दी जा रही है।

ये है पूरा मामला

इस मामले में संजय सोनकर और राकेश सोनकर निवासी आमानाला गणेशगंज, रांझी ने पुलिस कप्तान को लिखित शिकायत कर बताया है कि उनके मोहल्ले में रहने वाले लाला उर्फ संदीप चौधरी, दिलीप चौधरी और लल्लू चौधरी क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से अवैध शराब, सट्टा और जुआ खिलवाते आ रहे हैं। जिससे पूरे क्षेत्र का माहौल खराब हो चुका है। शिकायत में बताया गया कि इससे पहले मोहल्ले के लोगों द्वारा इसका विरोध किया गया, परंतु चौधरी के परिवार द्वारा उन्हें गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी जाती हैं।

क्षेत्रीय पुलिस से संलिप्ता के आरोप

संजय सोनकर और राकेश सोनकर ने बताया कि इससे पहले चौधरी के परिवार द्वारा उनके साथ अनैतिक गतिविधियों का विरोध करने पर आपत्ति जताई गई थी। जिसके बाद उन दोनों को मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस बात की शिकायत उनके द्वारा रांझी थाने में की गई थी। परंतु आज दिनांक आरोपियों पर कार्यवाही नहीं गई। वहीं क्षेत्रीय लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा है कि चौधरी परिवार द्वारा अवैध शराब, जुआ और सट्टा का यह पूरा अनैतिक कार्य रांझी पुलिस की शह पर किया जा रहा है। उनका आरोप है कि इनके द्वारा पुलिस को इन गैर कानूनी कार्यों को संचालित करने के बदले मोटी रकम दी जाती है। जिससे इन अपराधियों के हौसले दिन-प्रतिदिन बुलंद होते जा रहे हैं।

बड़ी अनहोनी होने की संभावना

लिखित शिकायत में बताया गया कि संदीप चौधरी, दिलीप चौधरी और लल्लू चौधरी द्वारा मोहल्ले में आए दिन डीजे बजवाकर बाहरी लड़कों को शराब पिलवाकर डांस करवाया जाता हैं। जिसके कारण इलाके की महिलाओं के साथ आए छेड़छानी जैसी घटनाएं हो रही हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि उन्हें डर हैं कि क्षेत्र में किसी दिन कोई बड़ी घटना ना हो जाएं। क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस कप्तान से लिखित कर शीघ्र-अतिशीघ्र कार्यवाही करने की मांग की है।

इन्होंने कहा

यह मामला अभी मेरे संज्ञान में आया है। सबंधित क्षेत्र के सीएसपी से जांच कराकर मामले में वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

संपत उपाध्याय
एसपी

हितकारिणी समर कैंप

विद्यार्थियों ने सीखी तीरंदाजी की कलाएं

तीरंदाजी अकादमी में विजिट कर किया अभ्यास

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा हितकारिणी सभा विद्या परिषद के संयुक्त आयोजन में चल रहे समर कैंप में छात्र-छात्राओं को तीरंदाजी अकादमी अधारताल का विजिट कराया गया । जहां छात्रों को तीरंदाजी के बारे में जानकारी देते हुए तीरंदाजी अकादमी के सचिन पटेल ने छात्रों को तीरंदाजी का अभ्यास कराया। इस अवसर पर हितकारिणी सभा के दीपक राठौर, विवेक चौधरी एवं जयेश सिंह राठौर उपस्थित रहे । इस दौरान सचिन पटेल के द्वारा यह भी बताया गया की किस तरह तीरंदाजी के द्वारा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर छात्र-छात्रा जबलपुर का नाम रोशन कर रहे है ।

रंगमंच और अभिनय का प्रशिक्षण

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में चल रहे समर कैंप में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। समर कैंप में कई तरह के खेलों का अभ्यास कराया जा रहा है इसके साथ ही विवेचना रंग मंडल द्वारा छात्र-छात्राओं को रंगमंच एवं अभिनय का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है । जिसमें बड़ी संख्या में विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्रा भाग ले रहे हैं । जयेश सिंह राठौड़ ने बताया कि छात्रों को कुछ अन्य स्थानों की विजिट भी कराई जाएगी जिसमें छात्रों को अधिक से अधिक जानकारियां प्राप्त हो सके ।

योग बना रहा बच्चों को निरोगी

मध्य प्रदेश योग एसोसिएशन के सचिव दिनेश सिंह ने बताया की छात्र-छात्राएं लगातार योग का अभ्यास कर रहे हैं एवं उनकी रूचि योग में बढ़ती जा रही है । हितकारिणी महिला महाविद्यालय में योग केंद्र लगातार जारी रहता है जिसमें छात्र-छात्राएं कभी भी प्रवेश लेकर नियमित योग का अभ्यास कर सकते हैं।

विद्यार्थियों के कंधों से घटेगा बोझ, डीपीआई ने तय किया प्रत्येक कक्षाओं के बैग का वजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में विद्यार्थियों के भारी स्कूल बैग को लेकर अब प्रशासन सख्त हो गया है। दरअसल बाल संरक्षण आयोग और लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने कलेक्टर को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि स्कूलों में नेशनल बैग पॉलिसी का सख्ती से पालन कराया जाए। आयोग ने साफ कहा है कि पहली कक्षा के बच्चे का स्कूल बैग 1078 ग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए। यदि कोई स्कूल तय मानकों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाए। संचालनालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्री-प्राइमरी कक्षाओं के बच्चों के लिए बैग की आवश्यकता ही नहीं है।

वहीं कक्षा 1 से 12वीं तक छात्रों के बैग का अधिकतम वजन तय किया गया है। निर्देश में कहा गया है कि भारी बस्तों के कारण बच्चों के शारीरिक विकास पर असर पड़ सकता है और मानसिक दबाव भी बढ़ता है।

***बस्ते का वजन जांचने के निर्देश*-** जानकारी के मुताबिक समग्र शिक्षा अभियान और लोक शिक्षण संचालनालय की अपर परियोजना संचालक नंदा भलावे ने जिला शिक्षा अधिकारियों को पहले ही पत्र भेजकर स्कूलों में बैग का वजन जांचने के निर्देश दिए थे। स्कूलों में निरीक्षण कर यह जानकारी भी मांगी गई थी कि छात्रों के बैग का वजन कितना पाया गया।

होटल के कमरे में मिली महिला की खून से सनी लाश

संजीवनी नगर थाने का मामला, हत्या की आशंका

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। धनवंतरी नगर स्थित एक होटल में शुक्रवार दोपहर महिला की खून से सनी लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर संजीवनी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस पूछताछ में होटल मैनेजर महिला के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका। जांच में यह भी सामने आया कि होटल प्रबंधन ने महिला से कमरा लेते समय न तो आधार कार्ड लिया और न ही उसका नाम-पता दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक रिलेक्स-इन होटल के कमरा नंबर-9 में करीब 40 वर्षीय महिला एक युवक के साथ ठहरी थी। शुक्रवार दोपहर होटल कर्मचारी नाश्ता देने पहुंचा, लेकिन काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद दूसरी चाबी से कमरा खोला गया तो अंदर महिला की लाश पड़ी मिली। महिला के शरीर पर खून और चोट के निशान पाए गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में जहरखुरानी की आशंका भी जताई जा रही है।

***मौके से शराब की बोतल बरामद*-** अब तक पुलिस की जांच में सामने आया कि महिला के साथ आया युवक गुरुवार रात से लापता है। महिला के पास कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिले हैं। इस मामले को लेकर सीएसपी एमएल नागोतिया के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है और युवक की तलाश की जा रही है। जांच में यह भी पता चला कि होटल में 6 मई को दमोह निवासी गुड्डू बंसल नाम के युवक ने महिला के साथ कमरा लिया था। उसने आईडी के तौर पर ड्राइविंग लाइसेंस जमा कराया था। कमरे से शराब की बोतल भी बरामद हुई है। होटल कर्मचारियों के अनुसार दोनों खुद को पति-पत्नी बताकर होटल में रुके थे। बहरहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

2 ट्रेनों के बढ़ाए गए कोच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे द्वारा यात्री सुविधा एवं मांग को देखते हुए स्थाई/अस्थाई तौर पर अतिरिक्त कोच लगाए जाते है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु रानी कमलापति-हज़रत निज़ामुद्दीन-रानी कमलापति एवं नई दिल्ली-डॉ. आंबेडकर नगर-नई दिल्ली एक्सप्रेस में एक वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का स्थायी रूप से कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 12155 रानी कमलापति-हज़रत निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस में 24 जून 2026 से लगेगा। गाड़ी संख्या 12156 हज़रत निज़ामुद्दीन-रानी कमलापति एक्सप्रेस में 27 जून 2026 से लगेगा। गाड़ी संख्या 20156 नई दिल्ली-डॉ. आंबेडकर नगर एक्सप्रेस में 25 जून 2026 से लगेगा। गाड़ी संख्या 20155 डॉ. आंबेडकर नगर-नई दिल्ली एक्सप्रेस में 26 जून 2026 से लगेगा।

रेस्क्यू करने वाले सभी मजदूरों का हुआ सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रादुविवि छात्र परिषद ने बरगी बांध के मजदूरों, इंजीनियर और पुलिस का सम्मान किया । बरगी डेम हादसे में लोंगो को बचाने वाले विवेक पटेल , मंजेश बाजपेई, शशिरंजन मालाकार , वीरेन्द्र यादव, समर कुमार मुन्ना, रमजान शेख, छोटू, प्रेम कुशवाहा, उपेन्द्र, राजा, शिवनाथ, राहुल, संजय, संतोष, भुवज, राम बहादुर, नारायण, अरविंद यादव, राजेश साहनी, प्रद्युम्न यादव, राजाराम , साहिल शेख, इब्राहिम शेख, नूरे सलाम शेख, दुनो हुसैन, मुक्तार शेख, सम्राट आलम, हाजी , अजित अख्तर, अब्दुल गुनौरूददीन, तुहीम का रादुविवि छात्र परिषद ने पुष्प माला और सम्मान पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

खुद को बचाने में लगे दोषी अधिकारी

मुझे बनाया जा रहा बलि का बकरा

बरगी डैम हादसे में सामने आया क्रूज़ कैप्टन का बयान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी बांध डैम में विगत 30 अप्रैल को हुए क्रूज़ हादसे को लेकर पायलट महेश पटेल का बड़ा बयान सामने आया है। उनका कहना है कि क्रूज़ के एक इंजन में खराबी थी। जिसकी जानकारी उन्होंने 7 माह पहले अक्टूबर में ही मैनेजर को दे दी थी। साथ ही इसके बाद मुख्यालय को पत्र लिखकर सूचना भी दी गई, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। महेश पटेल ने कहा कि यह गलत है कि वह क्रूज़ से कूदकर भाग गए थे।

उन्होंने कई लोगों को बचाया, लेकिन इसी दौरान पानी की तेज लहर क्रूज़ के अंदर आ गई और वह बह गया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी यात्रियों से लाइफ जैकेट पहनने को कहा था, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। बरगी बांध में उनके अलावा भी कई लोग क्रूज़ चला रहे हैं।

बयान दर्ज करने कलेक्ट्रेट बुलाया दरअसल, हादसे के बाद पीड़ितों, मृतकों के परिजनों और क्रूज़ चालक के बयान दर्ज करने के लिए शुक्रवार को कलेक्ट्रेट बुलाया गया था। इस दौरान क्रूज़ हादसे में पर्यटकों को बचाने वाले बचाव दल के सदस्यों से भी पूछताछ कर उनके बयानों की वीडियो रिकार्डिंग की गई। उन मजदूरों को भी बयान दर्ज कराने बुलाया गया था, जिन्होंने पर्यटकों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

13 लोगों ने गवाई थी अपनी जान

बता दें कि इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई थी, इनमें 4 बच्चे 8 महिलाएं और एक पुरूष शामिल हैं। महेश पटेल ने बताया कि अक्टूबर 2026 में बरगी स्थित मैकल रिसॉर्ट के मैनेजर ने लिखित रूप से क्रूज़ की तकनीकी खामियों की जानकारी दी थी। पत्र में बताया गया था कि संचालित क्रूज़ के दो इंजनों में से एक इंजन धीमी गति से काम कर रहा था और उसकी क्षमता कम हो चुकी थी। वहीं, दूसरा इंजन स्टार्ट होने के बाद कभी भी बंद हो जाता था। यह पत्र पर्यटन विभाग के माध्यम से भोपाल स्थित जल क्रीड़ा विभाग के महाप्रबंधक को भेजा गया था।

दबा दी गई फाइल

महेश पटेल का आरोप है कि गंभीर चेतावनी के बावजूद विभाग ने मामले को नजरअंदाज कर दिया और फाइल दबा दी। इतना ही नहीं, शिकायत करने वाले मैनेजर सुनील मरावी को ही सस्पेंड कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पत्र की जानकारी लीक नहीं करने के लिए भी दबाव बनाया गया। महेश पटेल ने बताया कि इंजन स्टार्ट तो हो जाता था और गियर भी लगते थे, लेकिन पिकअप कम था और स्पीड 12 से ऊपर नहीं जा रही थी। इसी वजह से उस इंजन का उपयोग नहीं किया जाता था और अधिकतर संचालन एक ही इंजन से किया जाता था।

एक क्रूज़ के दोनों इंजन सीज

बताया जा रहा है कि बरगी बांध में संचालित दो क्रूज़ में से एक लंबे समय से बंद पड़ा है और उसके दोनों इंजन भी खराब बताए जा रहे हैं। इसके बावजूद संचालन व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया। जिला कलेक्टर सहित कई प्रशासनिक अधिकारी इस क्रूज़ में सफर कर चुके हैं, लेकिन तकनीकी खामियों की अनदेखी होती रही।

एक और याचिका हुई दायर

इधर, मामले में न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए पुलिस को एफआइआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। बरगी थाना पुलिस को दो दिनों के भीतर कार्यवाही कर न्यायालय को अवगत कराने के लिए कहा गया है। संभावना जताई जा रही है कि क्रूज़ के कैप्टन पर एफआइआर दर्ज हो सकती है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि हादसे की जिम्मेदारी कब तय होगी और दोषियों पर कार्यवाही कब तक होगी। इधर क्रूज़ हादसे को लेकर मप्र हाईकोर्ट में शुक्रवार को एक और याचिका दायर की गई। जबलपुर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पा तिवारी ने केंद्र सरकार, राज्य सरकार और पर्यटन विभाग को पक्षकार बनाते हुए एसआईटी जांच की मांग की है। याचिका में मांग की गई है कि आईजी रैंक के आईपीएस अधिकारियों की टीम बनाकर 60 दिनों में जांच पूरी कर रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की जाए। मामले में जल्द सुनवाई हो सकती है।

पमरे महिला कल्याण संगठन ने श्रमिकों को किया सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व भर में 01 मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी के उपलक्ष्य में पश्चिम मध्य रेल पर श्रमिकों के योगदान एवं उनके परिश्रम को रेखांकित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अंतर्गत कोटा, भोपाल एवं जबलपुर मण्डलों में कार्यरत ग्रुप डी के रेल कर्मचारियों को पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती ऋचा सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। महिला कल्याण संगठन ने इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, परिचालन एवं संकेत एवं दूरसंचार के विभागों में कार्यरत ट्रैक मैन्टेनर, हेल्पर, सामान्य सहायकों, पॉइंट्स मैनों आदि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुल 15 रेलकर्मियों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय की महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्ष अर्चना खत्री, सचिव रेनू गौतम आदि उपस्थित रहीं।

South Avenue Mall | moviemagic | ruby moviemagic

KRISHNAVATARAM PART 1 (HINDI)	RUBY 9:00 AM 4:00 PM, 7:00 PM & 10:00 PM
DAADI KI SHAADI (HINDI)	10:10 AM & 1:05 PM
MORTAL KOMBAT II (HIN/ENG)	RUBY HINDI - 2:45 PM | 9:00 AM RUBY ENG - 7:15 PM
THE SHEEP DETECTIVES (ENG)	RUBY 10:15 AM
RAJA SHIVAJI (HINDI)	RUBY 11:40 AM, 3:10 PM, 6:30 PM & 9:50 PM
THE DEVIL WEARS PRADA 2 (ENG)	RUBY 5:00 PM
MICHAEL (ENG)	RUBY 9:30 PM | 3:40 PM & 10:30 PM
BHOOTH BANGLA (HINDI)	9:20 AM, 12:30 PM, 3:45 PM, 7:00 PM & 10:15 PM
LEE CRONIN'S THE MUMMY (HINDI)	12:20 PM
DHURANDHAR THE REVENGE (HINDI)	11:25 AM & 6:15 PM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC NOW WITH 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**